महानगर नई दिल्ली सोमवार 22 जुलाई, 2019, रु. 5.00 (12 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

# जनसत्ता

jansatta.com | epaper.jansatta.com | facebook.com/jansatta | twitter.com/jansatta

# चंद्रयान-2 की उलटी गिनती, आज दोपहर 2:43 बजे प्रक्षेपण

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

चंद्रमा पर चंद्रयान-2 को रवाना करने के लिए रविवार शाम 6:43 बजे से उलटी गिनती शुरू हो गई। सोमवार को दोपहर 2:43 बजे इसे लेकर जाने वाला भारी-भरकम रॉकेट जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लांच व्हीकल-मार्क 3 (जीएसएलवी एमके 3) प्रक्षेपित कर दिया जाएगा।

जीएसएलवी एमके 3 को 'बाहुबली' भी कहा जाता है। यह रॉकेट 44 मीटर लंबा और 640 टन वजनी है। यह 3.8 टन का चंद्रयान-2 यान लेकर जाएगा। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से इसे छोड़ा जाएगा। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद श्रीहरिकोटा में चंद्रयान-2 का प्रक्षेपण होते हुए देखेंगे। वे एक दिन पहले ही श्रीहरिकोटा पहुंच गए हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) के प्रमुख के सिवन ने ट्वीट कर कहा कि चंद्रमा पर भेजे जाने वाले भारत के दूसरे यान की रविवार शाम को उलटी गिनती 6:43 बजे से शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि रॉकेट की गड़बड़ियां दूर कर ली गई हैं और इसका पूर्वाभ्यास (रिहर्सल) सफल रहा। सब कुछ सामान्य रहा। इसरो ने अलग से प्रक्षेपण की जानकारी देते हुए ट्वीट किया, जिसमें कहा गया है कि सोमवार को दोपहर 2:43 बजे इसे रवाना कर दिया जाएगा। इससे पहले 15 जुलाई को इसका प्रक्षेपण देर रात 2:51 बजे श्रीहरिकोटा से किया जाना था, लेकिन छोड़े जाने से करीब एक घंटा पहले इसमें तकनीकी खराबी का पता लगने के बाद अभियान रोक दिया गया था।

प्रक्षेपण के करीब 16 मिनट बाद बाहुबली रॉकेट चंद्रयान-2 को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित कर देगा। पृथ्वी और चांद की दूसरी करीब 3,844 लाख किलोमीटर है। 375 करोड़ रुपए की लागत वाला जीएसएलवी-मार्क -3 रॉकेट 603 करोड़ रुपए की लागत से तैयार चंद्रयान-2 को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित करेगा। वहां से चांद की यात्रा शुरू होगी। चंद्रयान-2 में लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान चांद तक जाएंगे। लैंडर विक्रम सितंबर बाकी पेज 8 पर

*रविवार* शाम 6:43 बजे शुरू हुई उलटी गिनती, प्रक्षेपण के दौरान राष्ट्रपति रहेंगे मौजूद।
*'बाहुबली'* या जीएसएलवी एमके 3 प्रक्षेपण के 16 मिनट बाद चंद्रयान-2 को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित करेगा।
*चंद्रमा* के अपने गंतव्य तक 54 दिनों में पहुंचेगा चंद्रयान-2।
*चंद्रयान-2* में कुल 13 पेलोड हैं। आठ ऑर्बिटर में, तीन पेलोड लैंडर विक्रम और दो पेलोड रोवर प्रज्ञान में।

## राज्यपाल मलिक आतंकियों से बोले, कश्मीर को लूटने वालों को निशाना बनाओ

# बेगुनाहों की हत्या बंद करो

श्रीनगर, 21 जुलाई (भाषा)।

जम्मू कश्मीर के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने रविवार को आतंकवादियों से कहा कि वे सुरक्षाकर्मियों समेत बेगुनाहों की हत्या करना बंद करें और इसके बजाय उन लोगों को निशाना बनाएं जिन्होंने वर्षों तक कश्मीर की संपदा को लूटा है। जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के इस बयान पर विवाद उत्पन्न हो सकता है।

सत्यपाल मलिक

लद्दाख क्षेत्र के करगिल में 'करगिल लद्दाख पर्यटन महोत्सव-2019' के उद्घाटन के दौरान मलिक ने कहा, 'ये लड़के जिन्होंने हथियार उठाया है वे अपने ही लोगों की हत्या कर रहे हैं, वे पीएसओ (निजी सुरक्षा अधिकारियों) और एसपीओ (विशेष पुलिस अधिकारियों) की हत्या कर रहे हैं। इनकी हत्या क्यों कर रहे हो? उनकी हत्या करो जिन्होंने कश्मीर की संपदा लूटी है। क्या तुमने इनमें से किसी मारा है?'

हालांकि राज्यपाल ने फौरन यह भी कहा कि हथियार उठाना कभी हल नहीं हो सकता और श्रीलंका में एलटीटीई का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा बाकी पेज 8 पर

## दस फीसद वोट पाकर जीतने वाले नेताओं से परेशान कश्मीरी : सिंह

जम्मू, 21 जुलाई (भाषा)।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि कश्मीर के लोग ऐसे नेताओं से परेशान हो चुके हैं जो 'मात्र 10 फीसदी वोट' पाकर लोकसभा या राज्य विधानसभा में पहुंच जाते हैं और राजनीति में गिने चुने परिवारों या व्यक्तियों के वर्चस्व को कायम रखना उनका निहित स्वार्थ बन जाता है।

जितेंद्र सिंह

कश्मीरी नेताओं पर तंज कसते हुए सिंह ने कहा कि कश्मीर के राजनेता अब भी इस अतीत से चिपके हुए हैं और वे यह नहीं समझते है कि आम मतदाता उससे बहुत आगे बढ़ चुका है और उनमें 70 फीसदी युवा हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर के लोग ऐसे नेताओं से बाकी पेज 8 पर

# नेतन्याहू नौ सितंबर को भारत आएंगे

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपने समकक्ष नरेंद्र मोदी से मुलाकात के लिए नौ सितंबर को एक दिन की भारत की यात्रा करेंगे। इस मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय कारोबार और रक्षा सहयोग के बारे में बातचीत होगी। इजराइल में आम चुनाव के आठ दिन पहले नेतन्याहू की भारत यात्रा हो रही है।

विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, इजराइली प्रधानमंत्री नौ सितंबर को कुछ घंटे के लिए ही बाकी पेज 8 पर

**अंतिम यात्रा**

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित का रविवार को पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में विभिन्न पार्टियों के वरिष्ठ नेता, कांग्रेस कार्यकर्ता और आम लोग शामिल हुए।
*फोटो : प्रेम नाथ पांडेय*
*(खबर पेज 4 पर)*

## जादू-टोने का था शक

# चार बुजुर्ग आदिवासियों की गुमला में पीट-पीटकर हत्या

जनसत्ता ब्यूरो/एजंसी
नई दिल्ली/गुमला, 21 जुलाई।

झारखंड के गुमला जिले में जादू-टोना करने के संदेह में दो महिलाओं समेत चार बुजुर्गों की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। सभी आदिवासी समुदाय के हैं। यह घटना शनिवार रात को जिले के सिसकारी गांव में हुई। पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार झा के मुताबिक, चेहरा ढंके हुए 10 लोगों के समूह ने इन लोगों को घरों से बाहर निकाला और डंडों से तब तक पीटते रहे जब तक उनकी मौत नहीं हो गई।

पुलिस अधीक्षक के मुताबिक, 'यह जादू-टोने से जुड़ी घटना लग रही है और मामले की जांच की जा रही है।' जो लोग मारे गए हैं, उनके नाम हैं- सूना उरांव (65), चापा भगत (79), फगनी उरांव (60) और पीरो उरांव (74)। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, चापा भगत व पीरो झाड़-फूंक के साथ बाजार में आलू-प्याज बेचने का काम करते थे। सुना उरांव झाड़-फूंक के साथ खेती बारी का काम करता था। फगनी उरांव भी झाड़-फूंक का काम करती थीं और अपने बेटों से अलग रहती थीं। गुमला जिले के सिसई प्रखंड मुख्यालय से 25 किलोमीटर की दूरी पर सिसकारी गांव में हुए इस नरसंहार को शनिवार देर रात तीन बजे 10 लोगों ने चारों को उनके घरों से खींचकर बाहर निकाला और हत्या कर दी। इस हत्याकांड को अंजाम देने से पहले गांव में हत्यारों ने पंचायत लगाई थी। चारों लोगों पर ओझा गुनी और टोना-टोटका करने का आरोप लगाया गया। लाठी डंडे और धारदार हथियारों से लैस लोगों ने तीन घरों का दरवाजा खुलवाकर चारों लोगों को निकालने के बाद बाहर से सभी तीन घरों में ताला जड़ दिया।

*चेहरा* ढंके 10 लोगों ने इन सभी को घरों से निकाला और लाठी-डंडों से जमकर पीटा।
*हत्याकांड* को अंजाम देने से पहले गांव में हत्यारों ने पंचायत लगाई थी।

अगवा किए गए सभी लोगों को अपराधी गांव के किनारे आखाड़ा आंगनबाड़ी केंद्र के पास ले गए। वहां उन सभी की लाठी-डंडों से बुरी तरह पिटाई कर हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने सिसई थाना को पांच बजे सुबह सूचना दी जिसके बाद पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार झा, बसिया के अनुमंडल पुलिस अधिकारी दीपक कुमार समेत अन्य अधिकारी वहां पहुंचे। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने माना कि चारों लोगों की हत्या सुनियोजित घटना है। हत्या के बाद घटना को अंजाम देने वाले लोग गांव छोड़ कर भाग गए हैं। यहां के अधिकतर घरों में ताला बंद है। पुलिस गांव के प्रधान से पूछताछ कर रही है। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

## सोनभद्र घटना के बाद दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा

# कांग्रेस व सपा नेता जिम्मेदार, कार्रवाई के लिए रहें तैयार

जनसत्ता/भाषा
सोनभद्र, 21 जुलाई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सोनभद्र गोलीकांड के लिए कांग्रेस और सपा के नेताओं को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि उन्हें इसकी सजा के लिए तैयार रहना चाहिए।

योगी ने सोनभद्र के उम्भा गांव में बुधवार को जमीन पर कब्जे को लेकर हुई गोलीबारी में मारे गए लोगों के परिजन से मुलाकात के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए कहा कि उनकी सरकार इस वारदात की तह तक जाएगी और 'घड़ियाली आंसू' बहाने वालों का पर्दाफाश करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हत्याकांड में मारे गए लोगों के परिजन को मुआवजा पांच लाख से बढ़ाकर 18.50 लाख रुपए कर दिया गया है। वहीं, घायलों को अब 50 हजार से बढ़ाकर 2.50 लाख रुपए मुआवजे के तौर पर दिए जाएंगे।

*यह* बात सामने आई है कि इस मामले की तह में कांग्रेस के नेताओं का पाप है। जिन लोगों ने यह पाप किया, उनकी सपा के साथ आर्थिक साझेदारी रही है। इस घटना का आरोपी यज्ञदत्त समाजवादी पार्टी का सक्रिय कार्यकर्ता है, जबकि उसका भाई बसपा नेता है। कांग्रेस और सपा के नेता इस पाप के लिए जिम्मेदार हैं और इसकी सजा के लिए उन्हें तैयार भी रहना चाहिए।

उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) पर भी हमला करते हुए कहा कि यह बात सामने आई है कि इस मामले की तह में कांग्रेस के नेताओं का पाप है। जिन लोगों ने यह पाप किया, उनकी सपा के साथ आर्थिक साझेदारी रही है। इस घटना का आरोपी यज्ञदत्त समाजवादी पार्टी का सक्रिय कार्यकर्ता है, जबकि उसका भाई बसपा नेता है। योगी ने एक सवाल पर कहा कि कांग्रेस और सपा बाकी पेज 8 पर

# चंडीगढ़ का सरकारी बंगला खाली किया नवजोत सिद्धू ने

चंडीगढ़, 21 जुलाई (भाषा)।

कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने पंजाब सरकार द्वारा आबंटित सरकारी बंगला रविवार को खाली कर दिया।

सिद्धू ने पंजाब कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था, जिसे मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने शनिवार को स्वीकार कर लिया। इस्तीफा देने के बाद से सिद्धू लगातार मीडिया से बच रहे थे। संवाददाता लगातार उनसे पूछे रहे थे कि क्या उन्होंने यहां का आवास खाली कर दिया है।

सिद्धू ने ट्वीट किया, 'मंत्री का बंगला खाली कर दिया है और उसे पंजाब सरकार के सुपुर्द कर दिया है।' गौरतलब है कि मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने शनिवार को सिद्धू का 'एक लाइन' का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था और इसे मंजूरी के लिए बाकी पेज 8 पर

# ईरान ने कहा, टैंकर-चालक दल के सदस्यों को नहीं छोड़ेंगे

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

ईरान ने जब्त किए गए ब्रिटिश तेल टैंकर और उसके चालक दल के सदस्यों को छोड़ने से इनकार कर दिया है। ईरान ने रविवार को कहा कि ब्रिटिश झंडे वाले जब्त टैंकर के मामले में उसकी जांच की रफ्तार टैंकर के चालक दल के सहयोग पर निर्भर करती है। पोत को वापस सौंपने की अपीलों की अनदेखी करने के बाद ईरान ने यह बयान दिया। इस बारे में भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि तेहरान स्थित दूतावास के अधिकारी ईरानी विदेश मंत्रालय के संपर्क में हैं और पकड़े गए भारतीयों को छुड़ाने के प्रयास जारी हैं।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने बंदर अब्बास पोर्ट पर ब्रिटिश तेल टैंक 'स्टेना इंपेरो' टैंकर को जब्त कर लिया गया था। इस टैंकर में चालक दल के 23 सदस्य सवार थे। चालक दल के सदस्यों में बाकी पेज 8 पर

## दरअसल

## भूषण पटवर्द्धन की अगुआई में गठित हुई समिति

## उच्च शिक्षा

## व्यावहारिकता पर अध्ययन जारी

# यूजीसी दे सकता है एक साथ दो डिग्री की इजाजत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

उच्च शिक्षा हासिल करने वाले विद्यार्थी जल्द ही विभिन्न विश्वविद्यालयों या एक ही विश्वविद्यालय से एक साथ दो डिग्रियां हासिल कर पाएंगे क्योंकि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) इस विचार की व्यावहारिकता का अध्ययन कर रहा है। यूजीसी ने एक ही विश्वविद्यालय या भिन्न विश्वविद्यालयों से पत्राचार, ऑनलाइन या अंशकालिक तरीके से एक साथ दो डिग्रियों की पढ़ाई करने के मुद्दे का परीक्षण करने के लिए अपने अध्यक्ष भूषण पटवर्द्धन की अगुआई में एक समिति बनाई है।

वैसे आयोग पहली बार इस मुद्दे का परीक्षण कर रहा है। यूजीसी ने 2012 में भी एक समिति बनाई थी और इस पर विचार-विमर्श किया गया था। बाद में इस विचार को खारिज कर दिया गया था। आयोग के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पिछले महीने यह समिति गठित की गई और उसकी एक बैठक हो भी चुकी है। अब विभिन्न हितधारकों के साथ इस विचार की व्यावहारिकता पर गौर करने के लिए विचार-विमर्श चल रहा है। 2012 में हैदराबाद के तत्कालीन कुलपति फुरकान कमर की अगुआई वाली समिति ने सिफारिश की थी कि नियमित तरीके के तहत डिग्री कार्यक्रम में दाखिला पाने वाले विद्यार्थी को उसी या अन्य विश्वविद्यालय से मुक्त या दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अधिकतम एक अतिरिक्त डिग्री की पढ़ाई की इजाजत दी जा सकती है। उस समिति ने कहा था कि नियमित रूप से दो डिग्रियों को एक साथ करने से विद्यार्थियों को आने जाने के अलावा प्रशासनिक और अकादमिक समस्याएं हो सकती हैं। नियमित डिग्री की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी को अधिकतम एक सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा या पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम को करने की अनुमति प्रदान की जा सकती है।

*यूजीसी* के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पिछले महीने यह समिति गठित की गई और उसकी एक बैठक हो भी चुकी है। अब विभिन्न हितधारकों के साथ इस विचार की व्यावहारिकता पर गौर करने के लिए विचार-विमर्श चल रहा है।

यूजीसी के अधिकारी के मुताबिक आयोग ने उस समय संवैधानिक परिषद से समिति की रिपोर्ट पर के बारे में उसकी राय मांगी थी। संवैधानिक परिषद ने एक साथ एक से अधिक डिग्रियां करने के विचार पर अपनी सहमति नहीं दी थी। इसी वजह से 2012 में यह योजना लागू नहीं हो पाई थी। इस पर एक बार फिर से विचार करने का निर्णय किया गया है क्योंकि तकनीक की वजह से काफी बदलाव आए हैं। अधिकतम विद्यार्थी नियमित डिग्री पाठ्यक्रम के साथ विशेष या पेशेवर पाठ्यक्रम करने की इच्छा रखते हैं।

# जनसत्ता क्लासीफाइड

## व्यक्तिगत

I, Sanjeev Kumar Goyal S/O Amrit Lal R/O Plotno.122/B, G-Block, Amanki Kothi, Aman Colony, Narela, Delhi-110040.Changed my Name to Sanjeev Kumar. 0040504105-4

I, Roma Gupta W/o Vivek Gupta R/O-457A Sector-15 Faridabad. Change His Minor Son Name Chitransh Gupta To Divyadit Gupta. 0040504105-6

I, PRIYANKA CHADHA W/o PUNEET CHADDHA R/o E- 94 Kamakshi Apartment, Plot No- 28, Sector-06, Dwarka South West Delhi-110075, have changed my name from PRIYANKA CHADHA to PRIYANKA CHADDHA for all future purposes. 0040504022-1

I, Manoj Kumar S/O Manohar Lal R/O B-2/74, I-Floor, Sector-16, Nr.District Park, Rohini, Delhi-110089.Changed my Name to Manoj Kumar Kakkar. 0040504105-2

I, Mahesh S/O Mulakh Raj R/O 3981, First Floor, Flatno.4, Roshanara Road,Old Subji Mandi, Delhi-110007.Changed my Name to Mahesh Gandhi. 0040504105-1

I, Madan Mohan Pant (Army Service No -4154297; Ex-Hav) S/o Late. Sh. Lila Nand Pant R/o Village Pali PO Pokhari District -Pithoragarh (Uttarakhand) presently residing at B-151A Gali -02 Sadatpur Colony,Karawal Nagar Road Delhi-94, hereby inform that my daughter Poonam Pant born on 15.02.1980. 0040504028-1

I, Madan Mohan Pant (Army Service No - 4154297; Ex- Hav) S/o Late. Sh. Lila Nand Pant R/o Village Pali PO Pokhari District - Pithoragarh (Uttarakhand) presently residing at B-151A Gali -02 Sadatpur Colony, Karawal Nagar Road Delhi-94 hereby informs that correct date of birth of my wife Smt. Hema Pant is 15.09.1952 not 12.05.1954. 0040504039-1

I, Laxmi D/O Uttam Singh R/O C-21/D, Avantika Enclave, Sector-2, Rohini, Delhi-110085. Have Changed My Name To Laxmi Bhandari. 0040504105-3

I, Jatin S/o Hira Lal Makhija R/o-65/51, 2nd floor,New Rohtak Road,New Delhi have changed my name to Jasmeet Singh Makhija. 0040504051-1

I, Jatin S/o Hira Lal Makhija R/o-65/51, 2nd floor,New Rohtak Road,New Delhi have changed my name to Jasmeet Singh Makhija. 0040504041-1

I Santosh Kumar S/O Sh.Nevi Lal Bishwas Employed As...IN The...Residing At Kochaili Dagaruwa Dist-PURNIA Bihar-854326.Have Changed The Name Of My Minor Son Sonu Kumar Age 15yrs And He Shall Hereafter Be Known As Viraj Kumar.It Is Certified That I Have Complied With Other Requirements In This Conection. 0040504105-5

I Ram Kumar Sharma S/o Late Shri Sohan Lal R/o-41/3 Karuna Kunj Sector-3, Dwarka, New Delhi-110059, inform that Ram Kumar and Ram Kumar Sharma both one and same person. But my correct name is Ram Kumar Sharma for all future purposes. 0040504070-1

### सर्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री रामपाल सिंह पुत्र श्री हरज्ञान सिंह व श्रीमति रामा देवी पत्नी [illegible]

Ashish Kumar Upadhyay (Advocate) Off.: E-223, Main Road, Khajuri Khas, Delhi-110094

### फार्म नं. आईएनसी-25ए

[illegible]

# मुंबई में इमारत में आग लगने से एक की मौत, 14 बचाए गए

मुंबई, 21 जुलाई (भाषा)।

मुंबई में प्रतिष्ठित ताज महल पैलेस होटल के पीछे स्थित एक चार मंजिला इमारत में रविवार को आग लग गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोपहर को चर्चिल चैंबर नामक इमारत में आग लग गई, जहां से अब तक 14 लोगों को बचाया जा चुका है। मृतक की पहचान 54 वर्षीय श्याम अय्यर के रूप में हुई है। एक अधिकारी ने बताया कि दमकल विभाग को मेरी वेदर रोड पर स्थित चार मंजिला इमारत में आग लगने को लेकर दोपहर करीब 12.17 बजे फोन आया।

प्रपत्र सं. आईएनसी-26
[कम्पनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 30 के अनुपालन में]
एक राज्य से दूसरे में कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के परिवर्तन के लिए समाचार पत्र में प्रकाशन के लिये विज्ञापन
केंद्र सरकार, क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, बी-2 बिंग, 2 रा तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लैक्स, नई दिल्ली के समक्ष

[illegible] सीजीओ कॉम्प्लैक्स, नई दिल्ली-110003 में जमा करें या जमा कराएं या पंजीकृत डाक से भेजें:

आवेदक के लिये तथा उसकी ओर से
टोटेश्र कंसल्टैन्सी सर्विसेस प्राईवेट लिमिटेड
हस्ता./-
शिखा मेहता
निदेशक
DIN: 07455867

तिथिः 22.07.2019
स्थानः नई दिल्ली

# नई दिल्ली में भुनाए गए 80.6 फीसद चुनावी बांड

इंदौर, 21 जुलाई (भाषा)।

## आरटीआइ से खुलासा

**कुल 10 चरणों में बंटी इस अवधि के दौरान 5,831.16 करोड़ रुपए के बांड भुनाए गए। यानी 20.25 करोड़ रुपए के शेष बांड तय समय-सीमा में भुनाए नहीं जा सके और नियमानुसार इनकी वैधता समाप्त हो गई।**

सूचना के अधिकार (आरटीआइ) से पता चला है कि सियासी दलों को चंदा देने के लिए मार्च 2018 से मई 2019 के बीच कुल 5,851.41 करोड़ रुपए के चुनावी बांड खरीदे गए। कुल 10 चरणों में बंटी इस अवधि के दौरान 5,831.16 करोड़ रुपए के बांड भुनाए गए। यानी 20.25 करोड़ रुपए के शेष बांड तय समय-सीमा में भुनाए नहीं जा सके और नियमानुसार इनकी वैधता समाप्त हो गई। गौर करने वाली बात यह है कि इनमें से 80.6 फीसद बांड सिर्फ नई दिल्ली में भुनाए गए जहां प्रमुख सियासी दलों के राष्ट्रीय मुख्यालय हैं। आलोच्य अवधि में गांधीनगर, गुवाहाटी, जयपुर, रायपुर, पणजी, तिरुअनंतपुरम और विशाखापत्तनम में कुल 279.70 करोड़ रुपए के चुनावी बांड बिके। लेकिन सातों शहरों में एक भी बांड नहीं भुनाया गया।

शुरुआती 10 चरणों के दौरान 13 शहरों-अगरतला, आइजोल, बादामी बाग (श्रीनगर), भोपाल, देहरादून, गंगटोक, इम्फाल, ईटानगर, कोहिमा, पटना, रांची, शिलॉन्ग और शिमला में एक भी चुनावी बांड नहीं बिका। लेकिन बादामी बाग, पटना, रांची और गांतोक में कुल 17.5 करोड़ रुपए के बांड भुनाए गए।

मध्यप्रदेश के नीमच निवासी आरटीआइ कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ ने दो अलग-अलग अर्जियों पर सूचना के अधिकार के तहत भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) से मिले आंकड़े रविवार को साझा किए। यह जानकारी चुनावी बांडों की बिक्री और इन्हें भुनाए जाने के शुरुआती 10 चरणों पर आधारित है।

उन्होंने बताया कि आलोच्य अवधि में नई दिल्ली में कुल 874.50 करोड़ रुपए के चुनावी बांड बिके, जबकि राष्ट्रीय राजधानी में इस रकम के मुकाबले पांच गुना से भी ज्यादा 4,715.58 करोड़ रुपए के बांड भुनाए गए।

मुंबई में 1,782.36 करोड़ रुपए के चुनावी बांड खरीदे गए लेकिन वहां इनमें से केवल 7 फीसद यानी 121.13 करोड़ रुपए के बांड ही भुनाए गए। इसी तरह कोलकाता में करीब 1,389 करोड़ रुपए के चुनावी बांडों की बिक्री हुई और वहां 167.50 करोड़ रुपए के बांड (12 फीसद) भुनाए।

बंगलुरु में करीब 195 करोड़ रुपए के चुनावी बांड खरीदे गए लेकिन उनमें से वहां इनमें से महज 1.5 करोड़ रुपए यानी एक फीसद बांड ही भुनाए गए।

हैदराबाद में 806.12 करोड़ रुपए के चुनावी बांड बिके और 512.30 करोड़ रुपए के बांड भुनाये गए। भुवनेश्वर में 315.76 करोड़ रुपए के चुनावी बांड बिके और 226.50 करोड़ रुपए के बांड भुनाए गए। चेन्नई में 184.20 करोड़ रुपए के चुनावी बांड बिके और 51.55 करोड़ रुपए के बांड भुनाए गए।

बहरहाल, आरटीआइ के तहत इस बात का ब्योरा सामने नहीं आया है कि चुनावी बांड खरीदने वाले चंदादाता कौन थे और इन बंधपत्रों से किन-किन सियासी पार्टियों के खजाने में कितनी रकम जमा हुई। लेकिन नियमों के मुताबिक वे ही सियासी दल चुनावी बांड के जरिये चंदा लेने की पात्रता रखते हैं जो लोक प्रतिनिधित्व कानून की धारा 29-ए के तहत पंजीबद्ध हैं और जिन्हें लोकसभा या विधानसभा के पिछले आम चुनाव में पड़े वोटों में से कम से कम एक फीसद वोट मिले हों।

गौरतलब है कि आलोच्य अवधि में देश भर में एसबीआइ की विभिन्न अधिकृत शाखाओं के जरिये एक हजार रुपए, दस हजार रुपए, एक लाख रुपए, दस लाख रुपए और एक करोड़ रुपए के मूल्य वर्गों वाले चुनावी बांड बिक्री के लिए जारी किए गए थे। ये बांड चंदा पाने वाले सियासी दलों द्वारा एसबीआई की अधिकृत शाखाओं में चालू खाते खोलकर भुनाए गए।

# छत्तीसगढ़ में दो नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

दंतेवाड़ा, 21 जुलाई (भाषा)।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में दो नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि इनमें से एक पर नकद इनाम था।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हिदमा मांडवी और मंगू मांडवी ने दंतेवाड़ा के पुलिस अधीक्षक अभिषेक पल्लव के सामने शनिवार शाम को आत्मसमर्पण किया। उन्होंने कहा कि 1997 में गैरकानूनी घोषित किए गए संगठन भाकपा (माओवादी) के साथ जुड़ा हिदमा मांडवी जिले में बागियों की आपूर्ति टीम के प्रभारी के तौर पर काम करता था।

2017 में माओवादियों के लिए कपड़े व विस्फोटक खरीदते समय पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। उस पर तीन लाख रुपए का इनाम था।

अधिकारी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली घुमियापल गांव में चेतना नाट्य मंडली के सदस्य थे जो माओवादियों की सांस्कृतिक शाखा है। अपने बयान में दोनों ने कहा कि उन्होंने इसलिए आत्मसमर्पण करने का फैसला किया क्योंकि वे खोखली माओवादी विचारधारा और जंगल के कठिन जीवन से निराश थे। अधिकारी ने बताया कि दोनों ने मुख्य धारा में सार्थक जीवन जीने की इच्छा जताई है।

# बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 345 परियोजनाओं की लागत 3.28 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

नई दिल्ली, 21 जुलाई (भाषा)।

काम की सुस्त गति या अन्य कई कारणों से देशभर में 345 बुनियादी परियोजनाओं की लागत में कुल 3.28 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हो चुकी है। ये सभी परियोजनाएं मूल रूप में 150 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली हैं।

सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की अप्रैल 2019 की ताजा रपट के अनुसार 1,453 परियोजनाओं की कुल मूल लागत 18,32,579.17 करोड़ रुपए थी। अब परियोजना खत्म होने तक इनकी अनुमानित लागत 21,61,313.18 करोड़ रुपए होगी। यह दिखाता है कि इन परियोजनाओं की लागत में 3,28,734.01 करोड़ रुपए का इजाफा हो चुका है। यह मूल लागत से 17.94 फीसद अधिक है। मंत्रालय 150 करोड़ रुपए से अधिक लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। इन 1,453 परियोजनाओं में से 345 की लागत में इजाफा हुआ है जबकि 388 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं।

रपट के अनुसार अप्रैल 2019 तक इन 345 परियोजनाओं पर 8,84,906.88 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं।

# सेबी ने रेटिंग एजंसियों के खिलाफ जांच का दायरा बढ़ाया

नई दिल्ली, 21 जुलाई (भाषा)।

## आइएलएंडएफएस मामला

भारतीय प्रतिभूति व विनियम बोर्ड (सेबी) ने आइएलएंडएफएस मामले में पांच क्रेडिट रेटिंग एजंसियों के खिलाफ अपनी जांच का दायरा बढ़ाया है।

संकटग्रस्त आइएलएंडएफएस समूह के नए बोर्ड के कराए फोरेंसिक ऑडिट में गंभीर खामियों का खुलासा किया गया है। इसमें क्रेडिट रेटिंग एजंसियों और आइएलएंडएफएस समूह के पूर्व शीर्ष अधिकारियों के बीच मिलीभगत पर भी उंगली उठाई गई है और निष्कर्ष निकाला गया है कि कमजोर वित्तीय स्थिति के बावजूद इस समूह की कंपनियों को शीर्ष वित्तीय रेटिंग दी गई। दो रेटिंग एजंसियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) को सेबी की जांच पूरी होने तक पहले ही जबरन अवकाश पर भेज दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि नियामक अब सभी पांचों एजंसियों में संभावित प्रणालीगत खामियों की जांच कर रहा है। इसके अलावा नियामक रेटिंग प्रक्रियाओं में जान-बूझकर गड़बड़ी करने के लिए कई लोगों की भूमिका की भी जांच कर रहा है। ग्रांट थॉर्नटन के किए गए विशेष ऑडिट में इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आइएलएंडएफएस) के पूर्व प्रमुख कार्यकारियों और रेटिंग एजंसियों के शीर्ष अधिकारियों के बीच ईमेल के आदान-प्रदान की समीक्षा की गई है। इस जांच में यह तथ्य सामने आया है कि रेटिंग एजंसियों के अधिकारियों को गंभीर नकदी चिंताओं और समूह की कमजोर होती वित्तीय स्थिति की जानकारी थी।

विशेष ऑडिट की अंतरिम रिपोर्ट में कहा गया है कि आइएलएंडएफएस समूह के तत्कालीन महत्त्वपूर्ण अधिकारियों ने कई तरीकों का इस्तेमाल किया और रेटिंग एजंसियों के अधिकारियों को उपहार या अन्य लाभ दिए जिससे जून, 2012 से जून, 2018 के दौरान आइएलएंडएफएस समूह को लगातार ऊंची रेटिंग मिलती रही। कई बार क्रेडिट रेटिंग एजंसियों ने रेटिंग को कम करने की तैयारी की लेकिन समूह के अधिकरियों ने रेटिंग एजंसी के अधिकारियों को लाभ या उपहार आदि देकर उन्हें ऐसा करने से रोक दिया।

एम एस टी सी लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम)
MSTC LIMITED (A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)
जीवन विकास भवन, 30/31A, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002
दूरभाष : 23214201, 23213945, फैक्स : 23216713
एनटीपीसी बदरपुर में स्क्रैप वस्तुओं की बिक्री
स्क्रैप लोकोमोटिव की बिक्री और बड़ी मात्रा में स्क्रैप/प्रयुक्त ट्रांसफार्मर ऑयल, एलडीओ स्लज, बैटरी, ल्यूब ऑयल, ई-वेस्ट, रबर स्क्रैप, इलेक्ट्रिकल फिटिंग, एसीएसआर के माध्यम से ई-ऑक्शन नंबर 11827 दिनांक 30.07.19। जानकारी के लिए, श्री ए.के. चौधरी (एमएसटीसी), फोनः 9662042884 पर संपर्क करें।
अधिक जानकारी के लिए हमारे वेब साइट www.mstcecommerce.com; www.mstcindia.co.in पर देखें।

कामराजर पोर्ट लिमिटेड
(भारत सरकार का मिनी रत्न उपक्रम)
चेन्नै-600120
CIN:U45203TN1999GOI043322

**ई-निविदा नोटिस**

कामराजार पोर्ट लिमिटेड (केपीएल) में **"ड्रेजिंग प्लान चरण-IV (ए)- कैपिटल और रखरखाव ड्रेजिंग"** के लिए दो कवर प्रणाली में प्रतिष्ठित फर्मों से निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

विवरण के लिये देखें: www.kamarajarport.in & www.eprocure.gov.in

महा प्रबंधक (सीएस & बीडी)

अनुसूची II
प्रपत्र ख
**सार्वजनिक घोषणा**
[भारतीय दिवाला और ऋण शोध अक्षमता बोर्ड (परिसमापन प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 के विनियम 12 के अधीन]

**मैसर्स श्रीओम वायर्स प्राइवेट लिमिटेड (लिक्विडेशन में) के लेनदारों के ध्यानार्थ**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | कार्पोरेट देनदार का नाम | मैसर्स श्रीओम वायर्स प्राइवेट लिमिटेड |
| 2. | कार्पोरेट देनदार के निगमन की तिथि | 24/02/2011 (एमसीए वेबसाइट पर उपलब्ध मास्टर डेटा में प्रतिबिंबित) |
| 3. | प्राधिकरण जिसके अधीन कार्पोरेट देनदार निगमित/पंजीकृत है | कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली |
| 4. | कार्पोरेट देनदार की कार्पोरेट पहचान संख्या/सीमित दायित्व पहचान संख्या | U28939DL2011PTC214742 |
| 5. | कार्पोरेट देनदार के पंजीकृत कार्यालय (यदि कोई हो तो) का पता | बी -59, तीसरी मंजिल, मानसरोवर पार्क शाहदरा, दिल्ली पूर्वी दिल्ली डीएल 110032 भारत |
| 6. | कार्पोरेट देनदार के संबंध में ऋण शोध अक्षमता आरम्भ तिथि | 23 जून, 2019, लेकिन परिसमापन प्राधिकरण द्वारा पारित परिसमापन आदेश को दिनांक 11/07/19 तक जारी रखने के लिए माना गया, जिसे एनसीएलटी की वेबसाइट पर अपलोड किया गया यानी 20 जुलाई, 2019 |
| 7. | कार्पोरेट देनदार के संबंध में ऋण शोध अक्षमता आरम्भ तिथि | 20 जुलाई, 2019 (निर्णायक प्राधिकरण द्वारा पारित परिसमापन आदेश दिनांक 11/07/19 को एनसीएलटी की वेबसाइट पर 20 जुलाई, 2019 को अपलोड किया गया) |
| 8. | परिसमापक का नाम, पता, ई-मेल पता, दूरभाष नम्बर तथा पंजीकरण संख्या | नामः बृजेन्द्र सिंह देसवाल आईपी पंजीकृत सं. IBBI/IPA-003/IP-N00002/2016-2017/10021 |
| 9. | परिसमापक का पता और ई-मेल, जैसा कि बोर्ड के साथ पंजीकृत है | पता : सी -122, न्यू राजेंद्र नगर, नई दिल्ली -110060 ईमेल : brijender@deswal.com |
| 10. | परिसमापक के साथ पत्राचार के लिए उपयोग किया जाने वाला पता और ई-मेल | पता : सी-122, न्यू राजेंद्र नगर, नई दिल्ली- 110060 ईमेल : liquidation.shreeomwires@gmail.com फोन : 9811414181 |
| 11. | दावे प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि | 19 अगस्त 2019 |

एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण, नई दिल्ली पीठ-III ने 11 जुलाई, 2019 को **मैसर्स श्रीओम वायर्स प्राइवेट लिमिटेड** के परिसमापन का आदेश दिया है (निर्णय आदेश दिनांक 11/07/19 का 20 जुलाई, 2019 को एनसीएलटी वेबसाइट पर अपलोड किया गया, इस प्रकार 20 जुलाई 2019 को लिक्विडेशन प्रारंभ तिथि माना जाता है)

**मैसर्स श्रीओम वायर्स प्राइवेट लिमिटेड** (लिक्विडेशन में) के हितधारकों को इसके द्वारा **19 अगस्त 2019** को या उससे पहले सबूत के साथ अपने दावे परिसमापक के पते पर प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है, जिसे की मद संख्या 10 के सम्मुख उल्लेख किया गया है।

वित्तीय जमाकर्ता अपने दावों के प्रमाण केवल इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से जमा करेंगे। अन्य सभी हितधारक अपने दावों के प्रमाण व्यक्तिगत, डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा जमा कर सकते हैं।

**असत्य या भ्रामक प्रमाण प्रस्तुत करने पर जुर्माना किया जा सकता है।**

दिनांक : 22.07.2019
स्थान : नई दिल्ली

हस्ता/-
परिसमापक का नाम व हस्ताक्षर : बृजेन्द्र सिंह देसवाल

प्रपत्र बी
**सार्वजनिक उद्घोषणा**
(भारत दिवाला तथा दिवालिया (परिसमापन प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 12 के अंतर्गत)
**टेक्प्रो इंजीनियर्स लिमिटेड के स्टेकधारकों के ध्यानार्थ**

| क्रम सं. | विवरण | विवरण |
|---|---|---|
| 1. | कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम | टेक्प्रो इंजीनियर्स लिमिटेड |
| 2. | कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि | 31 मई, 2005 |
| 3. | वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है | कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली |
| 4. | कॉर्पोरेट ऋणधारक का कॉर्पोरेट पहचान संख्या | U74210DL2005PLC136976 |
| 5. | कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता | पंजीकृत कार्यालयः 106, विश्वदीप टावर, प्लॉट नं. 4, डिस्ट्रिक्ट सेन्टर, जनकपुरी, नई दिल्ली- 110058 प्रधान कार्यालयः 2रा तल, नं. 25, फर्स्ट मैन रोड, गांधी नगर, अडयार, चेन्नई-600020 |
| 6. | इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया समापन की तिथि | 23 मई, 2019 (आदेश तिथि 7.6.2019 के अनुसार 134 दिनों की विवाचन अवधि हटाने के बाद 20 अप्रैल, 2018 को आरंभ होने की तिथि से 270 दिन |
| 7. | कॉर्पोरेट ऋणधारक का परिसमापन शुरू होने की अनुमानित तिथि | 17 जुलाई, 2019 |
| 8. | परिसमापक के रूप में कार्यरत इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेशनल का नाम तथा पंजीकरण संख्या | गुलशन कुमार गुप्ता IBBI/IPA-001/IP-P00021/2016-17/10046 |
| 9. | बोर्ड में पंजीकृत परिसमापक का पता तथा ईमेलः | 202, कुमार हाउस, सेन्ट्रल मार्केट, प्रशांत विहार, दिल्ली- 110085 ipgulshan@gmail.com |
| 10. | परिसमापक के साथ पत्राचार के लिये प्रयुक्त होने वाला पता तथा ईमेल | 202, कुमार हाउस, सेन्ट्रल मार्केट, प्रशांत विहार, दिल्ली- 110085 liquidator.tecpro@gmail.com |
| 11. | दावे जमा करने की अंतिम तिथि | 16 अगस्त, 2019 |

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, प्रधान पीठ, नई दिल्ली ने 17.7.2019 को टेक्प्रो इंजीनियर्स लिमिटेड के संदर्भ में कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है।

एतद्द्वारा टेक्प्रो इंजीनियर्स लिमिटेड के क्रेडीटरों को निर्देश दिया जाता है कि आइटम नं. 10 में वर्णित पते पर परिसमापक के पास 16.8.2019 को या उससे पूर्व अपने दावे का प्रमाण जमा करें।

फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से ही अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स प्रमाण के साथ व्यक्तिगत या डाक द्वारा या इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं।

दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।

तिथिः 19 जुलाई, 2019
स्थानः दिल्ली

हस्ता./-
गुलशन कुमार गुप्ता
परिसमापक

भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड
CONTAINER CORPORATION OF INDIA LTD.
(A Govt. of India Undertaking) A Navratna Company
ICD, Tughlakabad, New Delhi – 110 020
कॉनकॉर CONCOR

निविदा सूचना (केवल ई-टेंडरिंग पद्धति)

कॉनकार द्वारा "आईसीडी/डीडीएल (लुधियाना), डीसीटी/पीएफआर (फिल्लौर), आरसीटी/दप्पर, आईसीडी/पीएसडब्ल्यूसी (दप्पर) और आईसीडी/बद्दी में सब स्टेशनों एवं इलेक्ट्रिकल इंस्टालेशनों से संबंधित सेवाओं" के लिए केवल ई-टेंडरिंग प्रक्रिया के माध्यम से एकल निविदा प्रणाली में ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दस्तावेज ऑनलाइन रु. 1000/- का भुगतान करने के बाद [illegible] वेबसाइट www.tenderwizard.com/CCIL से डाउनलोड किये जा सकते हैं।

| | |
|---|---|
| निविदा सं. | Open Tender No. CON/NR/DDL/TECH/AMC/ELECT/2019 |
| अनुमानित लागत | रु. 81,41,231 (जीएसटी सहित) |
| अनुबंध की अवधि | 36 माह (24 माह + 12 माह) [illegible] |
| धरोहर जमा राशि | रु. 1,32,825/- ई-भुगतान के माध्यम से |
| निविदा दस्तावेज की कीमत | रु. 1,000/- सभी कर एवं प्रभारों सहित ई-भुगतान के माध्यम से |
| निविदा प्रक्रिया शुल्क | रु. 5,310/- सभी कर एवं प्रभारों सहित ई-भुगतान के माध्यम से [illegible] |
| बिक्री की तिथि एवं समय (ऑनलाइन) | 22.07.2019 (15:30 बजे) से 13.08.2019 (16:00 बजे) तक |
| जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय | 14.08.2019 को 15:00 बजे तक |
| खुलने की तिथि एवं समय | 16.08.2019 को 15:30 बजे |

योग्यता मापदंडों एवं अन्य विवरणों के लिए कृपया www.concorindia.com या eprocure.gov.in या www.tenderwizard.com/CCIL पर लॉग ऑन करें। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वेबसाइट नियमित रूप से देखते रहें। कॉनकॉर बिना कोई कारण बताए किसी या सभी निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार रखता है।

कार्यकारी निदेशक/उ.क्षे.

# NOTICE OF PETITION

**BEFORE THE NATIONAL COMPANY LAW TRIBUNAL
PRINCIPAL BENCH, AT NEW DELHI
COMPANY PETITION NO.(CAA)-90(PB)/2019
CONNECTED WITH
COMPANY APPLICATION NO.CA(CAA)-06(PB)/2019
AND
COMPANY APPLICATION NO.CA(CAA)-36/230(HDB)/2019
AND
COMPANY APPLICATION NO. CA-153(PB)/2019
(under Sections 230-232 of the Companies Act, 2013)
IN THE MATTER OF THE COMPANIES ACT, 2013
AND
IN THE MATTER OF THE SCHEME OF AMALGAMATION OF REAN CLOUD INDIA PRIVATE LIMITED WITH HITACHI VANTARA INDIA PRIVATE LIMITED AND THEIR RESPECTIVE SHAREHOLDERS AND CREDITORS
AND**

**IN THE MATTER OF:**

**Rean Cloud India Private Limited,** a company incorporated under the provisions of the Companies Act, 2013, having its registered office at 3rd Floor, Melange Towers, Unit No. 3B, Madhapur Village, Serilingampally Mandal, Hyderabad, Telangana -500081

**...Petitioner Company 1 / Transferor Company**

**AND**

**Hitachi Vantara India Private Limited,** a company incorporated under the provisions of the Companies Act, 2013, having its registered office at Unit No. 6A and Unit No. 7, 12th Floor, Eros Corporate Towers, Nehru Place, New Delhi - 110019

**...Petitioner Company 2 / Transferee Company**

**NOTICE OF PETITION**

A joint petition under Sections 230 to 232 of the Companies Act, 2013, for obtaining the sanction to the scheme of amalgamation between the abovementioned petitioner companies and their respective shareholders and creditors was presented by the abovementioned petitioner companies on the 13th day of June, 2019, and the said joint petition is fixed for hearing before the Principal Bench of National Company Law Tribunal at New Delhi on the **27th day of August, 2019.**

Any person desirous of supporting or opposing the said joint petition should send to the petitioners' advocate, notice of his intention, signed by him or his advocate, with his name and address, so as to reach the petitioners' advocate not later than two days before the date fixed for the hearing of the joint petition. Where he seeks to oppose the joint petition, the grounds of opposition or a copy of his affidavit shall be furnished with such notice. A copy of the joint petition will be furnished by the undersigned to any person requiring the same on payment of the prescribed charges for the same.

**Dated this 22nd day of July, 2019
Sd/-
AZB & Partners, Advocates for the Petitioner Companies,
Address: Mr.Varun Lamba, AZB & Partners,
Plot No. A-8, Sector 4, Noida – 201301, Uttar Pradesh
Tel: +91 120 417 9999
Fax: +91 120 417 9900**

Classifieds
EXPRESS EDUCATION
LAW AMBITION LAW INSTITUTE
MUKHERJEE NAGAR
JUDICIAL FOUNDATION WEEKEND 8 AUGUST 21 JULY 880066-0301/2130
CLAT / DU.LL.B. 20 JULY 880066-0380
KAROL BAGH / PUSA ROAD
JUDICIAL 9 AUGUST | IAS (LAW) 21 JULY | CLAT 21 JULY
UPSC LAW (OPTIONAL)
TEST SERIES : 21 JULY, 11 AM
880066-2140 / 011-49841810
B-10, 1st Floor, Above Maharashtra Bank, Mukherjee Ngr, Delhi -9
011-47532639 / 8800660301
www.ambitionlawinstitute.com
Contact for Advt. Booking: M/s Friends Publicity Service
Ph.23276901, 23282028 (M): 9212008155, 9212665841.

# प्रख्यात पर्वतारोही पोर्टर की एवरेस्ट को बाजारीकरण से बचाने की अपील

मुंबई, 21 जुलाई (भाषा)।

आल्प्स पर्वत की चढ़ाई करने वाले जॉन पोर्टर ने कहा कि पर्वतारोहण को एवरेस्ट पर हो रहे व्यावसायिक सर्कस से अलग करने की जरूरत है, जहां व्यक्तिगत प्रसिद्धि पाने की चाह में भारी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं, जिससे वहां जाम जैसी स्थिति पैदा हो गई।

ब्रिटेन में आल्पाइन क्लब के अध्यक्ष पोर्टर, लोगों के पर्वतों के प्रति जुनून के खिलाफ नहीं है। यह दुनिया में पर्वतारोहण का सबसे पुराना क्लब है। उन्होंने यहां एक साक्षात्कार में कहा, 'पर्वतारोहण को अब एवरेस्ट पर जो कुछ भी होता है उस रूप में देखा जाता है और एवरेस्ट वाणिज्यिक सर्कस बन गया है। लोग सोचते हैं कि वे पर्वत की चोटी पर जाने की टिकट खरीद सकते हैं।' पोर्टर ने कहा कि आपको एडवेंचर पर्यटन और पर्वतारोहण के बीच फर्क करने की जरूरत है। कुछ अन्य लोगों के साथ आल्प्स पर्वत की चढ़ाई करके ख्याति पाने वाले पोर्टर 18वें गिरीमित्र सम्मेलन में भाग लेने के लिए शहर में आए हुए थे। पोर्टर ने यह भी सलाह दी कि अगर कुछ गलत होता है तो पर्वतारोही के पास बुद्धि और तत्परता होनी चाहिए। भारतीय पर्वतारोहण स्थिति के बारे में पोर्टर ने कहा कि देश में हमेशा मजबूत पर्वतारोही रहे हैं और उन्होंने हिमालय में शहर के हरीश कपाड़िया के साथ एक संयुक्त अभियान का जिक्र किया।

**TENDER NOTICE**

1. Air Officer Commanding, Air Force Station Palam New Delhi - 10 invites sealed tenders from war widows/ widows of defence personnel killed while on duty, disabled soldiers/ Ex-servicemen and Spouses/ widows of Ex-servicemen having sound financial status in order to run following shops at this station for a period of five years.

| Sl. No. | Type of Shop | Minimum Reserve Price (Monthly rebate) | Sl. No. | Type of Shop | Minimum Reserve Price (Monthly rebate) |
|---|---|---|---|---|---|
| (a) | Cycle Repair Shop Camp Area | 1000 | (i) | Electrical, Electronics and Mobile Sale & repair Shop Old Pinto Park | 3000 |
| (b) | Cycle Repair Shop RV Area | 3000 | (j) | Dry Cleaner Shop Old Pinto Park | 3000 |
| (c) | Ladies Tailor Shop RV Area | 5000 | (k) | Studio & Photocopy Shop Old Pinto Park | 2000 |
| (d) | Barber Shop RV Area | 5000 | (l) | Coaching Classes Centre Old Pinto Park | 5000 |
| (e) | Chicken Shop Maude Line | 3000 | (m) | Ladies Tailor Shop Old Pinto Park | 4000 |
| (f) | Fast Food Shop Maude Line | 2000 | (n) | Unisex Beauty Parlour Old Pinto Park | 5000 |
| (g) | Gents Tailor Shop Old Pinto Park | 3000 | (o) | Fruit Juice Shop at Camp Area | 2000 |
| (h) | Cobbler Shop Old Pinto Park | 500 | | | |

**NOTE : Govt agencies / Civilians may apply also for the shops mentioned at para 1(a) to (f) above.**

2. Tender forms can be obtained from SI office, Air Force Station Palam from Monday to Friday between **0800 hrs to 1200 hrs we 22 Jul 19 to 05 Aug 19** on cash payment of Rs.100/- (Non refundable). EMD @ ₹ 500/- is to be deposited in the form of Demand Draft/ Pay order in favour of **"SI Fund"** payable to Air Force Station Palam, New Delhi - 110010 alongwith the tender form. Applicants are to mention on top of the sealed envelope as "TENDER FOR .................. (Name of the shop). Duly completed tender form alongwith Demand Draft/ Pay Order of earnest money and other documents (self attested copies) as mentioned in tender form are to be deposited in tender box kept at **Sub Guard Room at Technical gate, 3 Wing AF** from Monday to Friday before **1200 hrs on or before 06 Aug 19.** The tender box will be opened at **1230 hrs on 06 Aug 19** by an independent board of officers in the presence of available applicants who have applied for the shops. Tender forms will be cancelled if not filled correctly and not attached the required documents as mentioned in the tender form. Tender form will only be issued to war widows/ widows of defence personnel killed while on duty, disabled soldiers/ Ex-servicemen and spouses/ widows.

3.Contract for the shops will be awarded to the highest bidders subject to fulfillment of other terms and conditions. The shop will be allotted to the party as it is condition, no repair/ maintenance work will be undertaken by the administration. The Air Force Administration will have the right to accept or reject any tender or all tenders without assigning reasons.

4.On Allotment of Shop to the successful contractor, he shall not enter into any sub contract, those who are not likely to be available in person to run the business need not apply. The original contractor will be present at the shop for maximum period, unless he/ she is engaged in procurement of stock or is sick. The shop will only be run by the dependent i.e. mother, father, wife, unemployed son and unmarried daughter. Under no circumstances shop will be run by the Manager etc. A total of four security passes will be issued to run the shop (i.e. one contractor, one dependent and other two workers/ helpers). Additional passes if required it will be issued on payment @ ₹ 2,000/- per annum per pass.

**(Pappa Ram)**
Sqn Ldr,OIC SI Fund, AF Stn Palam

# दिल्ली में बलात्कार के दो मामले सामने आए

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

- हरिनगर में पिस्तौल दिखाकर युवती से किया बलात्कार
- अशोक विहार में बच्ची से बलात्कार का मामला सामने आया

पश्चिमी जिले के हरिनगर इलाके में पहले दो युवकों ने कपड़े दिलाने के नाम पर युवती से दोस्ती की और फिर पिस्तौल दिखाकर बलात्कार किया। वहीं अशोक विहार इलाके में एक बच्ची से बलात्कार का मामला सामने आया है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

नांगलोई कैंप इलाके में रहने वाली 26 साल की पीड़िता ने पुलिस शिकायत में कहा कि वह तिलक नगर मार्केट के एक कपड़ा दुकान की नियमित खरीदार थी। दुकान के मालिक ने इससे पहले उसे मनपसंद कपड़े के लिए कई बार दौड़ाया था। इसके साथ ही युवाओं ने महिला को उधारी में कपड़े देने के लिए भी हामी भरी थी। पीड़िता के मुताबिक युवाओं ने उसे उधारी की बात कर फंसाने की कोशिश की।

पुलिस के मुताबिक, जून महीने में वह एक काम से जेल रोड हरिनगर गई थी तो उसी दौरान वहां दोनों युवक उसे कार के साथ मिल गए। युवकों ने उसे घर छोड़ने की बात कही और कार में बैठा लिया। कुछ दूर आगे बढ़ने पर युवकों ने पीड़िता को मां से मिलाने के बहाने घर ले गए और हथियार के बल पर उसके साथ बलात्कार किया। पीड़िता ने पहले तो डर से किसी को कुछ नहीं बताया। लेकिन कुछ दिन पहले उसने हिम्मत दिखाते हुए अपनी मां से घटना का जिक्र किया और फिर पुलिस को सूचना दी।

वहीं अशोक विहार इलाके में एक बच्ची के साथ उसके पड़ोसी द्वारा बलात्कार का मामला सामने आया है। बच्ची ने शोर मचाया तो आरोपियों ने उसका मुंह कपड़े से बांध दिया। स्थानीय लोगों ने आरोपी को भागने के दौरान पकड़ लिया और जमकर पिटाई भी कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बलात्कार और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार को बच्ची की मां काम पर गई थी तभी पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति अंदर घुसा और जबरदस्ती करने लगा। उसी समय मां घर आ गई तो आरोपी भागने लगा।

# बारिश के बाद 25 स्थानों पर जलभराव

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

राजधानी में रविवार को हुई बारिश के बाद कई स्थानों पर जलभराव की वजह से लोगों को खासी दिक्कत हुई। दिल्ली यातायात पुलिस को रविवार को 25 स्थानों पर जलभराव की सूचना मिली थी। हालांकि लोगों को असुविधा नहीं हो इसके लिए पुलिसकर्मी तैनात थे। बावजूद जलभराव की वजह से कई स्थानों पर जाम से राहगीरों को दो-चार होना पड़ा। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक मधुबन चौक, बहादुर शाह जफर मार्ग, आइटीओ, तिलक ब्रिज, ग्रेटर कैलाश, मोदी मिल फ्लाइओवर के नीचे, गौड़ मार्ग, ओखला सब्जी मंडी, इग्नू रोड, छतरपुर, महरौली, पुराना पुल, लक्ष्मी नगर, मोती नगर, एमबी रोड, रानी खेड़ा और रिठाला समेत कई अन्य स्थानों पर जलभराव हुआ।



आइटीओ पर जलजमाव के बाद यातायात जाम।

जलभराव के बाद कई इलाकों में जाम की स्थिति पैदा हो गई। लाजपत नगर, आश्रम, मथुरा रोड, लक्ष्मी नगर, एमबी रोड, सरिता विहार, कालिंदी कुंज और बहादुर शाह जफर मार्ग के अलावा अन्य कई इलाकों में लोगों को जाम से परेशानी हुई। वाहन चालकों की शिकायत थी कि हर बार दावा किया जाता है कि इस साल बारिश के दिनों में लोगों को जाम से परेशानी नहीं होगी। पर अकसर देखा जाता है कि बारिश के बाद जलभराव हो जाता है। जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क पर पानी इस कदर जमा हो जाता है कि वहां से वाहन चालकों को निकलने में परेशानी होती है। कई बार देखा गया है कि जलभराव की वजह से वाहन बीच रास्ते में खराब हो जाते हैं। इस कारण भी सड़क पर जाम लगने लगता है। बारिश के मौसम में हर साल परेशानी उठानी पड़ती है।

# डूटा चुनाव 29 अगस्त को

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

डीयू शिक्षक संघ (डूटा) के अध्यक्ष और 15 अन्य सदस्यों को चुनने के लिए 29 अगस्त को मतदान होगा। राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर उज्ज्वल सिंह को डूटा चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। रविवार को डूटा कार्यकारी की बैठक के बाद चुनाव के कार्यक्रम जारी किया गया।

इस मतदान में डीयू के विभिन्न कॉलेजों और विभागों के दस हजार से अधिक शिक्षक भाग ले सकेंगे। 11 अगस्त शाम पांच बजे तक मतदाता के रूप में पंजीकरण किया जा सकता है। 21 अगस्त को अंतिम रूप से मतदाताओं की सूची जारी की जाएगी। 21 अगस्त को दोपहर दो बजे से शाम सात बजे तक और 22 अगस्त को सुबह दस बजे से दोपहर दो बजे तक आवेदन किए जा सकेंगे। 23 अगस्त दोपहर बारह बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे और 23 अगस्त को उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। 29 अगस्त को सुबह दस बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक मतदान होगा।

# डीयू के कई पाठ्यक्रमों में सीटें खाली

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की ओर से जारी पांचवीं कटऑफ के आधार पर सोमवार और मंगलवार को दाखिले होने हैं। लेकिन कई कॉलेजों के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अभी भी सीटें खाली हैं। दाखिला लेने के लिए 90 फीसद से अधिक नंबर की जरूरत है। श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में अर्थशास्त्र ऑनर्स में दाखिला लेने के लिए विद्यार्थी के 98.62 फीसद अंक होने चाहिए।

शनिवार को जारी पांचवीं कटऑफ के मुताबिक बीकॉम ऑनर्स में दाखिले के लिए अभी 30 कॉलेजों में सीटें उपलब्ध हैं। इनमें 87 से 97.50 फीसद अंक पर प्रवेश लिया जा सकता है। इसी तरह बीए ऑनर्स अंग्रेजी के लिए 24 कॉलेजों में सीटें बची हैं। जबकि बीए ऑनर्स अर्थशास्त्र के लिए 18 और बीए ऑनर्स इतिहास के लिए 11 कॉलेजों में सीटें हैं।

इसबार के सबसे चर्चित और मांग वाले पाठ्यक्रम बीए ऑनर्स राजनीति विज्ञान के लिए सात कॉलेजों में सामान्य वर्ग के लिए दाखिले की खिड़की खुली हुई है। वहीं गार्गी कॉलेज और इंद्रप्रस्थ कॉलेज फोर वुमेंस ने सामान्य वर्ग के लिए बीए ऑनर्स राजनीति विज्ञान की कटऑफ 95.50 फीसद रखी है। दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट एंड कॉमर्स में भी दाखिले खुले हैं।

# एक्सप्रेसकर्मी सेवानिवृत्त

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 जुलाई।



इंडियन एक्सप्रेस समूह के पीटीएस विभाग में कार्यरत गजेंद्र सिंह बिष्ट सेवानिवृत्त हो गए। रविवार को नोएडा दफ्तर में उनकी विदाई का समारोह आयोजित हुआ। इस मौके पर प्रबंधन और उनके साथियों ने उन्हें उपहार भेंट किए और स्वस्थ रहने की कामना की।

# डीयू ईसी ने चार विभागों के पाठ्यक्रमों को पुनर्विचार के लिए वापस भेजा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की विद्वत परिषद (एसी) के बाद कार्यकारी परिषद (ईसी) ने भी चार विभागों के विभिन्न पाठ्यक्रमों को पुनर्विचार के लिए वापस भेज दिया है। ईसी ने एक निगरानी समिति भी बनाई है जो पाठ्यक्रमों में अपेक्षित बदलावों को देखेगी और 31 जुलाई तक इस कार्य को पूरा करेगी।

अगर निगरानी समिति बदलावों से संतुष्ट नहीं होती है तो इन पाठ्यक्रमों को अगले साल से लागू किया जाएगा। 30 घंटे से अधिक चली ईसी की बैठक में रविवार को यह निर्णय किया गया। इसके अलावा स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग और नॉन कोलेजिएट वुमेंस एजुकेशन बोर्ड में भी शैक्षणिक सत्र 2019–20 से पसंद आधारित क्रेडिट तंत्र पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा। स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों पर सीबीसीएस लागू होगा।

विद्वत परिषद के सदस्य डॉक्टर रसाल सिंह ने ईसी के इस निर्णय का स्वागत किया है। उनके मुताबिक, विद्वत परिषद और कार्यकारी परिषद ने अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र विभागों के पाठ्यक्रमों में मौजूद पूर्वाग्रह और पक्षपातपूर्ण विवादास्पद सामग्री और प्रक्रियागत गड़बड़ियों का गंभीर संज्ञान लेकर यह निर्णय लिया है। कार्यकारी परिषद के फैसले के बाद एबीवीपी ने अपना सत्याग्रह भी समाप्त कर दिया है। एबीवीपी के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री श्रीनिवास ने कहा कि सत्याग्रह का वास्तविक अर्थों में उद्देश्य ही यही है कि साजिश के तहत शामिल किए गए झूठ तथ्यों को पाठ्यक्रम से बाहर किया जाए।

**राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय**
प्रस्तुत करता है

द ग्रेजुएट शो
आठ छात्र प्रस्तुतियाँ 22 – 29 जुलाई 2019

**ख़्वाहिश गली**
परिकल्पना एवं निर्देशन : हरि शंकर रवि
22 जुलाई, सायं 7.00 बजे, अवधि : 80 मिनट
अभिमंच सभागार

**रूइंस इन रिवर्स**
संकल्पना, परिकल्पना एवं निर्देशन : सार्थक नरूला
23 जुलाई, रात्रि 8.00 बजे, अवधि : 60 मिनट
मुक्तांगन, अभिमंच के निकट, सीमित सीटें *

**बिहाइंड द बॉर्डर्स**
निर्देशन : पी. मेलोडी डॉरकस
24 जुलाई, सायं 7.00 बजे, अवधि : 60 मिनट
अभिमंच, सीमित सीटें *

**अशांति निवास**
निर्देशन : मायेंगबम सुनील सिंह
25 जुलाई, सायं 7.00 बजे
बहुमुख, सीमित सीटें *

**तूतुकुडी मसेकर 13**
नाट्य अभिलेखन, परिकल्पना एवं निर्देशन : बालासुब्रमण्यम जी
26 जुलाई, सायं 7.00 बजे, अवधि : 60 मिनट
अभिमंच सभागार

**नीलकंठ पक्षी की खोज में**
परिकल्पना एवं निर्देशन : सेजुती बागची
27 जुलाई, रात्रि 8.00 बजे, अवधि : 60 मिनट
मुक्तांगन, निकट वस्त्रसज्जा विभाग, सीमित सीटें *

**ए केस ऑफ क्लेयरवॉयेंस या एग्ज़ीक्यूटिंग मिस के**
सह–नाट्य अभिलेखन, दृश्यचित्रण एवं निर्देशन : श्रुति
28 जुलाई, सायं 7.00 बजे, अवधि : 60 मिनट
अभिमंच, सीमित सीटें *

**इनफाईनाइट वॉक**
संकल्पना, परिकल्पना एवं निर्देशन : सरस कुमार नामदेव
29 जुलाई, सायं 7.00 बजे, अवधि : 45 मिनट
बहुमुख, सीमित सीटें *

सीमित सीटों वाली प्रस्तुतियों के सीट कार्ड प्रदर्शन से एक घंटा पहले उपलब्ध होंगे और 22 और 26 जुलाई की प्रस्तुतियों के प्रवेश पत्र प्रदर्शन के दिनों में रा.ना.वि. स्वागत कक्ष पर 11.00 बजे से 1.00 बजे और 2.00 बजे से 5.00 बजे के बीच तथा उपलब्ध होने पर प्रदर्शन के एक घंटा पूर्व सभागार पर उपलब्ध होंगे।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय
बहावलपुर हाउस, भगवानदास रोड, नई दिल्ली–110001
फोन : 011–23389402/7916/2821 वैबसाइट : www.nsd.gov.in




**ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स**
(भारत सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट कार्यालयः प्लॉट नं. 5, सैक्टर – 32, इंस्टीट्यूशनल एरिया, गुरुग्राम – 122001

**सूचना**

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि बैंक की निम्नलिखित प्रतिभूतियों के शेयर सर्टिफिकेट खो गए/गुम हो गए हैं तथा इन शेयरों के धारक ने डुप्लीकेट शेयर सर्टिफिकेट जारी करने के लिए बैंक को आवेदन किया है। कोई व्यक्ति, जो इन शेयरों के बारे में दावा रखता हो, अपना दावा बैंक के शेयर अंतरण एजेंट लिंक इनटाइम इंडिया प्रा. लिमिटेड, नोबल हाईट्स, प्रथम तल, प्लॉट एनएच–2, सी–1 ब्लॉक एलएससी, सावित्री मार्केट के निकट, नई दिल्ली – 110058 के पास इस दिनांक के 15 दिनों के भीतर प्रस्तुत करें अन्यथा बैंक आगे कोई सूचना दिए बिना डुप्लीकेट शेयर सर्टिफिकेट जारी करने की कार्यवाही करेगा।

| डीओसी सं. | फोलियो सं. | शेयर धारक का नाम | सर्टिफिकेट सं. | विशिष्ट सं. | शेयर की संख्या |
|---|---|---|---|---|---|
| 3860 | 00524275 | मंजीत सिंह वालिया | 310422 | 159042001–159042100 | 100 |

स्थान : गुरुग्राम
दिनांक : 20.07.2019
महाप्रबंधक
मर्चेंट बैंकिंग प्रभाग

प्रपत्र सं. आईएनसी–26
[कंपनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 30 के अनुपालन में]
सूचना
केन्द्र सरकार, उत्तरी क्षेत्र के समक्ष
कंपनी अधिनियम, 2013, कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 13 (4) तथा कम्पनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 30 (6) (ए) के मामले में
तथा
यूबिट बिल्डर्स एंड डेवलपर्स प्राईवेट लिमिटेड जिसका पंजीकृत कार्यालय 70–ए, गरी अमृतपुरी लाजपत नगर, नई दिल्ली में है, के मामले में
......................आवेदक

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि ''राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली'' से ''उत्तर प्रदेश राज्य'' में उसके पंजीकृत कार्यालय को परिवर्तित करने के लिए कंपनी को सक्षम बनाने के लिए 27 जून, 2019 को आयोजित असाधारण आमसभा में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार कंपनी के मेमोरैंडम ऑफ एसोसिएशन के परिवर्तन की पुष्टि के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के अंतर्गत यह कपंनी केन्द्र सरकार/क्षेत्रीय निदेशक के पास आवेदन करने का प्रस्ताव करती है।

कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के इस प्रस्तावित परिवर्तन से यदि किसी व्यक्ति का हित प्रभावित होता हो, वे उसके नीचे वर्णित पंजीकृत कार्यालय में आवेदक कंपनी को उसकी एक प्रति के साथ सूचना के प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर अपने हित की प्रकृति तथा आपत्ति के कारणों का उल्लेख करते हुए एक शपथ पत्र द्वारा समर्थित अपनी आपत्ति क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, बी–2 विंग, 2रा पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लैक्स, नई दिल्ली–110003 में जमा करें या जमा कराएं या पंजीकृत डाक से भेजेंः
पंजीकृत कार्यालयः 70–ए, गरी अमृतपुरी लाजपत नगर, नई दिल्ली

आवेदक के लिये तथा उनकी ओर से
हस्ता./–
विनोद कुमार अग्रवाल
निदेशक
DIN: 00652369
तिथिः 20.07.2019
स्थानः नई दिल्ली

**PREMIER POLYFILM LTD.**
Regd.Office: 305, III Floor, Elite House, 36, Community Centre, Kailash Colony Extn., Zamroodpur, New Delhi, 110048
CIN: L25209DL1992PLC049590, Phone : 011-29246481
Email: compliance.officer@premierpoly.com, Website: www.premierpoly.com

**NOTICE**

Notice is hereby given that pursuant to Regulation 29 and 47 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations.2015, a Meeting of Board of Directors of the company will be held on Friday, 09th August,2019 at 11.30 A.M. at Registered Office of the company at 305, III Floor, Elite House, 36, Community Centre, Kailash Colony Extension, Zamroodpur, New Delhi 110048 to consider and approve standalone Unaudited Financial Results of the company for the quarter ended 30th June,2019 i.e. from 01st April.2019 to 30th June,2019

Further, trading window for dealing in the securities of the Company by the Insiders, as defined under the SEBI (Prohibition of Insider Trading) Regulations,2015 is closed from Monday, 01st July,2019 to Sunday, 11th August,2019 (both days inclusive).

The notice is available on the Company's website www. premierpoly.com and also on www.bseindia.com and www.nseindia.com

Date : 16/07/2019
Place : New Delhi
For PREMIER POLYFILM LTD.
Sd/-
COMPANY SECRETARY

**यूको बैंक** (भारत सरकार का उपक्रम) **UCO BANK** (A Govt. of India Undertaking)
शा.का.: 31/32, आशा राम रोड, जी.टी. रोड, शाहदरा, दिल्ली–110032
**कब्जा सूचना {नियम 8(1) के अंतर्गत अचल सम्पत्ति के लिए}**

जबकि वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के अंतर्गत **यूको बैंक, शाहदरा, दिल्ली शाखा** का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9 के साथ पढ़े जाने वाले अनुच्छेद 13(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना, दिनांक **07.05.2019** जारी की थी, जिसके द्वारा **कर्जदारः श्री अजय सिंह एवं सविता सिंह,** को सूचना में उल्लिखित राशि **रु.3,68,603/– (तीन लाख अड़सठ हजार छः सौ तीन रूपये मात्र) और उस पर ब्याज के साथ** उक्त सूचना की प्राप्ति के 60 दिनों के भीतर चुकाने के लिए कहा गया था। **कर्जदार/गारंटर** के इस राशि को चुकाने में असफल रहने के कारण, **कर्जदार/गारंटर** तथा आम जनता को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) के नियम 9 के साथ पढ़े जाने वाले अधिनियम के अनुच्छेद 13 (4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा दिनांक **16 जुलाई, 2019** को ले लिया है। **कर्जदार/गारंटर** को विशेष तौर पर तथा आम जनता को सामान्य तौर पर एतदद्वारा सावधान किया जाता है कि वे सम्पत्ति के साथ किसी प्रकार का लेन–देन न करें और सम्पत्ति का कोई भी लेनदेन **रु.3,68,603/– (तीन लाख अड़सठ हजार छः सौ तीन रूपये मात्र) और उस पर अन्य विविध खर्चों के साथ ब्याज, यूको बैंक, शाहदरा, दिल्ली शाखा** के प्रभार के भुगतान के अधीन होगा।

**ऋणियों का ध्यान सुरक्षित सम्पत्ति को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम के अनुच्छेद (13) के उप–अनुच्छेद (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।**

**अचल सम्पत्ति का विवरण**
**सम्पत्ति असर सं. जी–1, भूतल, प्लॉट सं.103, ब्लॉक–बी, शालीमार गार्डेन एक्सटेंशन–2 में, गॉंव–पसोंदा, परगना–लोनी, जिला–गाजियाबाद.**

**स्थानः गाज़ियाबाद**
**तिथिः 16/07/2019**
**प्राधिकृत अधिकारी**
**यूको बैंक**

**अंतिम विदाई**

तीन बार दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं कांग्रेस नेता शीला दीक्षित का पार्थिव शरीर रविवार को दिल्ली कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय ले जाया गया।

## पंचतत्व में विलीन हुईं शीला दीक्षित

# राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई

- निगम बोध घाट पर भारी भीड़ को संभालने में सुरक्षाकर्मियों को मशक्कत का सामना करना पड़ा, बेटे संदीप दीक्षित ने मुखाग्नि दी
- गृह मंत्री अमित शाह, यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी सहित सैकड़ों गणमान्य लोगों ने दी श्रद्धांजलि

**अजय पांडेय**
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित का रविवार को निगमबोध घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री को अंतिम विदाई देने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, सूबे के उपराज्यपाल अनिल बैजल, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया निगमबोध घाट पर मौजूद थे। सभी गणमान्य लोगों ने दिवंगत दीक्षित के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। पूर्व मुख्यमंत्री के पुत्र संदीप दीक्षित ने सीएनजी दाह संस्कार केंद्र में उन्हें मुखाग्नि दी।

कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अहमद पटेल, राज्यसभा में विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद, उपनेता आनंद शर्मा, कांग्रेस महासचिव मुकुल वासनिक, तारिक अनवर सहित, पूर्व गृह मंत्री शिवराज पाटील सहित कांग्रेस के शीर्ष स्तर के तमाम नेता अंतिम संस्कार में मौजूद थे। दीक्षित की बहनें, उनकी बेटी लतिका सहित उनके परिवार के सदस्य भी थे।

वहां मौजूद हर शख्स दीक्षित की एक झलक पाने को आतुर था। यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी तमाम सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद भीड़भाड़ से गुजरना पड़ा। दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अजय माकन, अरविंदर सिंह लवली, जयप्रकाश अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष हारुन युसूफ, देवेंद्र यादव, पूर्व विधायक मुकेश शर्मा, वरिष्ठ नेता चतर सिंह सहित बहुत बड़ी संख्या में सूबे के कांग्रेसी मूसलाधार बारिश की परवाह नहीं करते हुए वहां पहुंचे थे। दीक्षित को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सोनिया गांधी ने कहा कि दिल्ली की तीन बार मुख्यमंत्री रह चुकीं दीक्षित एक मित्र और एक बड़ी बहन के समान थीं। उनका निधन कांग्रेस पार्टी के लिए बड़ी क्षति है। भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी और पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज दीक्षित को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए उनके आवास पर पहुंचे। दीक्षित के पार्थिव शरीर को कांग्रेस मुख्यालय ले जाया गया जहां पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कमलनाथ समेत पार्टी के शीर्ष नेताओं ने श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उनके पार्थिव देह को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस समिति के कार्यालय ले जाया गया, जहां बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

शीला दीक्षित के अंतिम संस्कार में उपस्थित सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और रॉबर्ट वाड्रा।

**उपस्थिति**

शीला दीक्षित की अंतिम विदाई में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य नेता मौजूद रहे।

# पर्यावरण के प्रति बेहद संवेदनशील थीं शीला

**प्रतिभा शुक्ल**
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित की अंत्येष्टि रविवार को सीएनजी चालित शवदाह गृह में की गई। सीएनजी चालित शवदाह गृह में उनकी अंत्येष्टि का होना अकारण नहीं बल्कि यह उनके पर्यावरण प्रेम की वजह से किया गया। उन्होंने सीएनजी शवदाह गृह सेवा की शुरुआत अपने तीसरे कार्यकाल में की थी और इच्छा जताई थी कि उनके अंतिम संस्कार में सीएनजी का उपयोग किया जाए। उन्होंने अपने कार्यकाल में दिल्ली के हरित क्षेत्र को बढ़ाने, सौ फीसद सीएनजी आधारित सार्वजनिक परिवहन व दिल्ली मेट्रो जैसे पर्यावरण अनुकूल काम किए।

दीक्षित के करीबियों के मुताबिक वे पर्यावरण के प्रति बेहद संवेदनशील थीं। उनके निजी सचिव रहे एके त्रिपाठी ने बताया कि 1998 में जब शीला दीक्षित पहली बार दिल्ली की मुख्यमंत्री बनीं, तब दिल्ली में हरित क्षेत्र कुल भूभाग का महज आठ फीसद था। प्रदूषण का भयावह हाल था। हालत ऐसे थे कि आइटीओ चौराहे पर थोड़ी देर खड़े होने पर चेहरे और कपड़ों पर कालिख जमा हो जाती थी। ऐसे में उन्होंने दिल्ली से औद्योगिक इकाइयों को हटाया और पूरी सार्वजनिक परिवहन सेवा को सीएनजी पर लाने का काम किया। सीएनजी की कमी और अदालत की तीन दिन की मोहलत के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। सीएनजी बसें लाने से लेकर 60 हजार ऑटो व करीब इतनी ही टैक्सियों को सीएनजी पर लाने का काम किया।

त्रिपाठी बताते है कि उन्होंने दिल्ली के वन क्षेत्र (हरित क्षेत्र) को आठ से बढ़ाकर 30.9 फीसद कर दिया था। दिल्ली मेट्रो के निर्माण में तेजी लाने के लिए भी उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी ताकि लोगों को पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था मिल सके। त्रिपाठी बताते हैं कि उनकी कोशिश रहती थी कि मेट्रो या फ्लाइओवर को बनाने में पेड़ों को कम से कम नुकसान पहुंचे। पेड़ों को काटने की बजाय स्थानांतरित करने का काम भी उन्हीं के कार्यकाल में हुआ। उनकी करीबी रहीं पूर्व मंत्री प्रोफेसर किरण वालिया ने बताया कि उन्होंने सभी स्कूलों में पर्यावरण क्लब बनवाए। बच्चों में पर्यावरण के प्रति समझ व जिम्मेदारी पैदा करने के लिए वे यमुना की सफाई में अपने साथ स्कूली बच्चों को भी लाती थीं। प्रोफेसर वालिया ने बताया कि उन्होंने भागीदारी योजना के तहत आरडब्लूए के साथ हरित व नीले कूड़े को अलग करने की योजना शुरू की थी। त्रिपाठी बताते हैं कि शीला दीक्षित ने मोतीलाल नेहरू मार्ग पर स्थित अपने सरकारी आवास में उन्होंने हरित क्षेत्र विकसित कर रखा था, जहां विभिन्न प्रजातियों के पौधे थे। यह क्षेत्र स्कूली बच्चों के लिए बनवाया था।

# यातायात संभालने के लिए पुलिस को करनी पड़ी मशक्कत

**जनसत्ता संवाददाता**
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

दिल्ली में रविवार को दिल्ली पुलिस को विशेष इंतजाम करना पड़ा। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित की अंतिम यात्रा के लिए निगम बोध घाट के साथ पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मांगे राम गर्ग को श्रद्धांजलि देने के लिए भाजपा प्रदेश कार्यालय और केंद्रीय मंत्री राम बिलास पासवान के भाई और सांसद रामचंद्र पासवान के निधन के बाद राजेंद्र प्रसाद रोड पर वीआइपी और वीवीआइपी के आने से पुलिसिया सुरक्षा व्यवस्था और यातायात के लिए दिल्ली पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के निधन के बाद रविवार को सुबह कांग्रेस कार्यालय अकबर रोड से निगम बोध घाट तक पुलिस ने यातायात और सुरक्षा व्यवस्था का बंदोबस्त कर रखा था। अचानक सुबह यह समाचार आया कि पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मांगे राम गर्ग का निधन हो गया। उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए प्रदेश भाजपा कार्यालय में श्रद्धांजलि देने के लिए शव लाया गया था। इस मौके पर गृह मंत्री राजनाथ सिंह समेत केंद्रीय मंत्रिमंडल के कई सदस्यों के आने से पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त करने पड़े। निगम बोध घाट और पंत मार्ग स्थित भाजपा कार्यालय में सुरक्षा और यातायात के लिए पुलिस तैनात की गई। तभी दोपहर में केंद्रीय मंत्री राम बिलास पासवान के भाई और सांसद रामचंद्र पासवान के निधन की सूचना आई। पासवान के शव को भी राजेंद्र प्रसाद रोड स्थित उनके आवास पर श्रद्धांजलि देने के लिए रखा गया।

# भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मांगेराम गर्ग का निधन

**जनसत्ता संवाददाता**
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

दिल्ली प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और वजीरपुर विधानसभा के पूर्व विधायक मांगे राम गर्ग का रविवार को निधन हो गया। बालाजी एक्सन अस्पताल में रविवार सुबह साढ़े सात बजे गर्ग ने आखिरी सांसें ली। मांगेराम गर्ग 83 साल के थे। उनके निधन पर ट्विटर के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई लोगों ने गहरा शोक जताया।

गर्ग के निधन की जानकारी मिलने पर रविवार सुबह बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और परिवार के सदस्य बालाजी एक्शन अस्पताल पहुंचे। गर्ग को बीती 15 जुलाई की शाम छह बजे दिमाग में शिकायत होने पर

मांगेराम गर्ग के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित करते गृह मंत्री अमित शाह।

परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया था। मांगेराम के शव को निवास स्थान अशोक विहार फेज-2 से प्रदेश भाजपा कार्यालय दर्शन के लिए लाया गया। प्रदेश कार्यालय में अंतिम दर्शन के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवराज सिंह चैहान, सुषमा स्वराज, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी समेत सभी वरिष्ठ नेताओं व कार्यकर्ता पहुंचे। गर्ग के परिजनों ने बताया कि अपने जीवनकाल में मांगेराम ने अपना शरीर दधीचि देहदान समिति को दान कर दिया था। उनका पार्थिव शरीर दोपहर एक बजे लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया जाएगा। गर्ग साल 2003 से 2008 तक वजीरपुर क्षेत्र से विधायक रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्विटर पर कहा कि मांगेराम के निधन से पार्टी को बहुत बड़ी क्षति हुई है। वे निस्वार्थ भाव से काम करते थे।

# हरि किशन के लिए गर्ग ने छोड़ दी थी निगम की सीट

**निर्भय कुमार पांडेय**
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मांगेराम गर्ग बड़े ही सरल और सहज स्वाभाव के थे। कुछ लोगों का कहना था कि उन्हें कभी किसी पद पाने को लेकर अपेक्षा नहीं रही। उनके सहयोगी रहे प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि साल 1977 में दिल्ली नगर निगम का चुनाव होना था। उस वक्त शक्ति नगर सीट पर चुनाव के लिए उनके नामों की चर्चा जोरों पर थी। भाजपा नेता हरि किशन के नाम पर भी चर्चाएं हो रही थी। अंतिम निर्णय लेने के लिए संगठन ने दोनों पर फैसला छोड़ दिया। बताया जाता है कि उन्होंने हरि किशन से कहा कि पर्ची निकाल लेते हैं, जिसके नाम की पर्ची निकलेगी वही चुनाव

**यादें**

लड़ेगा। पर्ची में हरि किशन का नाम निकला तो उन्होंने पूरी शिद्दत के साथ हरि किशन को चुनाव लड़वाया और जीत भी दिलवाई। उस समय दिल्ली विधानसभा नहीं थी इसलिए निगम चुनाव का काफी महत्व था।

प्रवीण कुमार का कहना है कि वे हमेशा कहा करते थे कि छोटे कार्यकर्ता के घर जाने से कार्यकर्ता का सम्मान बढ़ता है, लेकिन इससे पार्टी का आधार मजबूत होता है। प्रवीण का यह भी कहना है कि देश में जब कभी कहीं भी कोई प्रकृतिक आपदा आती थी। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व मांगे राम गर्ग को याद करता था।

हरियाणा से दिल्ली आकर उन्होंने रौशन आरा रोड पर स्थित एक दाल के कारखाना में 80 रुपए प्रति महीने के वेतन पर नौकरी की। इस दौरान कारखाना मालिक को काफी फायदा हुआ, जिसके बाद मालिक ने उन्हें मुनाफे में 25 फीसद का हिस्सेदार बना दिया। उसके बाद उन्होंने धर्म के क्षेत्र में कई कार्य किए। चाहे आर्दश राम लीला कमिटी का स्थापना करना हो या फिर देश के 100 से अधिक तीर्थ स्थलों पर धर्मशाला बनवाने का कार्य।

### छठ घाट का निर्माण

दिल्ली के वह पहले नेता थे, जिन्होंने साहिब सिंह वर्मा के मुख्यमंत्री रहते हुए दिल्ली में तीर्थ विकास समिति का गठन करवाया। इसी समिति के तहत उन्होंने पूर्वांचल के महापर्व छठ के लिए यमुना किराने घाट बनवाए। उन्होंने सरकार से सरकारी अवकाश घोषित करने की मांग की।

# शाहबेरी की इमारतें ढहाए जाने के खिलाफ धरना

**जनसत्ता संवाददाता**
ग्रेटर नोएडा, 21 जुलाई।

शाहबेरी की इमारतों को अवैध बताकर ढहाए जाने की चेतावनी के विरोध में फ्लैट खरीदारों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। लगातार दूसरे दिन खराब मौसम के बीच बड़ी संख्या में खरीदार धरने पर बैठे रहे। खरीदारों ने प्राधिकरण मुर्दाबाद के नारे लगाए। यहां रहने वालों का तर्क है कि रजिस्ट्री के नाम पर करीब एक हजार करोड़ रुपए का राजस्व सरकार को दिया गया है।

इसके अलावा जीएसटी, सर्विस टैक्स के जरिए भी करोड़ों रुपए का राजस्व दिया गया है। ऐसे में सरकार इस जगह को किस आधार पर अवैध बता रही है। लोगों के मुताबिक लिखित में फ्लैट नहीं तोड़े जाने का आश्वासन मिलने के बाद ही वे धरने से उठेंगे। धरने पर बैठे लोगों ने सीएम योगी आदित्यनाथ से इच्छा मृत्यु तक की मांग की है। शाहबेरी इलाके में करीब डेढ़ हजार फ्लैट बने हुए हैं जिसमें करीब सवा लाख की आबादी रहती है।

शाहबेरी में बनी इमारतों को अवैध घोषित कर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण इन्हें तोड़ने की योजना बना रहा है। इससे इलाके में 25 हजार से अधिक परिवार रहते हैं। कई खरीदारों का कहना है कि जिंदगी भर की कमाई से फ्लैट खरीदा था। बैंक का ऋण भी बाकी है। इमारतें तोड़ने से उनकी जिंदगी बर्बाद हो जाएगी। पिछले आठ सालों से इलाके में निर्माण चल रहा है लेकिन प्राधिकरण ने निर्माण कार्यों को कभी बंद नहीं कराया। इलाके में निर्माण अवैध है तो पहले रजिस्ट्री विभाग समेत अन्य अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। लोगों ने बताया कि जिस जगह पर इमारतें बनी हुई हैं उस जमीन को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने नामचीन बिल्डरों जैसे सुपरटेक, अजनारा, एम्स आदि को आबंटित किया था। न्यायालय के आदेश पर 2010 में आबंटन रद्द होने के बाद इमारतें बनने का दौर शुरू हुआ। खरीदारों ने प्राधिकरण में आरटीआइ दाखिल कर शाहबेरी में मूलभूत सुविधाओं की जानकारी मांगी थी। जिसके जवाब में प्राधिकरण ने स्पष्ट किया

था कि इस जगह से उनका मतलब नहीं है और वे जल, सीवर जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवा सकता है। इसके बाद लोगों ने खुद भूलभूत सुविधाओं का इंतजाम किया। खरीदारों के पास बिजली के बिल, आधार कार्ड, पहचान पत्र समेत अन्य सरकारी दस्तावेज मौजूद हैं।

# ड्रोन से बिखेरे एक करोड़ से ज्यादा बीज

गुरुग्राम, 21 जुलाई (जनसत्ता)।

अरावली पहाड़ियों में रविवार को ड्रोन के माध्यम से विभिन्न पेड़ों के एक करोड़ से अधिक बीज बिखेरे गए। कार्यक्रम की शुरुआत उद्योग एवं पर्यावरण मंत्री विपुल गोयल ने की। पहल को पर्यावरणविदों ने जंगली जीवन के लिए खतरनाक और अरावली की टोह लेने वाला बताया।

गांव घाटा के पास आयोजित कार्यक्रम में मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि ड्रोन की मदद से, गुलेल व पैदल घूमकर अरावली में बीजों का बिखेरना सराहनीय प्रयास है। इस अनूठी मुहिम से हरियाली तो बढ़ेगी ही कम समय में अधिक पेड़-पौधे लगाए जा सकेंगे। मंत्री ने बीजों से भरा थैला लिए एक ड्रोन को उड़ाया और बाद में एक तय ऊंचाई पर जाने के बाद धीरे-धीरे थैले को खोला गया। इस थैले से निकले बीज काफी दूरी तक हवा में तैरते हुए बिखर गए। कार्यक्रम के आयोजक भारत विकास परिषद के सदस्यों ने बताया कि इन बीजों बिखरेने से पहले भिगोकर रखा गया था ताकि थोड़ी सी भी मिट्टी मिलते ही यह बीज जड़ पकड़ लें। इनमें मुख्य तौर पर पीपल, बड़, नीम, शीशम औश्र जामुन के बीज बिखेरे गए। दूसरी ओर, पूर्व वन संरक्षक डॉक्टर आरपी बालवान (आइएफएस) ने ड्रोन से अरावली पहाड़ियों में बीज बिखेरने को प्रचार का तरीका करार देते हुए इससे अरावली की सुरक्षा का गंभीर खतरा बताया।

## सुरक्षित नहीं रखवाले

राजधानी में जिनके कंधों पर सड़क सुरक्षा की जिम्मेदारी है। वे खुद इन दिनों सड़क पर असुरक्षित हैं। पिछले कुछ दिनों से यातायात पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट और गली-गलौज की कई घटनाएं सामने आई हैं। नियमों की अनदेखी करने वालों पर काबू पाने में पुलिसकर्मी लाचर दिख रहे हैं। या तो पब्लिक भारी पड़ रही है या आला अधिकारियों की कार्रवाई झेल रहे हैं। पहाड़गंज इलाके में एक राहगीर केवल इस बात पर पुलिसकर्मी के साथ हाथापाई करने लगा कि उसे लगा कि वाहनों की जांच-पड़ताल कर रहे पुलिसकर्मी की वजह से जाम लगा है। वहीं, नेताजी सुभाष प्लेस में पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट और गली-गालौज का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें दो पुलिसकर्मी दो युवकों के सामने विवश नजर आ रहे थे। हालांकि मुखर्जी नगर में पुलिसकर्मियों ने बदसलूकी करने वाले के साथ सख्ती दिखाई थी। इसका खामियाजा तीन पुलिसकर्मियों को भुगतना पड़ा था। तीनों को निलंबित कर दिया गया था। इसे निलंबन का डर कहें या फिर कुछ और पुलिसकर्मी अब बदसलूकी करने वालों पर भी बल प्रयोग करने से गुरेज करने लगी है।

## 'आप' की रणनीति

दिल्ली में लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) को मात क्या मिली वह विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तरह से सक्रिय हो गई। एक के बाद एक घोषणाएं करके वह दूसरे दलों को हैरान और परेशान करती जा रही है। कांग्रेस के नेता को आपस में सिरफुटव्वल करने में लगे हुए हैं भाजपा के नेता इसी भरोसे में हैं कि लोकसभा चुनाव जैसा गैरभाजपा मतों का विभाजन कांग्रेस और 'आप' में होगा तो भाजपा चुनाव जीत ही जाएगी। भाजपा इसी तरह का दिवास्वप्न देखती रही और सालों से दिल्ली की सरकार से बाहर रही। नगर निगमों में भाजपा की शासन है और केंद्र में उसकी सरकार है लेकिन वह अपनी कोई पहल करने के बजाए 'आप' सरकार के पहल पर ही टीका-टिप्पणी करके अपनी जिम्मेदारी की इतिश्री कर ले रहा है। भाजपा की गुटबाजी भी कम नहीं हो रही है और इसका असर विधानसभा चुनावों पर तो दिखेगा ही।

## कुंडली मारकर बैठे

दिल्ली पुलिस के कई ऐसे अधिकारी हैं जो दिल्ली में ही कुंडली मारकर बैठने का तमगा अपने सिर लिए हुए हैं। वे कभी ओएसडी बन जाते हैं तो कभी डिपुटेशन पर अन्य विभागों की कुर्सी पकड़ लेते हैं। कई अधिकारी तो ऐसे हैं जो पुलिस मुख्यालय की कुर्सी को ही छोड़ना नहीं चाहते। ऐसे ही कुछ अधिकारियों पर इस बार केंद्रीय गृह मंत्रालय की नजर गई है। दरअसल, एजीएमयूटी कैडर होने के नाते दिल्ली पुलिस के अधिकारियों को अंडमान निकोबार द्वीप समूह से लेकर मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, पुडुचेरी और गोवा में अपनी सेवाएं देनी होती है। इन राज्यों और शहरों में कुछ तो अधिकारियों के पसंदीदा बन जाते हैं लेकिन कुछ के लिए शहर में नौकरी काटना सजा की तरह हो जाता है। ऐसे में वे तरकीब ढूंढ़ते रहते हैं कि किसी न किसी बहाने वे दिल्ली में ही जमे रहे। लेकिन इसी हफ्ते दिल्ली पुलिस के कई अधिकारियों के तबादले हुए तो उनमें ऐसे कुंडली मारने वाले भी नप गए। शायद इस बार उनकी दाल मंत्रालय में नहीं गल सकी। वे इन्हीं जगहों पर भेज दिए गए।

## दबाव में छापामारी

स्कूलों में दाखिलों का समय और नोएडा में शुरू हुई छापामारी, इसका संबंध हो न हो लेकिन लोगों के मन में यह खटक रहा है। यह छापामारी गंदगी, फैक्टरियों के जल शोधन संयंत्रों की कार्यशीलता, भूजल दोहन और पॉलीथीन आदि के इस्तेमाल को लेकर हो रही है। लेकिन चर्चा शहरों के नामी स्कूलों में होने वाली छापामारी को लेकर है। प्राधिकरण के मुख्य सलाहकार की अगुआई में होने वाली कार्रवाई नामी पब्लिक स्कूल पर केंद्रित रहने की वजह दाखिलों से जोड़कर देखा जा रहा है। स्कूलों में दाखिला सत्र की समाप्ति और लोकसभा चुनाव आचार संहिता की वजह से देर से स्थानांतरण होना भी एक कारण हो सकता है। भले ही आधिकारिक या स्पष्ट रूप से ना तो स्कूल प्रबंधन और ना ही प्राधिकरण अधिकारी इसे स्वीकार कर रहे हैं लेकिन पहली बार एकाएक प्रदूषण नियंत्रण की नामी स्कूलों पर छापामारी ने एक नई बहस जरूर शुरू कर दी है। मौके पर जुर्माना लगाकर एक सप्ताह के भीतर जमा करने के निर्देश हैं, जबकि अधिकांश स्कूल के प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों ने ऐसे मानकों की पहले से जानकारी होने से इनकार किया है।

## श्रीराम की चिट्ठियां

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की घेराबंदी के लिए भाजपा का चिट्ठी अभियान प्रदेश कार्यालय तक ही पहुंच पाया है। लोकसभा चुनाव तृणमूल कांग्रेस को घेरने के लिए भाजपा ने चिट्ठी लिखने की पहल की थी। इस चिट्ठी में सिर्फ जय श्रीराम के नारे लिखे गए थे। भाजपा समर्थकों के खिलाफ पश्चिम बंगाल में हुई कार्रवाई के यह पहल शुरू हुई थी, लेकिन ये चिट्ठियां चुनाव के बाद आज भी पार्टी मुख्यालय के एक छोटे से कमरे में बंद पड़ी हैं।

-बेदिल

# लोजपा सांसद रामचंद्र पासवान नहीं रहे

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

लोक जनशक्ति पार्टी के सांसद रामचंद्र पासवान का रविवार दोपहर बाद निधन हो गया। वे 57 वर्ष के थे। रामचंद्र पासवान केंद्रीय मंत्री एवं लोजपा प्रमुख रामविलास पासवान के छोटे भाई थे। पार्टी के नेता चिराग पासवान ने बताया कि उनके चाचा का यहां राम मनोहर लोहिया अस्पताल में दोपहर बाद 1.24 बजे निधन हो गया। रामचंद्र को पिछले हफ्ते दिल का दौरा पड़ा था जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।



- पिछले हफ्ते दिल का दौरा पड़ा था जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।
- चार बार सांसद रहे रामचंद्र पासवान

उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शनों के लिए रविवार को शाम पांच बजे से 18, राजेंद्र प्रसाद मार्ग स्थित उनके आवास पर रखा गया। जो सोमवार को पटना में लोजपा कार्यालय में रखा जाएगा। उनके परिवार में पत्नी,दो बेटे और एक बेटी है। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को पटना में किया जाएगा। चिराग ने ट्वीट किया– गहरे दुख के साथ मुझे सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे चाचा रामचंद्र पासवान नहीं रहे। नई दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में दोपहर बाद 1.24 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

रामचंद्र पासवान चार बार सांसद रहे। वे 1999 में पहली बार, इसके बाद 2004 में और तीसरी बार 2014 में सांसद निर्वाचित हुए थे। मई 2019 में वे बिहार के समस्तीपुर से लोकसभा चुनाव जीते थे। उनके निधन पर गहरा शोक जताते हुए पूर्व सांसद और लोकतांत्रिक जनता दल के वरिष्ठ नेता शरद यादव ने पासवान के परिवार के लिए संवेदनाएं जताईं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और रालोसपा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने भी उनके निधन पर शोक जताया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उनके निधन पर दुख जताते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी रामचंद्र पासवान के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक शोक संदेश में नीतीश ने लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के सांसद रामचंद्र पासवान के असामयिक निधन पर शोक प्रकट करते हुए उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ कराए जाने की घोषणा की है। नीतीश ने कहा कि दिवंगत रामचंद्र पासवान एक कुशल राजनेता एवं प्रसिद्ध समाजसेवी थे। वे सरल स्वभाव के और काफी मिलनसार थे। अपने क्षेत्र में वे काफी लोकप्रिय थे। उनके निधन से न केवल सामाजिक बल्कि राजनीति के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है।

# सैनिकों के गौरव और सम्मान के लिए हरसंभव कदम उठाऊंगा : राजनाथ

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने करगिल युद्ध के नायकों की सराहना करते हुए रविवार को कहा कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ करेंगे कि सैनिकों के गौरव और सम्मान को किसी भी तरह की ठेस न पहुंचे। 'ऑपरेशन विजय' के 20 वर्ष होने के उपलक्ष्य में यहां आयोजित एक कार्यक्रम में युद्ध में भाग ले चुके सैनिकों, करगिल युद्ध के शहीदों की विधवाओं व अन्य को संबोधित करते हुए उन्होंने यह संकल्प जताया।



रक्षामंत्री ने कहा– हमारे शहीदों के सम्मान में हम जो कुछ भी कर सकते हैं, वह कम है। हम उनका सम्मान करते हैं और यहां मौजूद युद्ध विधवाओं को नमन करते हैं। हम अपने सैनिकों पर गर्व महसूस करते हैं।

उन्होंने शनिवार के अपने द्रास दौरे के अनुभव भी साझा किए। जहां उन्होंने वीरगति को प्राप्त सैनिकों के सम्मान में करगिल युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। रक्षा मंत्री ने कहा–मैं अपनी तरफ से सिर्फ यह कह सकता हूं कि हमारे जवानों के सम्मान, स्वाभिमान व प्रतिष्ठा की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए मैं अपना सर्वश्रेष्ठ करूंगा और हरसंभव कदम उठाऊंगा।


RBL BANK
पंजी. कार्यालय: 1ला लेन, शाहूपुरी, कोल्हापुर- 416001
नियंत्रण कार्यालय: वन इंडिया बुल्स सेन्टर, टावर 2 बी, छठा तल, 841, सेनापति बापत मार्ग, लोअर परेल (वेस्ट), मुम्बई-400013

**नीलामी बिक्री सूचना**

31.12.2017 को रु. 9,23,83,401/- (रुपए नौ करोड़ तेईस लाख तिरासी हजार चार सौ एक) तथा 1.1.2018 से अनुबंधित दर पर आगे के ब्याज तथा ऋण की वसूली तक लागत, चार्जेज तथा खर्चों की वसूली के लिए मै. महान प्रोटीन्स लि. को दूध की आपूर्ति करने वाले विभिन्न मिल्क प्रोड्यूसर्स के स्वीकृत अग्रिमों के लिए आरबीएल बैंक लि. के पास गिरवी रखी गई नीचे वर्णित संपत्ति की वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा उसके अंतर्गत निर्मित नियमों के अधीन सार्वजनिक नीलामी द्वारा बिक्री

| विवरण | आरक्षित मूल्य | ईएमडी | नीलामी की तिथी एवं समय | नीलामी की तिथि एवं समय | नीलामी का स्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| खसरा नं. 646, ग्राम बरहान, कासीकलान रोड, मथुरा जिला, उत्तर प्रदेश में स्थित भूमि माप 0.909 हेक्टे. (क्षेत्रफल 0.909 हेक्टे.) (स्वामी -महान प्रोटीन्स लि.) कॉर्पोरेट गारन्टर का नाम: मै. महान प्रोटीन्स लि. पर्सनल गारंटर का नाम: राजीव गोयल | 52.20 लाख | 2.90 लाख | 02.08.2019 प्रात: 11.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक | 09.08.2019 दोप. 3.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक | आरबीएल बैंक लि. बिल्डिंग नं.1, पहली मंजिल, ओखला फेस 3, मोदी मिल्स के सामने, नई दिल्ली 110020. |

नियम एवं शर्तें
1. बोली प्रपत्र तथा बिक्री के नियम एवं शर्तें आरबीएल बैंक लि. बिल्डिंग नं.1, पहली मंजिल, ओखला फेस 3, मोदी मिल्स के सामने, नई दिल्ली 110020 में स्थित हमारी शाखा कार्यालय से रु. 100/- अप्रतिदेय के भुगतान पर किसी भी कार्य दिवस को 10 बजे पूर्वा. से 6.00 बजे अप. के बीच प्राप्त की जा सकती है।
2. बोलीदाता को नीलामी की तिथि को बोली में व्यक्तिगत रूप से भाग लेना होगा तथा आरटीजीएस द्वारा अथवा आरबीएल बैंक लि. के पक्ष में दिल्ली में देय किसी राष्ट्रीयकृत या अनुसूचित बैंक के पे आर्डर/ डिमांड ड्राफ्ट द्वारा उपरोक्त धरोहर राशि के साथ मुहरबंद लिफाफे में बोली आरबीएल बैंक लिमिटेड, बिल्डिंग नं.1, पहली मंजिल, ओखला फेस 3, मोदी मिल्स के सामने, नई दिल्ली 110020 के पास 07.08.2019 को सायं 5.00 बजे या उससे पूर्व अधोहस्ताक्षरी के पास पहुंच जाना चाहिए। आरक्षित मूल्य से कम में बोली स्वीकार नहीं की जाएगी। बोली के मुहरबंद लिफाफे को नीलामी के स्थान पर वर्णित समय में खोला जाएगा।
3. बोलीदाता को निरीक्षण के लिए उसके ओरिजिनल तथा पासपोर्ट आकार के एक फोटोग्राफ के साथ केवाईसी दस्तावेजों जैसे पैन कार्ड/ निवास के प्रमाण की स्वतः सत्यापित प्रति को जमा करना होगा।
4. संपत्ति की बिक्री पूरी तरह से "जैसा है जहां है तथा जो भी वहां है आधार" पर होगी तथा इच्छुक बोलीदाता संपत्ति के विरुद्धकिसी किसी दावे, चार्जेज, करों, लेवीज, देयताओं एवं/अथवा उपचयित किसी अन्य बकायों के विषय में अपनी स्वतंत्र जांच कर सकते हैं। वर्तमान उपचयित देयताओं संपत्ति पर यदि कोई हो, बैंक की जानकारी में नहीं है।
5. नीलामी प्रक्रिया में बोली प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्राप्त उच्चतम बोली राशि से शुरू होगी तथा उसके बाद बोलीदाता न्यूनतम रु. 25000/- (रुपये पच्चीस हजार मात्र) में अपनी बोली में वृद्धी कर सकते है।
6. सफल बोलीदाता को उनकी बोली की स्वीकृति पर तत्काल अर्थात उसी दिन या अधिकतम अगले कार्य दिवस के 5.00 बजे अप. तक 25% बोली राशि (ईएमडी सहित) का भुगतान करना होगा तथा शेष राशि का भुगतान नीलामी की तिथि से 15 दिनों के भीतर किया जाएगा।
7. यदि सफल बोलीदाता ऊपर क्लॉज (6) में वर्णित रूप से 25% बोली राशि का भुगतान करने में विफल होते हैं तो उनके द्वारा जमा कीगई धरोहर राशि जब्त कर ली जाएगी तथा बिक्री को निरस्त माना जाएगा। इसी प्रकार, यदि बोलीदाता बिक्री की पुष्टि की तिथि से 15 दिनों के भीतर शेष 75% राशि का भुगतान करने में विफल होते हैं तो उनकी 25% बोली राशि जब्त कर ली जाएगी।
8. भुगतान की शर्तों के अनुपालन पर बिक्री पुष्टि के बाद प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अनुसार सफल बोलीदाता के पक्ष में बिक्री प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा तथा सफल क्रेता को सभी करों, स्टाम्प शुल्क, पंजीकरण प्रभारों तथा सफल बोलीदाता के नाम मेंबिक्री प्रमाणपत्र पंजीकृत कराने के लिए अनुषंगिक खर्चे का वहन करना होगा। संपूर्ण बोली राशि की प्राप्ति के बाद ही प्राधिकृत अधिकारी विषय संपत्ति का कब्जा सौंपेंगे।
9. प्राधिकृत अधिकारी को बिना कोई कारण बताए किसी भी प्रस्ताव/ बोली को स्वीकार या निरस्त करने अथवा नीलामी को स्थगित/ निरस्त करने तथा साथ ही बिना किसी पूर्व सूचना के बिक्री के नियमों एवं शर्तों को संशोधित करने का अधिकार है।
10. इच्छुक बोलीदाता टेलीफोन 0124-6105100, एक्स्टे. 614, मोबाईल- 08447733617 पर प्राधिकृत अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

**सरफैसी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत 15 दिनों की सांविधिक बिक्री सूचना**

ऋणधारकों/गारन्टरों को एतद्द्वारा सरफैसी अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा 8 के प्रावधानों के विषय में अवगत कराया जाता है कि बिक्री आयोजित होने से पूर्व किसी भी समय वे बकाया देयता/ चार्जेज/ खर्चों का भुगतान कर प्रतिभूतियों को विमोचित कर सकते हैं अन्यथा संपत्ति की बिक्री/नीलामी कर दी जाएगी तथा शेष बकाया, यदि कोई हो, ब्याज एवं लागत के साथ वसूल की जाएगी।

स्थान : मथुरा
दिनांक : 22.07.2019

प्राधिकृत अधिकारी
शिवजी प्रसाद
आरबीएल बैंक लिमिटेड


# बटुकेश्वर दत्त के नाम पर रखा जाएगा बर्धमान रेलवे स्टेशन का नाम : राय

पटना, 21 जुलाई (भाषा)।

केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने यहां कहा कि पश्चिम बंगाल में बर्धमान रेलवे स्टेशन का नाम क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी बटुकेश्वर दत्त के नाम पर रखा जाएगा, जिनका जन्म उसी जिले में हुआ लेकिन बाद में उन्होंने बिहार की राजधानी को अपना घर बना लिया। गृह राज्यमंत्री और बिहार भाजपा के प्रमुख नित्यानंद राय ने शनिवार को इस संबंध में एक बयान दिया। उन्होंने यहां दत्त के घर का दौरा किया, जहां वह आजादी के बाद रहे।

- गृह राज्यमंत्री और बिहार भाजपा के प्रमुख नित्यानंद राय ने यह घोषणा की
- उन्होंने पटना में दत्त के घर का दौरा किया, जहां वह आजादी के बाद रहे

केंद्रीय मंत्री दत्त की पुण्यतिथि पर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवराज सिंह चौहान के साथ जक्कनपुर इलाके में स्थित दत्त के आवास पर गए। वहां उन्होंने उनकी बेटी भारती बागची से मुलाकात की। वह उनके परिवार में जीवित एकमात्र सदस्य हैं। नई दिल्ली में एम्स के समीप स्थित एक पॉश कॉलोनी का नाम भी क्रांतिकारी के नाम पर है, जहां उन्होंने 1965 में अंतिम सांस ली थी। 1910 में बर्धमान जिले के एक गांव में जन्मे दत्त हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन से जुड़ गए, जिसका नेतृत्व चंद्रशेखर आजाद ने किया था। वे दिल्ली में नेशनल एसेंबली में भगत सिंह के साथ गए जहां 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारे लगाते हुए बम फेंकने के बाद वे पेश हुए।

एक ब्रिटिश पुलिस अधिकारी की हत्या के आरोपी भगत सिंह को फांसी की सजा सुनाई गई जबकि दत्त को उम्रकैद की सजा सुनाई गई और उन्हें अंडमान-निकोबार द्वीप की जेल में भेज दिया गया। आजादी के बाद दत्त अपनी पत्नी अंजलि के साथ पटना में बस गए। उनकी पत्नी शहर के एक अग्रणी स्कूल में पढ़ाती थीं।

# पीडीपी के पूर्व नेता नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल

श्रीनगर, 21 जुलाई (भाषा)।

पीडीपी के पूर्व नेता और जम्मू कश्मीर में पुलवामा निर्वाचन क्षेत्र से तीन बार विधायक रहे मोहम्मद खलील बंध रविवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल हो गए।

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला ने उनका पार्टी में स्वागत किया। पीडीपी के संस्थापक सदस्य बंध ने वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। लगातार तीन बार 2002, 2008 और 2014 में पुलवामा से राज्य विधानसभा के लिए निर्वाचित बंध पीडीपी के पुलवामा जिला अध्यक्ष भी थे।

राज्य में जून 2018 में पीडीपी-भाजपा गठबंधन सरकार के गिरने के बाद पीडीपी से आठ विधायक इस्तीफा दे चुके हैं। अल्ताफ बुखारी, हसीब द्राबू, बशारत बुखारी, इमरान अंसारी, आबिद अंसारी और अब्बास वानी (सभी पूर्व विधायक) सहित अन्य नेता पार्टी छोड़ चुके हैं।


**DCM SHRIRAM INDUSTRIES LIMITED**
CIN: L74899DL1989PLC035140
Regd. Office : 6th Floor , Kanchenjunga Building, 18, Barakhamba Road, New Delhi -110001.
Tel.: 011-23759300, Fax: 011-23315424
E-mail: dsil@dcmsr.com, Website: www.dcmsr.com

**NOTICE**

Notice is hereby given that the 28th Annual General Meeting (AGM) of the Company will be held on Tuesday , the 13th August ,2019 at 11.00 A.M. at Kamani Auditorium,1,Copernicus Marg, New Delhi to transact the business as set out in the AGM Notice dated 27.05.2019.

Annual Reports along with Notice of AGM have been sent to all the Shareholders of the Company. The dispatches of the aforesaid documents have been completed on 19.07.2019. Shareholders who have not received the same may download the same from the link of Company's Website http://www.dcmsr.com/other_files/YR5/Annual%20Report/AR.pdf or request the Company for copies thereof. Members are requested to register/update their e-mail addresses for receiving all communication including Annual Report, Notices, Circulars, etc from the Company electronically.

Pursuant to the provisions of Section 91 of the Companies Act, 2013 and Regulation 42 of SEBI (Listing Obligation & Disclosure Requirements) Regulations, 2015, the Register of Members and the Share Transfer Books of the Company will remain closed from Saturday, the 03rd August, 2019 to Tuesday, the 13th August, 2019 (both days inclusive) for the purpose of payment of dividend for the financial year 2018-19, if approved by the shareholders. Members holding shares in physical form or dematerialized form, as on cut -off date i.e. 02.08.2019, may cast their vote on the business as set out in the Notice of AGM through electronic voting system. All Members are hereby informed that :

a) the business as set out in the Notice of AGM may be transacted through voting by electronic means and poll at the AGM. E-Voting is optional.
b) the remote e-voting shall commence on 08.08.2019 at 10.00 A.M. and end on 12.08.2019 at 5 P.M. and shall be disabled thereafter and the same shall not be allowed beyond the said time.
c) the cut off date for determining the eligibility to vote through remote e-voting or at the AGM is 02.08.2019.
d) once the vote on a Resolution is cast by the Member, the Member shall not be allowed to change it subsequently.
e) the facility for voting through ballot paper shall be made available at the AGM and the Members attending the meeting who have not cast their vote by remote e-voting shall be able to exercise their right at the meeting through ballot paper.
f) the Members who have cast their vote by remote e-voting prior to the AGM may also attend and participate in the AGM but shall not be entitled to cast their vote again.
g) Shri. Swaran Kumar Jain, Company Secretary in Practice (C.P. No. 4906), has been appointed as Scrutinizer for remote e-voting and poll at the AGM venue.
h) any person, who acquires shares of the Company and become Member of the Company after dispatch of the notice and holding shares as on cut off date i.e. 02.08.2019, may obtain the login ID and password by sending a request at evoting@karvy.com.
i) a person, whose name is recorded in the register of members or in the register of beneficial owners maintained by the depositories as on the cut-off date only shall be entitled to avail the facility of remote e-voting or voting at the AGM through postal ballot.
j) if a person is already registered with Karvy for remote e-voting then he can use his existing user ID and password for casting his vote.

In case of any queries/grievances, Members may call the toll free No.:18003454001 or Telephone No: 040-67161527 or Email: investorservices@dcmsr.com.

By order of the Board
For **DCM SHRIRAM INDUSTRIES LIMITED**
Sd/-
**Y.D. Gupta**
Company Secretary
**F3405**

PLACE : NEW DELHI
DATE : 20.07.2019
DCM SHRIRAM


# जमीन विवाद में दबंगों ने ट्रैक्टर से महिला को कुचला, वृद्ध की पिटाई

सिंगरौली (मध्य प्रदेश), 21 जुलाई (भाषा)।

सिगरौली जिले में जमीन विवाद को लेकर दबंगों ने 30 वर्षीय एक आदिवासी महिला को कथित रूप से ट्रैक्टर से कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। दबंगों के हमले में महिला के वृद्ध ससुर भी घायल हो गए। यह घटना सिंगरौली जिला मुख्यालय से करीब 60 किलामीटर दूर जियावन थाना क्षेत्र के ढिलरी गांव में शुक्रवार को हुई।

जियावन पुलिस थाना प्रभारी नेहरू सिंह ने रविवार को बताया कि किरण कोल (30) की ट्रैक्टर चढ़ाकर हत्या करने एवं उसके ससुर विशेषर कोल (60) की पिटाई करने के मामले में मुख्य आरोपी प्रभाकर बैस (25) एवं बंधु बैस (55) को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि लालपति बैस (30) फरार है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को ये तीनों आरोपी ग्राम ढिलरी में चार वर्ष पूर्व कथित रूप से उनके द्वारा बेची गई जमीन पर कब्जा करने के लिए गए और ट्रैक्टर से जोताई करने लगे। इस जमीन पर पिछले 30 वर्ष से विशेषर कोल का कब्जा था। सिंह ने बताया कि इसे देखकर विशेषर कोल एवं उसकी बहू किरण कोल वहां पहुंच गए और जोताई कार्य को रोकने लगे। दोनों पक्षों ने इस जमीन पर अपना-अपना दावा जताया जिससे वाद-विवाद बढ़ता गया।

उन्होंने कहा कि इससे आक्रोशित होकर प्रभाकर बैस ने किरण कोल के ऊपर ट्रैक्टर चढ़ा दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई तथा उसके ससुर को लाठियों से पीटकर बुरी तरह से घायल कर दिया। सिंह ने बताया कि दोनों को तुरंत इलाज के लिए पास के ही एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से अगले दिन शनिवार को किरण को बेहतर इलाज के लिए सिंगरौली जिला चिकित्सालय ले जाया लाया जा रहा था, लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि तीनों आरोपियों के खिलाफ भादंवि की धारा 302 (हत्या), 307 (हत्या का प्रयास), 294, 323, 504 एवं एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विस्तृत जांच जारी है।

# 'पश्चिमी देशों के लिए दुनिया बाजार, हमारे लिए परिवार'

जनसत्ता संवाददाता
देहरादून 21 जुलाई।

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक ने देव संस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज में ज्ञान दीक्षा समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कहा कि आज पश्चिमी देशों के लिए पूरी दुनिया बाजार है और बाजार में व्यापार होता है जबकि हमारे लिए पूरी दुनिया परिवार है और परिवार में प्यार होता है।

उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में पानी का भारी संकट खड़ा हो रहा है। पानी की राशनिंग हो रही हैं। युवाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल को बचाने के राष्ट्रीय अभियान में तन-मन से जुटना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कि देश के सभी विश्वविद्यालयों के डिग्री कॉलेजों और तकनीकी संस्थानों में रैगिंग नहीं होने दी जाएगी। रैगिंग के खिलाफ सरकार सख्ती से पेश आएगी और सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में ज्ञान दीक्षा समारोह के द्वारा ही सत्रों का प्रारंभ होगा।


pnb Housing Finance Limited
कारपोरेट ऑफिस: 9 फ्लोर, अंतरिक्ष भवन, 22, के.जी. मार्ग, नई दिल्ली-110001
दूरभाष: 011-23357171, 23357172, 23705414, वेबसाइट : www.pnbhousing.com
शाखा पता : एस सी ओ 218, 219 फर्स्ट फ्लोर, सेक्टर 12 पार्ट-1, सिटी सेंटर हुडा, करनाल हरियाणा - 132001 फोन : 0184-2271767 E-mail : karnal@pnbhousing.com. Website : www.pnbhousing.com

**कब्जा सूचना (अचल सम्पति हेतु)**

[illegible]

| क्र. सं. | लोन खाता सं | [illegible] | मांग सूचना की तिथि | बकाया राशि | कब्जा करने की तिथि | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | [illegible] | मैसर्स [illegible] स्ट्रिप्स प्राइवेट लिमिटेड, श्री नरिंदर पाल जैन पुत्र बाबू लाल, श्री पदम कुमार जैन पुत्र नरिंदर पाल जैन व श्रीमती [illegible] जैन पत्नी पदम कुमार जैन | 09.04.2018 | ₹ 3,94,07,058.22 [illegible] दि. 09.04.2018 तक | 18.07.2019 (भौतिक) | [illegible] |

स्थान : करनाल, तिथि : 20/07/2019
अधिकृत अधिकारी, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड



**कार्यालयः रिकवरी अधिकारी-I, ऋण वसूली अधिकरण-II, दिल्ली**
4था तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

आर.सी. नं. 249/2016 एवं आरसी नं. 251/2016 तिथिः 3.7.2019

**मै. एसेट्स केयर एंड रीकन्स्ट्रक्शन एण्टरप्राईजेज लि. बनाम मै. शीना एक्स्पोर्ट्स**

"आदेश"

कथित रिकवरी प्रमाण पत्र में मेरे आदेश तिथि 3.7.2019 के अनुसार 30.8.2019 को सार्वजनिक ई नीलामी बिक्री द्वारा नीचे वर्णित संपत्ति की बिक्री की जाएगीः
यह नीलामी बिक्री वेबसाईट **https://drt.auctiontiger.net** पर "ऑन लाईन ई-नीलामी" होगी।
नीलामी की तिथि एवं समयः 30.8.2019 को 11 बजे पूर्वा. से 12 बजे दोपहर (12 बजे दोपहर के बाद यदि जरूरी हुआ, 5 मिनट की अवधि के विस्तार के साथ।)

**संपत्ति का विवरण**

i) नीचे सम्पत्ति की अनुसूची में दिये गये विवरणों के अनुसार
ii) आरक्षित मूल्यः रु. 41,17,00,000/- (रुपये इकतालिस करोड़ सत्तरह लाख मात्र)
iii) धरोहर राशि भुगतान (ईएमडी): रु. 4,11,00,000/- (रुपये चार करोड़ ग्यारह लाख मात्र)

**नियम एवं शर्तें**

1. नीलामी बिक्री वेबसाईट पोर्टलः https://drt.auctiontiger.net पर "ऑन लाईन ई-नीलामी" होगी।
2. ईएमडी का भुगतान रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली खाता आर.सी. नं. 249/2016 के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर द्वारा अथवा अधोलिखित खाताः एसेट केयर एंड रीकन्स्ट्रक्शन एण्टरप्राईजेज लि., आईडीबीआई बैंक, कालकाजी शाखा, नई दिल्ली, खाता नं. 901102000004794, आईएफएससी कोडः IBKL0000901 में आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से किया जाएगा। उक्त डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर अथवा एनईएफटी/आरटीजीएस के द्वारा भुगतान के मूल प्रमाण पत्र, ईएमडी सहित पहचान के स्व- सत्यापित प्रमाण (वोटर आई-कार्ड/ ड्राइविंग लाइसेंस/ पासपोर्ट) जिसमें भविष्य में पत्राचार का पता शामिल हो तथा पैन कार्ड की स्वतः सत्यापित प्रति अधिकतम 28.8.2019 के 5.00 बजे अप. तक **रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली** के कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए। उसके बाद प्राप्त ईएमडी अथवा ईएमडी के मूल प्रमाण को स्वीकार नहीं किया जाएगा।
3. ईएमडी या ईएमडी के एनईएफटी/ आरटीजीएस द्वारा जमा की गई मूल प्रमाण तथा प्रेषक के विवरणों जैसे पते, ई-मेल आईडी तथा मोबाईल नंबर आदि से युक्त लिफाफे के ऊपर 'आरसी नं. 249/2016' शीर्षांकित किया जाना चाहिए।
4. संपत्ति की बिक्री "**जैसा है जहां है आधार**" पर की जा रही है।
5. बोलीदाता को सलाह दी जाती है कि अपनी बोली जमा करने तथा ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिए पोर्टल **https://www.drtauction-tiger.net** देखें एवं/अथवा श्री एस.जी. कुण्डू, एसोसिएट उपाध्यक्ष, मो. नं. 8826090010, टेलीफोन नं. 011-43115605 से संपर्क करें।
6. संभावित बोलीदाता को पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा तथा अग्रिम में लॉगिन आईडी तथा पास्वर्ड प्राप्त करना होगा जो ई-प्रॉक्योमेंट टेक्नोलॉजीज प्रा.लि. बी-704-705 वाल स्ट्रीट-II, ऑरिएंट क्लब के सामने, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद-380006, गुजरात (भारत) टेली. नं. 079-61200513/554/587/594/596/598 ई-मेलः support@auctiontiger.com, संपर्क व्यक्तिः श्री तिलक मराठा एवं श्री पुष्पित मारु, सम्पर्क नं. 91-6351896834, श्री नितीश झा, सम्पर्क नं. 7982880393 से प्राप्त करना अनिवार्य है।
7. इच्छुक बोलीदाता मै. ई-प्रॉक्योमेंट टेक्नोलॉजीज प्रा.लि., बी-704-705 वाल स्ट्रीट-II, ऑरिएंट क्लब के सामने, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद-380006, गुजरात (भारत) टेली. नं. 079-61200513/554/587/594/596/598, ई-मेलः support@auctiontiger.com, संपर्क व्यक्तिः श्री तिलक मराठा एवं श्री पुष्पित मारु, सम्पर्क नं. 916351896834, श्री नितीश झा, सम्पर्क नं. 7982880393 से ई-नीलामी प्रक्रिया का प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।
8. केवल ऐसे बोलीदाता ऑनलाइन ई-नीलामी में भाग लेने के लिए अधिकृत होंगे जिनके पास वैद्य यूजर आईडी एवं पास्वर्ड तथा डिमांड ड्राफ्ट/ पे आर्डर या एनईएफटी/ आरटीजीएस के माध्यम से ईएमडी के भुगतान का निश्चित प्रमाण होगा।
9. सम्पत्ति का निरीक्षण 20.8.2019 को 11.00 बजे से 16.00 बजे तक किया जा सकता है तथा निरीक्षण के लिये श्री एस.जी. कुण्डू, एसोसिएट उपाध्यक्ष, मो. नं. 8826090010, टेली. नं. 011-43115605 से सम्पर्क किया जा सकता है।
9ए. जो इच्छुक बोलीदाता 28.8.2019 के 5.00 बजे अप. तक आरक्षित मूल्य से ऊपर अपना प्रस्ताव जमा करते हैं वे ई-नीलामी में भाग लेने के योग्य होंगे **जो 30.8.2019 को 11 बजे पूर्वा. से 12 बजे दोपहर के बीच आयोजित की जाएगी।** यदि बोली अंतिम 5 मिनट में रखी जाती है तो अंतिम समय स्वतः 5 मिनट आगे बढ़ जाएगी।
10. बोलीदाता रु. 5,00,000/- (रुपए पाँच लाख मात्र) के गुणक में अपनी बोली में सुधार कर सकते हैं।
11. असफल बोलीदाता ई-नीलामी के तत्काल बाद रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली, सीएच, अर्थात् एसीआरई से प्रत्यक्ष रूप से अपना ईएमडी प्राप्त कर सकते हैं।
12. सफल/ उच्चतम बोलीदाता को ई-नीलामी की समाप्ति के 24 घंटे के भीतर धरोहर राशि (ईएमडी) समायोजित करने के बाद रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली खाता आरसी नं. 249/2016 के पक्ष में 25% का डिमांड ड्राफ्ट/ पे आर्डर तैयार करना होगा तथा उसे रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली के कार्यालय में इस तरह से भेजना होगा ताकि वह ई-नीलामी की समाप्ति के 3 दिनों के भीतर तक पहुंच जाए अन्यथा ईएमडी जब्त कर ली जाएगी।
13. सफल/ उच्चतम बोलीदाता को रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली, खाता आर.सी. नं. 249/2016 के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट/ पे आर्डर द्वारा तथा संपत्ति की नीलामी की तिथि से 15वें दिन, उस दिन को छोड़कर अथवा यदि 15वाँ दिन रविवार या अवकाश होता है तो 15वें दिन के बाद प्रथम कार्यालय दिवस को 100/- तक 2% तथा 1000 से अधिक की सकल राशि पर 1% की दर से पाउंडेज शुल्क जो रजिस्ट्रार, डीआरटी-I के पक्ष में देय हो के साथ रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली के पास शेष 75% बिक्री राशि का भुगतान करना होगा (डाक द्वारा शेष 75% राशि के भुगतान की स्थिति में वह उक्त रूप से रिकवरी अधिकारी के पास पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित अवधि में भुगतान में चूक करने पर बिक्री की नई उद्घोषणा जारी करने के बाद संपत्ति की फिर से बिक्री की जाएगी। बिक्री के खर्चे के डेफ्रे करने के बाद अधोहस्ताक्षरी यदि उपयुक्त समझते हैं तो जमा की गई राशि सरकार के पक्ष में जब्त कर ली जाएगी तथा चूक करने वाले क्रेता को उस राशि अथवा जिसके लिए बाद में उसकी बिक्री की जाएगी, के प्रति दावे करने के सभी अधिकारों से वंचित कर दिया जाएगा।
14. अधोहस्ताक्षरी को बिना कोई कारण बताए किसी या सभी बोलियों को स्वीकार या निरस्त करने, यदि अनुपयुक्त पाई जाती है, या किसी समय नीलामी को स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं तथा इस संदर्भ में उनका निर्णय अंतिम तथा मान्य होगा।

**सम्पत्ति की अनुसूची**

1. सम्पत्ति या उसके किसी भाग पर गणना की गई राजस्वः ज्ञात नहीं
2. ऐसे किसी अन्य अधिभारों का विवरण जो सम्पत्ति पर देय होः ज्ञात नहीं
3. दावे यदि कोई हो जिसे सम्पत्ति पर रखा गया हो तथा उस प्रकृति एवं मूल्य के अन्य कोई ज्ञात विवरणः ज्ञात नहीं
4. बिक्री की जाने वाली सम्पत्ति का विवरणः

1) पट्टी तरफ अफगन, सेक्ट. 24, हुडा ऊझा रोड, पानीपत की राजस्व सम्पदा के भीतर खेवत नं. 150, खतोनी नं. 456, खसरा नं. 22/20 (0-7), खेवत नं. 498, खतोनी नं. 584, खसरा नं. 28/1/1 (0-4) 23/2/1/1 (0-2) खेवत नं. 151, खसरा नं. 22/21/3 (0-8), खेवत नं. 502 खसरा नं. 22/21/2 (3-0) में शामिल भूमि माप 4 के 1 एम
2) पट्टी तरफ अफगन, सेक्ट. 24, हुडा ऊझा रोड, पानीपत की राजस्व सम्पदा के भीतर खेवत नं. 233 (नया) 212/184 (पुराना) खतोनी नं. 224 (नया) 252 (पुराना) रेक्टेंगल नं. 23 किल्ला नं. 19/2/2 (0-19) में शामिल भूमि 0 के 18 एम (543.33 वर्ग यार्ड्स) जो 18/19 शेयर है।
3) खेवत नं. 120/111 खतोनी नं. 144/133 रेक्टेंगल नं. 23 किल्ला नं. 12/2 (5-8) पट्टी अफगान तहसील एवं जिला पानीपत (1634 वर्ग यार्ड्स) में शामिल 5 के 8 एम के 1/2 शेयर में से भूमि माप 2 के 14 एम
4) पट्टी तरफ अफगन तहसील एवं जिला पानीपत (4689 वर्ग यार्ड्स) की राजस्व सम्पदा के भीतर सभी 5 किल्ला में खेवत नं. 534 (नया)/490/439 (पुराना) खतोनी नं. 621/381 (नया) 567 (पुराना) खसरा नं. 23, किल्ला नं. 9/3 (2-0), 10 (8-0), 11/1 (2-18), 12/1 (1-13), खसरा नं. 24 किल्ला नं. 6/2/1 (1-0) में शामिल भूमि माप 7 के 15 एम जो 15 के, 11 एम का 1/2 शेयर।
5) पट्टी तरफ अफगन तहसील एवं जिला पानीपत की राजस्व सम्पदा के भीतर स्थित खेवत नं. 458 (नया) 426/317 (पुराना) खतोनी नं. 543 (नया) 381 (पुराना) मिन खसरा नं. 23/19/3 (2-3), 23/20 मिन (2-13) 23/11/2 (0-2) में शामिल भूमि माप 1 के 12 एम (968 वर्ग यार्ड्स)
6) पट्टी तरफ अफगन तहसील एवं जिला पानीपत की राजस्व सम्पदा के भीतर स्थित खेवत नं. 123 (नया)/105/98 मिन (पुराना), खतोनी नं. 129 (पुराना) खसरा नं. 23, किल्ला नं. 2/2/2 (3-0) में शामिल 0 के-15 एम (ए) 0 के-9 एम (बी) 0 के-6 एम (ए) जो 15/100 अर्थात् 454 (वर्ग यार्ड्स) है।
7) खेवत नं. 5349 (नया)/490/317 (पुराना), खतोनी नं. 621 (नया)/381 (पुराना) खसरा नं. 23, किल्ला नं. 9/3 (2-0), 10 (8-0), 11/1 (2-18), 12/1 (1-13) खसरा नं. 24, किल्ला नं. 6/2 (1-0) पट्टी तरफ अफगान तहसील एवं जिला पानी में शामिल भूमि 1 के 18 एम अर्थात् (1150 वर्ग यार्ड्स) जो भूमि 15 के 12 एम का 38/311 शेयर है।
8) पट्टी तरफ अफगन तहसील एवं जिला पानीपत की राजस्व सम्पदा के भीतर स्थित सभी 5 किल्ता में खेवत नं. 534 (नया)/490/317 (पुराना) खतोनी नं. 621 (नया)/381/567 (पुराना) खसरा नं. 23, किल्ला नं. 9/3 (2-0), 10 (8-0), 11/1 (2-18), 12/1 (1-13), खसरा नं. 24, किल्ला नं. 6/2/1 (1-0) में शामिल भूमि माप 5 के 18 एम (3570 वर्ग यार्ड्स) जो 15 के 11 एम का 118/311 शेयर है।
9) पट्टी तरफ अफगन तहसील एवं जिला पानीपत की राजस्व सम्पदा के भीतर स्थित खेवत नं. 458 (नया) 426/317 (पुराना) खतोनी नं. 543 (नया)/381 (पुराना)/ मिन खसरा नं. 23/19/3 (2-3) 23/20 (2-13) 23/12/2 (0-2) में शामिल भूमि माप 1 के 13 एम (998.25 वर्ग यार्ड्स) जो 4 के 13 एम का 1/3 शेयर है।
10) पट्टी तरफ अफगन तहसील एवं जिला पानीपत की राजस्व सम्पदा के भीतर स्थित खेवत नं. 139 (नया)/120/111 (पुराना) खतौनी नं. 133 (नया)/166 (पुराना) रेक्टेंगल नं. 23, किल्ला नं. 12/2 (5-8) में शामिल भूमि माप 2 के 14 एम (1634 वर्ग यार्ड्स) जो 5 के 8 एम का 1/2 शेयर है।
11) पट्टी तरफ अफगन तहसील एवं जिला पानीपत की राजस्व सम्पदा के भीतर स्थित खेवत नं. 497 (नया)/ 455 (नया)- 335 (पुराना) खतौनी नं. 583 (नया)/ 399 (पुराना), रेक्टेंगल नं. 23/1 मिन. (4-4), साउथ 23/2 मिन साउथ 1 (1-18) एवं खेवट नं. 99 मिन खतौनी नं. 113 खसरा नं. 23/1/2 (3-7) द्वारा बिक्री प्रलेख तिथि 16.11.89 जो वसीका नं. 5442 खेवट 455/405 मिन खतौनी नं. 531, रेक्टेंगल नं. 23 किल्ला नं. 1/1/2 (4-4), किल्ला नं. 2/1/2 (1-18) खेवट नं. 117 मिन खतौनी नं. 155, रेक्ट. नं. 23 किल्ला नं. 1/2 (3-7) में प्रविष्ट है, में शामिल भूमि माप 4 के 14 एम (ए) 3 के 1 एम (बी) 1 के 13 एम अर्थात् 2844 वर्ग यार्ड्स।
12. पट्टी तरफ अफगन तहसील एवं जिला पानीपत की राजस्व सम्पदा में स्थित खेवत नं. 123 (नया)/105/98 (पुराना) खतौनी नं. 129 (पुराना) खसरा नं. 23, किल्ला नं. 2/2/2 (3-0), 3/1/2 (2-0), 3/1/2 (2-0) में शामिल भूमि माप 4 के 5 एम जो 5 के 0 एम अर्थात् 2570 वर्ग यार्ड्स का 85/100 शेयर है।
13. पट्टी तरफ अफगन तहसील एवं जिला पानीपत की राजस्व सम्पदा में स्थित खेवत नं. 233/212/133 (नया)/113/106 (पुराना), खतौनी नं. 276 (नया)/137 (पुराना) मिन, खसरा नं. 23, किल्ला नं. 19/1 (1-6) में शामिल भमि माप 5 सरसई अर्थात् 15 वर्ग यार्ड्स जो भूमि का 18/19 शेयर है।
14. पट्टी तरफ अफगन तहसील एवं जिला पानीपत की राजस्व सम्पदा में स्थित खेवत नं. 497 (नया)/455/335 (पुराना), खतौनी नं. 583 (नया)/399 (पुराना) रेक्टेंगल नं. 23 किल्ला नं. 1/1/2 (4-4), 2/1/2 (1-18) एवं खेवत नं. 99, खतौनी नं. 113 मिन, खसरा नं. 23 किल्ला नं. 1/2 (3-7) में शामिल भूमि माप 3 के 1 एम जो 6 के 2 एम का 1/2 शेयर है।
15. पट्टी तरफ अफगन तहसील एवं जिला पानीपत की राजस्व सम्पदा में स्थित खेवत नं. 456 (नया)/1424/374 (पुराना), खतौनी नं. 54/(नया)/499 (पुराना)/मिन रेक्टेंगल नं. 24 किल्ला नं. 5/2/2 (0-2) में शामिल भमि माप 0 के -2 (60 वर्ग यार्ड्स)
16. पट्टी तरफ अफगन तहसील एवं जिला पानीपत की राजस्व सम्पदा में स्थित खेवत नं. 149 (नया) 129/117 (पुराना) मिन खतौनी नं. 153, रेक्टेंगल नं. 24 में शामिल भूमि माप 2 एम 2 सरसई अर्थात् 80 वर्ग यार्ड्स।
17. पट्टी तरफ अफगन तहसील एवं जिला पानीपत की राजस्व सम्पदा में स्थित खेवत नं. खेवत नं. 130/117 मिन खतौनी नं. 154 रेक्टेंगल नं. 24, किल्ला नं. 5/1 (7-7) में शामिल भूमि माप 0 के 13 एम (393 वर्ग यार्ड्स) जो 7 के 7 एम का 13/147 शेयर है।
18. पट्टी तरफ अफगन तहसील एवं जिला पानीपत की राजस्व सम्पदा में स्थित खेवत नं. 23/19/2, 23/20, 23/11/2 मिन में शामिल भूमि माप 1 के 13 एम (968 वर्ग यार्ड्स)

हस्ता. (शिव कुमार)
रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली

जनसत्ता



# रंजिश में बरजोरी

ब्रिटिश तेल टैंकर को ईरान ने अपने कब्जे में कर लिया है। इस जलपोत के चालक दल में अठारह भारतीय नागरिक भी हैं। ईरान का कहना है कि यह तेल टैंकर अंतरराष्ट्रीय समुद्री नियमों का उल्लंघन करते हुए उसकी सीमा में घुस आया था, अब उसे कानूनी प्रक्रिया से गुजरना होगा। हालांकि ब्रिटिश विदेश मंत्री ईरान के विदेश मंत्री से लगातार बातचीत कर रहे हैं, पर ईरान का रुख अड़ियल ही बना हुआ है। अब फ्रांस और जर्मनी ने कहा है कि ईरान का तेल टैंकर छोड़ दे। इधर भारत को उस पोत के चालक दल में शामिल अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता है। इस तरह ब्रिटिश तेल टैंकर पर ईरान के कब्जे को लेकर अंतरराष्ट्रीय सरगर्मी बढ़ गई है। ब्रिटिश विदेशमंत्री ने कहा है कि ईरान ने बदले की भावना से टैंकर पर कब्जा किया है। इसकी कुछ वजहें साफ हैं। ईरान एक तरफ तो यह कह रहा है कि उस जलपोत ने ईरान की एक मछली पकड़ने वाली नौका को टक्कर मारी, फिर यह भी कह रहा है कि पोत ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया। जबकि तेल टैंकर ईरानी सीमा में घुसने से पहले ही चार जहाजों और एक हेलिकॉप्टर से घेर लिया गया था। यानी उसे जबरन ईरान की सीमा में लाया गया।

ईरान की मंशा इससे भी समझ में आती है कि उसने ब्रिटेन के अलावा लाइबेरिया के एक तेल टैंकर को भी कब्जे में लिया था, मगर लाइबेरिया के पोत को उसी दिन रिहा कर दिया गया। इसलिए सवाल है कि अगर अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन हुआ था, तो दोनों पोतों पर समान रूप से कार्रवाई क्यों नहीं की गई। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से ईरान, अमेरिका और ब्रिटेन के रिश्तों में काफी खटास आ गई है। जबसे अमेरिका ने ईरान पर परमाणु संधि के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए खुद को अलग कर लिया है और अन्य देशों को भी ईरान से संबंध तोड़ने का दबाव बनाया है, तबसे ईरान नाराज है। बीते अप्रैल में तो उसने चेतावनी भरे शब्दों में अमेरिका को जवाब दिया था। ब्रिटेन ने भी ईरान पर दबाव बनाया है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम रद्द करे। अपने यूरेनियम उपयोग में कटौती कर सिर्फ तीन फीसद पर लाए। मगर ईरान की दलील है कि इससे उसकी ऊर्जा संबंधी जरूरतें पूरी नहीं हो पाएंगी। उसने प्रतिबंध के बाद अपने यूरेनियम संवर्धन में और बढ़ोतरी कर दी। इससे अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस सहित अनेक देश खुश नहीं हैं।

ईरान पर दबाव बनाने के मकसद से ही अमेरिका ने भारत सहित कई देशों पर दबाव बनाया कि वे ईरान से कच्चे तेल की खरीद न करें। इन देशों ने तेल खरीद बंद भी कर दी है। इस तरह ईरान को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसी रंजिश के चलते उसने ब्रिटिश तेल टैंकर को कब्जे में लिया। इसमें बदले की भावना की शुरूआत इससे मान सकते हैं कि कुछ दिनों पहले ही अमेरिका ने दावा किया था कि उसने ईरान का एक ड्रोन मार गिराया है। पर ईरान ने यह कह कर उसके दावे को खारिज कर दिया कि उसे अपने किसी ड्रोन के मारे जाने की जानकारी नहीं है। समुद्री सीमा में इस तरह मालवाहक पोतों को कब्जे में करके रंजिश निभाने का तरीका नया नहीं है। मगर जिस तरह ईरान इसे तूल दे रहा है, उससे पोत पर तैनात कर्मियों की सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है।

# भीड़ और कानून

देश में जिस तरह से भीड़ के 'न्याय' की संस्कृति चल पड़ी है और लोगों को पीट-पीट कर मौत के घाट उतारने की बर्बर घटनाएं सामने आ रही हैं, वह चिंताजनक तो है ही, एक लोकतांत्रिक और सभ्य राष्ट्र के लिए शर्मनाक भी है। इस तरह की घटनाओं का ग्राफ जिस तेजी से बढ़ रहा है, उससे साफ है कि देश में कानून-व्यवस्था का कोई मतलब नहीं रह गया है। उन्मादी जंगल राज कायम कर रहे हैं और सरकारें चुपचाप देख रही हैं। इस तरह की घटनाएं कानून-व्यवस्था बनाए रखने का दावा करने वाली सरकारों के लिए किसी कलंक से कम नहीं हैं। तीन दिन पहले बिहार के छपरा और वैशाली जिले में भीड़ ने जिस तरह से चार लोगों को पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया, उससे साफ है कि पुलिस और प्रशासन ऐसी घटनाओं को रोक पाने में एकदम नाकाम साबित हुआ है। छपरा जिले के एक गांव में जिन तीन लोगों को गांव वालों ने मार डाला, उन पर मवेशी चोरी का आरोप था, जबकि वैशाली में जो युवक मारा गया उसके बारे में कहा गया है कि वह बैंक लूटने आया था। पिछले हफ्ते ही राजस्थान के अलवर जिले में मामूली-सी घटना के बाद एक मोटर साइकिल सवार को भीड़ ने मार डाला था।

सवाल है कि क्या भीड़ कानून को अपने हाथ में इसलिए ले रही है कि उसे कानून के शासन में, पुलिस तंत्र में, न्याय प्रणाली में कोई भरोसा नहीं रह गया है? क्या ऐसा करने वालों में कानून का कोई खौफ नहीं रह गया है? अगर ऐसा है तो यह वाकई कानून के शासन के लिए बड़ी और खुली चुनौती है। भीड़ के हाथों अब तक जितनी भी हत्याएं हुई हैं, उनमें ज्यादातर मामले बच्चा चोरी, पशु चोरी जैसी घटनाओं से जुड़े हैं। पिछले तीन साल में सबसे ज्यादा सक्रिय गोरक्षक हुए और गोरक्षा के नाम पर कई 'गोतस्कर' मौत के घाट उतार दिए गए। गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड जैसे राज्यों में ये घटनाएं ज्यादा दर्ज हुई हैं। आंकड़े बता रहे हैं कि सन 2010 से अब तक गोहत्या के शक में भीड़ के हमले की सत्तासी घटनाएं हुईं, जिनमें चौंतीस लोग मारे गए। गंभीर बात यह है कि इनमें ज्यादातर घटनाएं 2014 के बाद की हैं। लेकिन किसी भी मामले में अब तक कोई ऐसी सख्त कार्रवाई होती नहीं दिखी जिससे कानून हाथ में लेने वालों को कड़ा संदेश जाता। जाहिर है, सरकारों के इस लचर रवैए से तो ऐसा करने वालों का दुस्साहस और बढ़ेगा ही!

भीड़ हिंसा की बढ़ती घटनाओं पर संज्ञान लेते हुए पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि हर जिले में पुलिस अधीक्षक स्तर के एक अधिकारी की नियुक्ति की जाए, खुफिया सूचनाएं जुटाने के लिए विशेष कार्य बल बनाए जाएं जो सोशल मीडिया में चल रही गतिविधियों पर पैनी भी नजर रखें। सर्वोच्च अदालत ने 'भीड़ तंत्र' से निपटने के लिए सरकार को कानून बनाने को भी कहा था। लेकिन हुआ क्या? सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद केंद्रीय गृह मंत्री ने दो उच्चस्तरीय कमेटियां बनाईं थीं, इन कमेटियों ने भारतीय दंड संहिता और आपराधिक दंड प्रक्रिया संहिता में संशोधन कर कानून को सख्त बनाने के सुझाव दिए। लेकिन हाल में केंद्र सरकार ने भीड़ हिंसा से निपटने के लिए कोई भी कानून बनाने से यह कहते हुए इनकार कर दिया है कि राज्यों के पास पर्याप्त कानून हैं, वे सख्ती से उन्हें लागू करें। लेकिन सवाल यह है कि केंद्र अपनी जिम्मेदारी से बच कैसे सकता है? यह तो गेंद राज्यों के पाले में डालने जैसा है। ऐसे भीड़ तंत्र की संस्कृति खत्म नहीं होने वाली।

## कल्पमेधा

जो दूसरों को जानता है, वह विद्वान है और जो खुद को जानता है, वह ज्ञानी है।
-लाओत्से

# कारोबारी रिश्ते और अड़चनें

जयंतीलाल भंडारी

**भले पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ने आयात शुल्क बढ़ाने और डेटा संरक्षण पर भारत के कड़े रुख से नाराजगी जताई हो, फिर भी भारत को अमेरिका के साथ कारोबार की विभिन्न संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए वाणिज्यिक और कूटनीतिक वार्ता के कदम बढ़ाने होंगे। अमेरिका भारत के लिए सबसे बड़ा निर्यात बाजार वाला देश है।**

पिछली दिनों भारत और अमेरिका के व्यापार वार्ताकारों के बीच नई दिल्ली में दो दिन की बैठक बिना किसी के नतीजे के खत्म हो गई। अब सबकी निगाहें भारत के वाणिज्य व उद्योग मंत्री की इसी महीने होने वाली प्रस्तावित अमेरिका यात्रा पर टिक गई हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि उनकी यह यात्रा भारत-अमेरिका के बीच कारोबार के मतभेदों को दूर करने की डगर पर आगे बढ़ेगी। यह उम्मीद इसलिए बनी हुई है क्योंकि पिछले महीने जापान के ओसाका में जी-20 सम्मेलन के इतर भारत के प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच कारोबार के मुद्दे पर सकारात्मक वार्ता हुई थी। इसी में दोनों देशों के बीच आयात शुल्क का मुद्दा भी उठा था। इस वार्ता के बाद ही यह संकेत उभरे कि कारोबार संबंधी विवाद दूर करने के लिए भारत और अमेरिका मिल कर समाधान निकालेंगे।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि नई दिल्ली में हुई भारत-अमेरिकी व्यापार वार्ता बेनतीजा रहने के पीछे अमेरिका का यह अड़ियल रुख रहा कि पहले भारत अमेरिकी सामान पर शुल्क कम करे, उसके बाद ही बाकी मसलों पर बातचीत होगी। जबकि भारत का कहना था कि उसने शुल्कों में बढ़ोतरी अमेरिका द्वारा भारत को सामान्य तरजीही व्यवस्था (जनरलाइज सिस्टम ऑफ प्रेफरेंस-जीएसपी) की सूची से निकाले जाने के जवाब में की है। अतएव ऐसे में अमेरिकी कदम वापस लिए जाने से पहले भारत से शुल्क कम करने को कहना उचित नहीं है। उल्लेखनीय है कि 27 जून को अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने वर्षों से अमेरिका के खिलाफ भारी आयात शुल्क लगा रखा है और पिछले दिनों इसे और बढ़ा दिया है। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत सीमा के आर-पार डेटा के प्रवाह को रोक रहा है और उसने ई-कॉमर्स पर जो सख्त नियम बनाए हैं उससे भारत में अमेरिकी कंपनियों का कामकाज प्रभावित हो रहा है। इसी तरह 26 जून को भारत आए अमेरिका के विदेश मंत्री ने कहा था कि आयात शुल्क के मामले पर भारत और अमेरिका के बीच जो मतभेद हैं, उन्हें दूर करना जरूरी है।

गौरतलब है कि भारत ने अमेरिका से आयात होने वाले बादाम, अखरोट और दालों सहित उनतीस महत्त्वपूर्ण कृषि एवं औद्योगिक जिंसों पर पचास फीसद तक शुल्क लगाने की एक वर्ष पूर्व जो घोषणा की थी, उसे आठ बार आगे टालने के बाद इस साल 16 जून से प्रभावी किया गया है। इससे पहले अमेरिका ने भारत से इस्पात एवं एल्युमीनियम आयात पर क्रमशः पच्चीस और दस फीसद शुल्क लगा दिया था। भारत ने अमेरिका से शुल्कों में रियायत देने का आग्रह किया था, लेकिन अमेरिका ने ऐसी रियायत भारत को नहीं दी। जबकि मैक्सिको और कनाडा को ये रियायतें दी गई हैं। अमेरिका से आयात होने वाले उत्पादों पर शुल्क लगाने से जितनी कमाई होगी, उससे भारत से अमेरिका को इस्पात एवं एल्युमीनियम के निर्यात पर शुल्क से होने वाले नुकसान की भरपाई हो जाएगी।

अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ाए जाने के बाद भी भारत ने पिछले एक वर्ष के दौरान काफी धैर्य दिखाया और उसे कोई रास्ता निकलने की उम्मीद थी। लेकिन इस बीच पिछले महीने अमेरिका ने भारत को जीएसपी के तहत दी जा रही आयात शुल्क रियायतें खत्म कर दीं। गौरतलब है कि जीएसपी व्यवस्था के तहत अमेरिका विकासशील लाभार्थी देश के उत्पादों को अमेरिका में बिना आयात शुल्क प्रवेश की अनुमति देकर उनके आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है। इसी परिप्रेक्ष्य में भारत को वर्ष 1976 से जीएसपी व्यवस्था के तहत करीब दो हजार उत्पादों को शुल्क मुक्त रूप से अमेरिका में बेचने की अनुमति मिली हुई थी। अमेरिका से मिली व्यापार छूट के तहत भारत से किए जाने वाले करीब 5.6 अरब डॉलर यानी चालीस हजार करोड़ रुपए के निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगता था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार कहा है कि भारत के साथ आयात शुल्क रियायतों पर व्यापार घाटे वाला है। इसी परिप्रेक्ष्य में पिछले मई महीने अमेरिका के वाणिज्य मंत्री अमेरिका की सौ कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ भारत आए थे और

उन्होंने प्रधानमंत्री और वाणिज्य व उद्योग मंत्री सहित व्यापार संगठनों से उच्चस्तरीय बातचीत करके भारत द्वारा अमेरिकी उत्पादों पर लगाए जा रहे अधिक आयात शुल्क पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई थी। आयात शुल्क बाधाओं के कारण ही भारत अभी अमेरिका का तेरहवां बड़ा निर्यात बाजार है। जबकि भारत का सबसे ज्यादा निर्यात अमेरिका को होता है। अभी दोनों देशों के बीच करीब सवा सौ अरब डॉलर से ज्यादा का द्विपक्षीय व्यापार होता है जिसमें भारत का निर्यात सतहत्तर अरब डॉलर से ज्यादा का है और आयात करीब उनचास अरब डॉलर का। इस लिहाज से अमेरिका के हिस्से सालाना साढ़े अट्ठाईस अरब डॉलर का व्यापार घाटा है। लेकिन यह सिर्फ वस्तुओं के व्यापार का हिसाब है।

अमेरिका की निगाहें केवल रोजगार के लाभों पर टिकी हैं। वस्तुतः वस्तुओं के उत्पादन और व्यापार के बजाय वित्तीय कारोबार को तरजीह देने की नीति अमेरिकी शासकों ने लंबे समय से अपना रखी है, जिसके कारण अमेरिका का व्यापार घाटा बढ़ता गया है। स्थिति यह है कि 2018 में अमेरिका का कुल व्यापार घाटा छह सौ इक्कीस अरब डॉलर रहा जिसमें से भारत के साथ उसका व्यापार घाटा नगण्य है। ऐसे में अमेरिका भारत सहित उन विभिन्न देशों में अमेरिकी सामान के निर्यात में आ रही नियामकीय रुकावटों को दूर करना चाहता है ताकि अमेरिका के व्यापार घाटे में कमी आ सके।

निसंदेह भारत का जीएसपी दर्जा खत्म किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत का कहना है कि उसके राष्ट्रीय हित व्यापार के मामले में सर्वोच्चता रखते हैं। यदि भारत अमेरिका के सभी उत्पादों को आयात संबंधी मापदंडों की अवहेलना करते हुए आसानी से भारत में आने देगा तो उससे भारत के घरेलू उद्योग कारोबार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, साथ ही भारत के सांस्कृतिक मूल्यों को भी ठेस पहुंचेगी। निसंदेह अमेरिका से जीएसपी के तहत आयात शुल्क छूट खत्म होने के बाद भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर असर तो पड़ेगा। अमेरिका के इस कदम से भारत की कपड़ा, सिलेसिलाए कपड़े, रेशमी कपड़े, ज्वैलरी, प्रसंस्कृत खाद्य, फुटवियर, प्लास्टिक के उत्पाद, रसायन, इंजीनियरिंग उत्पाद, साइकिल के पुर्जे बनाने वाली औद्योगिक इकाइयों की मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। इन उद्योगों की मुश्किलें बढ़ने से इनमें काम करने वाले हजारों लोगों के सामने रोजगार का संकट भी खड़ा हो रहा है। निर्यातकों के संगठन- फियो ने कहा है कि जीएसपी के तहत लाभों के समाप्त होने के कारण ऐसी सुविधा प्राप्त भारतीय निर्यातकों को सरकार की वित्तीय मदद की जरूरत होगी, तभी वे अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धी बन पाएंगे।

भले पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ने आयात शुल्क बढ़ाने और डेटा संरक्षण पर भारत के कड़े रुख से नाराजगी जताई हो, फिर भी भारत को अमेरिका के साथ कारोबार की विभिन्न संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए वाणिज्यिक और कूटनीतिक वार्ता के कदम बढ़ाने होंगे। अमेरिका भारत के लिए सबसे बड़ा निर्यात बाजार वाला देश है। दोनों देशों को ऐसी नई रणनीति पर बढ़ना होगा जिससे कारोबार जगत में नई इबारत लिखी जा सके।

# अकेलेपन की पगडंडी

विकेश कुमार बडोला

हरेक व्यक्ति अपने सामान्य जीवन के अलावा भी एक दैनिक परिकल्पित जीवन से जुड़ा रहता है। ऐसा जीवन अकेला होता है। एक प्रकार से यह व्यक्तिगत व्यथाओं का संसार है। व्यक्ति के मन में उमड़ती-घुमड़ती ये व्यथाएं दैनिक जीवन की उन समस्याओं की भावनात्मक टूटन हैं, जिनसे मुक्ति के लिए न व्यक्ति का प्रयास सफल होता है और न ही उसे किसी की सहायता मिलती है। घनिष्ठ मित्र अगर ऐसी समस्याओं से परिचित होते भी हैं, तो कई बार उनका भी अपना व्यक्तिगत पक्ष सुखद नहीं होता। उनके सामने भी अपनी और दूसरे मित्रों की समस्याओं में से सबसे बड़ी समस्या चुन कर उसके लिए जी-तोड़ शारीरिक-मानसिक और आर्थिक-सामाजिक संघर्ष करने की विवशता होती है। इसी कारण से व्यक्ति-व्यक्ति से मिल कर बने जनसमूह में परस्पर सहायता, सहभाव, सद्भाव और समभाव की भावना जम नहीं पाती। सच यह है कि अपनी-अपनी मुसीबतों के भ्रमजाल में फंस कर सभी रोबोट बने हुए हैं। अपने अधिकारी के आदेश पर मशीन की तरह चलने के लिए विवश हैं।

दरअसल, अकेला जीवन अनुभूतियों से भरा होता है। अनुभूतियां मानव से बहुत कुछ करा लेती हैं। कविता, कहानी, उपन्यास या संस्मरण लिखवाती हैं। संगीत से जुड़ने के लिए उत्प्रेरित करती हैं। अकेले जीवन के अंतर्मन से बार-बार गूंजने वाला एक संगीत गुंथा रहता है। संगीत की यह धुन अनचाहे ही अकेले जीवन में लहराने लगती है। अकेला जीवन किसी से इस धुन के बारे में वह सब कुछ नहीं बता पता, वैसा कुछ परिभाषित नहीं कर सकता, जो अनुभव के स्तर पर वह प्राप्त करता है। कहीं कोई भी इच्छित संगीतमय आवाज गूंजती है तो बहुत सुहाने तरीके से, अंतर्मन से गुंथा हुआ संगीत ही याद आता है, उसका प्रसन्न आभास होता है। जीवन की यह घड़ी शांतिदायक होती है।

**दुनिया मेरे आगे**

सतही तौर पर देखने से अलग कुछ गहरे समझा जाए तो व्यक्ति की एक नितांत व्यक्तिगत रुचि होती है। वह आने वाले कल को इसी रुचि के अनुरूप देखना चाहता है। व्यक्ति में एक व्यक्तिगत विश्वास होता है। इसमें पूरी दुनिया सिमटी रहती है। वह खुद और उसका परिवार, संबंधी और मित्र- सभी उसके लिए जीवन का बड़ा सहारा होते हैं। आधे से अधिक जीवन किसी की सहायता के बिना गुजार चुका व्यक्ति भी रिश्तों के सहारे की आस से हमेशा बंधा रहता है। अपने अकेले जीवन में उसकी यह आकांक्षा सदैव बनी रहती है। गुजरते जीवन में अधिकतर लोगों को धूर्त बता चुकी अकेले जीवन की नजरें फिर भी हमेशा आशावान रहती हैं कि कभी न कभी उसे कोई तो समदृष्ट मिलेगा।

व्यक्ति दिखने में तो धरती-आकाश के नजरिए से बहुत छोटा है, पर उसके मन की भावनाओं का विस्तार दुनिया के विस्तार से भी ज्यादा होता है। व्यक्ति यदि दूसरे व्यक्ति को साधारण दृष्टि से देखता है तो दूसरे व्यक्ति का व्यक्तित्व नगण्य हो जाता है, लेकिन दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव आते ही दूसरा व्यक्ति विशिष्ट बन जाता है। दूसरे के जीवन को उसी नजरिए से देखने की अंतर्दृष्टि मिल जाती है, जैसे दूसरा व्यक्ति खुद अपने जीवन को देखता है। यह दृष्टिकोण मानवीय समाज में तेजी से बढ़ना चाहिए। इसी से मानव आपस में चमत्कार की हद तक प्यार करने लगेंगे।

अपनी नजर में एक परिपक्व आदमी बहुत मूल्यवान होता है। यही नजर अगर उसे देखने वाले अन्य व्यक्तियों में भी आ जाए तो मानवीय जीवन आनंद से भर जाए। व्यक्ति शारीरिक रूप से सीमित है, पर भावनाओं के स्तर पर वह बहुत बड़ा है। किसी एक भी दिन एक अकेला आदमी दुनिया में नहीं रहता। यह बात बहुत छोटी है, पर आदमी के नहीं रहने पर बहुत कुछ ढह जाता है। उसकी कल्पनाएं, इच्छाएं, आकांक्षाएं सब मर जाती हैं। संसार को देखने की उसकी सौंदर्यपरक दृष्टि का दुखांत हो जाता है। अपनी नजर में संसार को गले लगा कर जीने वाला व्यक्ति जब अचानक मृत्यु में स्थिर होता है तो उसके बाद का जीवित मानवीय जीवन-समूह उसे भूल अपने काम-धंधों में लग जाता है। जीवन में मौजूद लोगों को मरे हुए की जीवन-स्मृतियों में विचरण का मौका भी बड़ी काफी मेहनत और लगन से मिल पाता है।

शेष बचे हुए मानवीय जीवन की व्यस्तता की स्थिति ऐसी है कि उसके एक परिवार का पिता अपने बच्चे को प्राइवेट स्कूल के गेट तक छोड़ने जाता है। स्कूल की विसंगतियों,नासमझी के डर से पिता अपने बच्चे की सुरक्षा की मांग करता है। सच यह है कि अधिकार की वेदना से मन अंदर तक हिल जाता है। अन्य समस्याओं की मानसिक उलझन उसे अपने बच्चे के साथ भावनात्मक रूप से निरंतर नहीं जोड़े रखती। वह समस्याओं से घिर जाने के बाद अपने बच्चे के लिए मोहित अपने मन को अलविदा कहता है। इस तरह से फिर से एक अकेला जीवन अकेलेपन की कैद में चला जाता है।

## भ्रष्टाचार की जड़ें

किसी भी समाज में भ्रष्टाचार उस दीमक की तरह है जो भीतर ही भीतर खमोशी से उसकी जड़ों को खोखला कर देती है और अगर जड़ ही खोखली हो जाए तो समाज किसके सहारे खड़ा होगा। आज हमारे देश में भी ये दीमक लग चुकी है, देश की जड़ें खोखली हो चुकी हैं। पुलिस, प्रशासन, राजनीति सब जगह भ्रष्टाचारकी गहरे तक पैठा है। सरकारी विभागों में मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने तक के लिए घूस देनी पड़ती है तो सार्वजनिक हित के लिए बनने वाली योजनाओं पर नेताओं और अधिकारियों की नजरें गढ़ी होती हैं। कभी हजारों-लाखों के घोटाले अब करोड़ों और अरबों में तब्दील हो गए हैं। बोफर्स से शुरु हुई कहानी टू-जी स्पैक्ट्रम और राफेल सौदे तक पहुंच चुकी है। जनता की गाढ़ी कमाई का जो पैसा देश के विकास पर खर्च होना चाहिए, वह नेताओं और अधिकारियों के लॉकरों में पहुंच जाता है। दरअसल, भ्रष्टाचार को लेकर आज नजरिया बदल चुका है। हमने भ्रष्टाचार को अपने समाज और तंत्र का हिस्सा मान लिया है। बहुत से मामलों में गड़बड़ियों को हम यह कह कर टाल देते हैं कि इतना तो चलता ही है। हम अपनी सहूलियत के हिसाब से भ्रष्टाचार के मानक तय कर लेते हैं, अपने आराम के लिए इसे बढ़ावा भी देते हैं। बात जब बड़े स्तर की होती है तो बड़ी योजनाओं में शामिल लोग अपने स्तर पर यही करते हैं।

हाल ही में विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में सालाना साढ़े छह हजार करोड़ रुपए रिश्वत का लेन-देन होता है। ये आंकड़े 2005 से कम हैं। तब सालाना 20,500 करोड़ रुपए की घूस का लेन-देन होता था। रिपोर्ट के मुताबिक मध्य भारत के राज्यों के मुकाबले दक्षिणी राज्यों में भ्रष्टाचार ज्यादा है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की ओर से जारी किए गए 'करप्शन परसेप्शंस इंडेक्स' में भारत की स्थिति और खराब हुई है। पिछले साल के मुकाबले भारत तीन पायदान और नीचे आ गया है। दुनिया के भ्रष्ट मुल्कों में भारत 79वें नंबर पर है। ऐसे में भारत कैसे खुशहाल देश और दुनिया की आर्थिक शक्ति बन पाएगा?

● *सूर्यभानु बांधे, रायपुर (छत्तीसगढ़)*

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

## हादसों का शहर

करीब पैंतीस साल पहले एक फिल्म आई थी 'हादसा'। इस फिल्म में एक गाना था- 'ये मुंबई शहर हादसों का शहर है...'। अब यह बात बिल्कुल सच हो चुकी है। मुंबई में जिस तरह से इमारतें ढह जाने के हादसे सामने आ रहे हैं उनसे यह सच साबित होने लगा है। पिछले महीने बारिश के दौरान एक उपनगर में दीवार ढह जाने से उनतीस लोग मारे गए थे। अब डोंगरी इलाके में सौ साल पुरानी इमारत ढह गई, जिसमें तेरह लोग मारे गए। देखा जाए तो मुंबई में पिछले चार दशकों में इस तरह के हादसों में नौ सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। ऐसी हर घटना के बाद जांच बिठा दी जाती है और दोषी को सख्त सजा देने की बात होती है। लेकिन सवाल है कि सजा होती किसको है? गुनहगार तो मजे से खुलेआम घूम रहे हैं। मुंबई और कोलकाता में पुरानी इमारतों की संख्या सबसे ज्यादा है। इन इमारतों की समय पर मरम्मत का न होना तो इसके लिए जिम्मेवार है ही, लेकिन हमारा सौ साल पुराना किरायेदार अधिनियम भी कम दोषी नहीं है। इसी कानून का फायदा उठा कर आज भी कई लोग महज दो रुपए से लेकर पचास रुपए तक के किराए में रह रहे हैं। क्या इस पैसे से मकान मालिक मरम्मत का काम करा सकता है? जवाब है- हरगिज नहीं। ऐसे में तो फिर इंतजार कीजिए एक और इमारत गिरने का। सवाल है कब चेतेगी सरकार?

● *जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर*

## विश्व कप और सवाल

इस बार का क्रिकेट विश्व कप हमेशा यादगार बना रहेगा। इसलिए नहीं कि इंग्लैंड ने चवालीस साल में पहली बार विश्व कप जीता, बल्कि इसलिए कि न्यूजीलैंड के साथ सरासर अन्याय हुआ जो इस कप का असली हकदार था। पचास ओवरों में दोनो टीमों ने दो सौ इकतालीस रन बनाए और बराबरी (टाई) हुई तो नतीजे के लिए एक सुपर ओवर खेला गया। उसमें भी बराबरी हुई तो चौकों-छक्कों की संख्या को आधार बना कर इंग्लैंड को विजेता घोषित कर दिया गया। इसे लेकर क्रिकेट जगत में खासी आलोचना हुई। यह पूरी तरह से नाइंसाफी है। सवाल है कि दोनो टीमों को संयुक्त रूप से विजेता क्यों नहीं ठहराया गया? दरअसल अंपायरों की बड़ी गलती की वजह से इंग्लैंड को पहले ही एक रन ज्यादा दे दिया गया था, वरना आज नजारा कुछ और होता। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) को अपने इस नियम में शीघ्र ही सुधार लाना चाहिए, ताकि भविष्य में किसी और टीम के साथ इस तरह का अन्याय न हो।

● *अनिल रामचंद्र तोरणे, तलेगांव दाभाडे (पुणे)*

## दोहरा रवैया

जब राम-रहीम के आश्रम में गैर-कानूनी गतिविधियां पकड़ में आई थीं तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने वहां का चप्पा-चप्पा छान मारा था। उसके आश्रम की गुफाएं, उनके भीतर क्या-क्या था, वहां क्या-क्या होता होगा- इन सब बातों पर विस्तार से कई दिन तक खबरें दिखाई गई थीं। इसी तरह तथाकथित संत रामपाल के आश्रम के बारे में भी लोगों को चैनलों की खबरों से ही चौंकाने वाली जानकारियां मिलीं थीं। संत आसाराम के बारे में तो कहना ही क्या? लेकिन कुछ दिनों पहले बिजनौर की एक मस्जिद में पुलिस को हथियारों का जखीरा मिला। तब वहां के चप्पे-चप्पे की जानकारी जुटाने की कोई कोशिश किसी मीडिया संस्थान ने नहीं की। सवाल है कि ऐसा दोहरापन किसलिए? ये किस तरह की आजादी का लाभ हमारा मीडिया उठा रहा है?

● *पूनम मित्तल, मेरठ*

## खबर कोना

### अजय भादू होंगे राष्ट्रपति के संयुक्त सचिव

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

अजय भादू को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का नया संयुक्त सचिव बनाया गया है। भादू 1999 बैच के गुजरात कैडर के आईएएस अफसर हैं। आनंदी बेन पटेल जब गुजरात की मुख्यमंत्री थीं तो भादू उनके सचिव थे। नरेंद्र मोदी के गुजरात में मुख्यमंत्री काल के दौरान भादू उनके गृह जिले मेहसाणा के कलेक्टर भी रहे थे। उनकी नियुक्ति प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने की है। हरियाणा कैडर के वरिष्ठ आईएएस अफसर संजय कोठारी राष्ट्रपति के सचिव हैं।

### खुशी के पल

भोपाल में रविवार को सामूहिक विवाह समारोह के दौरान दुल्हन के लिबास में मुसलिम युवतियां।

### डी राजा भाकपा के नए महासचिव नियुक्त

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

राज्यसभा सदस्य डी राजा रविवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव नियुक्त किए गए। एस सुधाकर रेड्डी की जगह लेने वाले पार्टी के वरिष्ठ नेता ने कहा कि 'पश्चगामी' ताकतों के खिलाफ पार्टी की लड़ाई जारी रहेगी। राजा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश केंद्र सरकार के फासीवादी शासन में संकटपूर्ण दौर से गुजर रहा है।

### श्रद्धालुओं का जत्था जम्मू से अमरनाथ रवाना

जम्मू, 21 जुलाई (भाषा)।

अमरनाथ तीर्थयात्रियों का नया जत्था रविवार को यहां भगवती नगर आधार शिविर से दक्षिण कश्मीर स्थित पवित्र गुफा के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस जत्थे में 1137 महिलाओं और 260 साधु समेत 4,158 श्रद्धालु शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि एक जुलाई से शुरू हुई इस यात्रा में अब तक 2,59,889 तीर्थयात्री बर्फानी बाबा के दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि 156 वाहनों में श्रद्धालुओं का यह जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रविवार तड़के रवाना हुआ। उनमें 19 बच्चे भी शामिल हैं। ये श्रद्धालु यहां से अनंतनाग के पहलगाम और गंदेरबल के बालटाल आधार शिविर पहुंचेंगे। यह यात्रा परंपरागत पहलगाम और बालटाल से बिना किसी रुकावट के सुचारू रूप से जारी है।

# जलशोधन इंतजामों के अभाव में नदियों में घुल रहा जहर

नई दिल्ली, 21 जुलाई (भाषा)।

जलशोधन के पर्याप्त इंतजामों के अभाव में देश में न केवल नदियों, तालाबों और जलाशयों का पानी जहर बनता जा रहा है बल्कि खेती में रासायानिक खादों के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण भूजल भी दूषित हो रहा है। भूजल दूषित होने के मामले में मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और ओड़ीशा में चिंताजनक स्थिति है।

नदियों में दूषित जल के प्रवाह और आर्सेनिक व केडमियम जैसी भारी धातुओं के मिलने से भूजल के दूषित होने के बारे में पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा संसद के चालू सत्र में पेश आंकड़ों से यह बात उजागर हुई है। मंत्रालय ने रिपोर्ट में बताया कि केंद्रीय भूजल बोर्ड ने विभिन्न राज्यों में फ्लोराइड, आर्सेनिक, नाइट्रेट और आयरन सहित अन्य भारी धातुओं की भूजल में निर्धारित मानकों से अधिक मात्रा पाए जाने की पुष्टि की है। बोर्ड ने रिपोर्ट में कहा कि भूजल में निर्धारित मानक से अधिक मात्रा में नाइट्रेट के मिले होने की वजह अत्यधिक रासायनिक खाद का इस्तेमाल हो सकता है।

मंत्रालय ने बताया कि सीवर के जलशोधन की जरूरत के लिहाज से महज 37 फीसद क्षमता के कारण नदियों का पानी दूषित हो रहा है। मंत्रालय ने इस स्थिति में सुधार के लिए राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना के तहत सीवर के कारण दूषित जल की समस्या से सर्वाधिक प्रभावित 16 राज्यों की 34

- राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और ओड़ीशा में चिंताजनक स्थिति
- भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक, नाइट्रेट और आयरन सहित अन्य भारी धातुओं की अधिक मात्रा
- सीवर के जलशोधन की जरूरत के लिहाज से 37 फीसद क्षमता के कारण नदियों का पानी दूषित

नदियों को जलशोधन के द्वारा 2522 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) सीवर की मिलावट से निजात दिलाई है। हालांकि सरकार ने स्वीकार किया कि शहरी क्षेत्रों में प्रतिदिन 61,948 एमएलडी सीवर का अनुमानित निष्पादन है और इसमें से 23,277 एमएलडी का ही देश भर में मौजूद 816 जलशोधन संयत्रों (एसटीपी) से शोधन हो पाता है।

सीवर के जलशोधन संबंधी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के राज्यवार आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु, सीवर जल की कम शोधन की समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

महाराष्ट्र में प्रतिदिन निकलने वाले 8143 एमएलडी सीवर में 76 एसटीपी की मदद से 5160.36 एमएलडी का शोधन हो पाता है। उत्तर प्रदेश में प्रतिदिन 7124 एमएलडी सीवर में से 73 एसटीपी से 2646.84 एमएलडी और तमिलनाडु में प्रतिदिन 5599 एमएलडी सीवर में से 73 एसटीपी से 1799.72 एमएलडी का शोधन होता है। सीवर के शोधन की क्षमता के मामले में पंजाब अव्वल है। राज्य में 86 एसटीपी की मदद से प्रतिदिन 1664 एमएलडी सीवर में से 1245 एमएलडी (लगभग 75 प्रतिशत) का शोधन होता है। भूजल दूषित होने के मामले में मध्य प्रदेश, राजस्थान उत्तर प्रदेश और ओड़ीशा में चिंताजनक स्थिति है। केंद्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर मंत्रालय द्वारा संसद में पेश आंकड़ों के मुताबिक मध्य प्रदेश के 43 जिले फ्लोराइड, 51 जिले नाइट्रेट, और 41 जिले लौह तत्त्व (आयरन) की भूजल में अधिकता से प्रभावित हैं। इसके अलावा राजस्थान के 33 जिलों का भूजल फ्लोराइड, नाइट्रेट और आयरन की अधिकता के कारण स्वास्थ्य मानकों के मुताबिक दूषित है। उत्तर प्रदेश में इन तत्त्वों की अधिकता के कारण भूजल के दूषित होने से प्रभावित जिलों की संख्या 28 से 59 और ओड़ीशा में 26 से 30 हो गई है। राष्ट्रीय स्तर पर देखा जाए तो देश के 423 जिले भूजल में नाइट्रेट की अधिकता से प्रभावित हैं, जबकि 370 जिले फ्लोराइड और 341 जिले आयरन की अधिकता से प्रभावित हैं।

**अभिवादन** कोलकाता में रविवार को तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस रैली में पहुंचीं पार्टी की सांसद नुसरत जहां और मिमी चक्रवर्ती।

## संघर्ष वाले क्षेत्रों में सीआरपीएफ महिलाकर्मियों के लिए लगेगा सैनेटरी नैपकिन डिस्पेंसर

नई दिल्ली, 21 जुलाई (भाषा)।

महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता प्रदर्शित करने वाली अपने तरह की पहली बजटीय व्यवस्था के तहत सरकार ने संघर्ष वाले क्षेत्रों में कार्यरत केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की महिलाकर्मियों के वास्ते 500 से अधिक सैनेटरी पैड डिस्पेंसर (वितरक मशीनें) और इनसिनेरटर (अपशिष्ट निस्तारण मशीन) लगाने के वास्ते विशेष निधि को मंजूरी प्रदान की है। इन पैडों के वितरण के लिए कुल 288 वितरक मशीनों और इस्तेमाल के बाद उन्हें वैज्ञानिक ढंग से नष्ट करने के वाली उतनी ही इनसनेटर मशीनों की खरीद के लिए पैसा दिया गया है। बल को उसकी सभी छह महिला बटालियनों, त्वरित कार्यबल की 15 विशेष दंगारोधी इकाइयों के लिए और प्रशिक्षण संस्थानों में कपड़े सुखाने के लिए स्टील के 783 फ्रेम स्टैंड खरीदने के लिए भी अधिकृत किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इन कामों के लिए 2,10,69,000 रुपए मंजूर किए हैं।

गृह मंत्रालय के आदेश के अनुसार इन वितरक मशीनों पर प्रति मशीन 25000 रुपए, अपशिष्ट निस्तारण मशीनों के लिए 40,000 रुपए प्रति मशीन और कपड़े सुखाने वाले स्टैंड के लिए प्रति स्टैंड 3000 रुपए का खर्च आएगा। यह खर्चा मंजूर बजटीय अनुदान से पूरा किया जाएगा। सीआरपीएफ के प्रवक्ता उपमहानिरीक्षक मौसेस दिनाकर ने कहा, 'इस मंजूरी से सीआरपीएफ को संघर्ष वाले क्षेत्रों में कार्यरत 8000 से अधिक महिलाकर्मियों के लिए बेहतर जीवनस्तर सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।' उन्होंने कहा कि महिलाकर्मी देशभर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, नक्सलविरोधी अभियानों और अन्य कार्यों, जो पुरुषकर्मी करते हैं, के लिए तैनात की गई है।

उत्तर प्रदेश में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और सशस्त्र सीमा बल में महानिरीक्षक रह चुकीं रेणुका मिश्रा ने कुछ सालों पहले एक अध्ययन में महिला कर्मियों के लिए कार्यस्थल पर पेश आने वाली चुनौतियों का उल्लेख किया था।

## अल्पसंख्यक की राज्य आधारित परिभाषा की मांग के खिलाफ रिपोर्ट दे सकता है आयोग

नई दिल्ली, 21 जुलाई (भाषा)।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग राज्य स्तरीय आबादी के आधार पर अल्पसंख्यक की परिभाषा तय करने की मांग से जुड़ी रिपोर्ट तैयार कर चुका है और इसमें वह इस मांग के विरुद्ध अनुशंसा कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक आयोग अपनी तीन सदस्यीय उपसमिति द्वारा तैयार रिपोर्ट अगले कुछ दिनों के भीतर याचिकाकर्ता और भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय को सौंपने की तैयारी में है। उपाध्याय ने शीर्ष अदालत में दायर याचिका में कहा कि अल्पसंख्यक शब्द को नए सिरे से परिभाषित करने और राष्ट्रीय स्तर पर समुदाय की आबादी के आंकड़ें की जगह, राज्य में एक समुदाय की आबादी के आधार पर फिर से विचार करने की जरूरत है।

अल्पसंख्यक आयोग के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने हमसे कहा है कि हम याचिकाकर्ता को अपनी रिपोर्ट दें। यह रिपोर्ट तैयार है और अगले कुछ दिनों के भीतर यह रिपोर्ट उन्हें सौंप दी जाएगी। अगर अल्पसंख्यक की राज्य आधारित परिभाषा की मांग को मान लिया जाता है तो फिर बहुत सारी जटिलताएं पैदा हो जाएंगी। आगे लोग जिला और ब्लॉक स्तरों पर परिभाषा तय करने की मांग करने लगेंगे। अल्पसंख्यक आयोग के अधिनियम के तहत राष्ट्रीय स्तर पर जो व्यवस्था पहले से मौजूद है, उसमें बदलाव की गुंजाइश नहीं है। ऐसे में राज्य स्तर पर अल्पसंख्यक को परिभाषित करने की मांग को अस्वीकार किए जाने की पूरी संभावना है।

दरअसल, इसी साल फरवरी में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष सैयद गैयूरुल हसन रिजवी ने इस मामले में विचार व रिपोर्ट तैयार करने के लिए आयोग के उपाध्यक्ष जॉर्ज कुरियन की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय उपसमिति बनाई थी। उपाध्याय की याचिका पर न्यायालय ने 11 फरवरी को उन्हें समाधान के लिए राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग जाने के लिए कहा था। साथ ही न्यायालय ने आयोग को यह निर्देश भी दिया था कि उपाध्याय के प्रतिवेदन पर तीन महीने के भीतर निर्णय लिया जाए।

इसी महीने उपाध्याय ने नई याचिका दायर की जिस पर न्यायालय ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए अटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल से मदद मांगी। याचिका में कहा गया कि 2011 की जनगणना के अनुसार लक्षद्वीप, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, जम्मू-कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और पंजाब में हिंदू समुदाय अल्पसंख्यक है। याचिका में यह भी मांग की गई है कि केंद्र सरकार की 23 अक्तूबर, 1993 की उस अधिसूचना को रद्द किया जाए, जिसमें पांच समुदायों मुसलमानों, ईसाई, बौद्ध, सिख और पारसी को अल्पसंख्यक घोषित किया गया है। बाद में जैन समुदाय को भी अल्पसंख्यक घोषित किया गया।

## पहले 50 दिन में अर्थव्यवस्था को दी प्राथमिकता

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के पहले 50 दिनों में आर्थिक वृद्धि को तेज करने व देश को पांच हजार अरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाने को प्राथमिकता दी है। सूत्रों के मुताबिक सरकार ने अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए पिछले 50 दिनों में सुधार के कई कदम उठाए हैं। दरअसल सरकार यह महसूस करती है कि परिस्थितियों को बेहतर बनाने वाले बदलाव आर्थिक वृद्धि व समावेशी विकास के जरिए ही लाए जा सकते हैं।

- विकास की दर को गति देने के लिए कई कदम उठाए

सरकार के एजंडे में भ्रष्टाचार पर अंकुश फिलहाल सबसे ऊपर है। प्रधानमंत्री ने जेएंडके बैंक से भ्रष्ट अधिकारियों की सफाई समेत कई विभागों से भ्रष्ट नौकरशाहों को हटाकर भ्रष्टाचार पर कुछ भी बर्दाश्त नहीं करने की नीयत साफ कर दी है। श्रम सुधार, गरीबों को चूना लगाने वाले धोखेबाजों के खिलाफ कठोर कानून, बच्चों का यौन उत्पीड़न करने वालों के लिए मौत की सजा, खरीफ फसलों के लिए अधिक न्यूनतम समर्थन मूल्य आदि उन कदमों में शामिल हैं जो पिछले 50 दिनों में सरकार ने उठाए हैं। न सिर्फ घरेलू मोर्चे पर बल्कि विदेश नीति के मोर्चे पर भी तेजी से कदम उठाए गए हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार मोदी सरकार ने चुनावों में भारी सफलता के बाद 30 मई को दोबारा सत्ता संभालते ही चुनावी वादों को पूरा करने के कई कदम उठाए। इसमें किसानों, छोटे व्यापारियों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए पेंशन योजना, प्रधानमंत्री किसाना सम्मान निधि योजना का सभी किसानों को देना, जल शक्ति मंत्रालय की स्थापना जैसे कदम शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को प्राथमिकता देने की नीति को बरकार रखा है। उन्होंने अपने दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में बिम्सटेक (बंगाल की खाडी से लगे देशों के बीच विविध क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल) के देशों को आमंत्रित किया। उन्होंने दूसरे कार्यकाल के शुरू में ही मालदीव व श्रीलंका की यात्राएं की। मोदी शंघाई सहयोग शिखर सम्मेलन और जी20 शिखर सम्मेलन (ओसाका) में गए। इन सम्मेलनों में उनकी चीन, अमेरिका, जापान और कई अन्य देशों के नेताओं के साथ अलग से बातचीत हुई।

## बसपा के इकलौते विधायक को कुमारस्वामी के पक्ष में वोट देने का निर्देश

लखनऊ, 21 जुलाई (भाषा)।

बसपा प्रमुख मायावती ने कर्नाटक में पार्टी के एकमात्र विधायक को राज्य में एचडी कुमारस्वामी सरकार के समर्थन में वोट करने का निर्देश दिया है।

बसपा प्रमुख ने रविवार को एक ट्वीट में कहा, 'बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बसपा विधायक से कुमारस्वामी सरकार के समर्थन में वोट करने का निर्देश दिया है।' एन महेश कर्नाटक में बसपा के एकमात्र विधायक हैं। कर्नाटक में एचडी कुमारस्वामी नीत कांग्रेस...जद (सेकु) गठबंधन सरकार के भविष्य का फैसला सोमवार को विधानसभा में होने की उम्मीद है। कर्नाटक के राज्यपाल वजुभाई वाला ने शुक्रवार को राज्य के मुख्यमंत्री कुमारस्वामी को विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा समाप्त करने के लिए दो बार कहा लेकिन उस दिन विधानसभा की कार्यवाही विश्वास प्रस्ताव पर मतदान के बिना ही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

## भीड़ द्वारा हिंसा पर कड़ी सजा की मांग करेगा शिया पर्सनल ला बोर्ड

लखनऊ, 21 जुलाई (भाषा)।

देश में शिया मुसलमानों के सबसे बड़े संगठन ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के आगामी 28 जुलाई को होने वाले वार्षिक अधिवेशन में भीड़ द्वारा हिंसा (मॉब लिंचिंग) पर कड़े कानून और शिया समुदाय के लिए सच्चर समिति की तर्ज पर अलग से समिति गठित करने समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

बोर्ड के प्रवक्ता मौलाना यासूब अब्बास ने रविवार को एजंसी को बताया कि 28 जुलाई को लखनऊ में होने वाले बोर्ड के एकदिवसीय वार्षिक अधिवेशन में सरकार से द्वारा भीड़ द्वारा हिंसा के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग की जाएगी। भीड़ तंत्र द्वारा हिंसा की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक खास समुदाय के लोगों को भीड़ द्वारा हिंसा का शिकार बनाया जा रहा है। शिया समुदाय मानता है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्ततरीन कानून बने। भीड़ द्वारा हिंसा के लिए मौत की सजा तक मुकर्रर की जानी चाहिए। अब्बास ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' का नारा देते हैं, लेकिन कुछ नेताओं के बयानात से विश्वास बढ़ने की बजाय टूट रहा है। बोर्ड प्रवक्ता ने कहा कि बोर्ड की बैठक के एजंडा में सरकारों द्वारा शिया समुदाय को नजरअंदाज किए जाने का मुद्दा भी शामिल है। उन्होंने कहा कि शिया पर्सनल लॉ बोर्ड चाहता है कि सरकार सच्चर समिति की तर्ज पर शिया मुसलमानों की आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक स्थिति के अध्ययन के लिए अलग से कोई समिति गठित करे।

## नहीं रहे 'राजनीतिक संत' पूर्व सांसद एके रॉय

धनबाद (झारखंड), 21 जुलाई (भाषा)।

पूर्व लोकसभा सांसद और मार्क्सवादी समन्वय समिति (एमसीसी) के संस्थापक एके रॉय का रविवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। पार्टी सूत्रों ने बताया कि रॉय 90 वर्ष के थे और अविवाहित थे। रॉय को उनके साथी और समर्थक 'राजनीतिक संत' बुलाते थे क्योंकि अंतिम सांस लेने तक उनका बैंक खाता 'शून्य बैलेंस' ही दिखाता रहा।

वरिष्ठ वाम नेता और सीटू झारखंड प्रदेश समिति के मुख्य संरक्षक को उम्र संबंधी दिक्कतों के कारण आठ जुलाई को यहां केंद्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उनके शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था जिसके कारण उनका निधन हुआ। वह झारखंड आंदोलन के संस्थापकों में से एक थे। धनबाद से तीन बार के सांसद रॉय झारखंड की क्षेत्रीय पार्टी मार्क्सवादी समन्वय समिति के संस्थापक भी थे। रॉय 1977, 1980 और 1989 में धनबाद लोकसभा सीट से जीते। इसके अलावा उन्होंने बिहार विधानसभा में 1967, 1969 और 1972 में सिंदरी सीट का प्रतिनिधित्व किया।

झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) सुप्रीमो शिबू सोरेन और पूर्व सांसद दिवंगत बिनोद बिहारी महतो के साथ रॉय ने 1971 में बिहार से अलग राज्य की मांग को लेकर झारखंड आंदोलन शुरू किया। झारखंड 15 नवंबर 2000 को अलग राज्य बन गया।

रॉय का जन्म सपुरा गांव में हुआ जो अब बांग्लादेश में है। उनके पिता शिवेंद्र चंद्रा रॉय वकील थे। उन्होंने 1959 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से रसायन शास्त्र में एमएससी की और दो साल तक एक निजी कंपनी में काम किया। बाद में वह 1961 में पीडीआइएल सिंदरी में शामिल हो गए।

राहुल गांधी संसद में अब तक ठीक से नहीं बोले **विश्लेषण** न ही संसद परिसर में कोई धरना-प्रदर्शन हुआ

# लोकसभा में कांग्रेस के सदस्य तो बढ़े पर प्रभाव नहीं

मनोज मिश्र
नई दिल्ली,21 जुलाई।

लोकसभा चुनाव नतीजों से विपक्ष उबर ही नहीं पा रहा है। 16वीं लोकसभा के मुकाबले 17वीं लोकसभा में विपक्ष के सदस्यों की संख्या ज्यादा कम नहीं हुई है बावजूद इसके संसद चलते हुए महीने से ज्यादा हो गए लेकिन एक दिन भी विपक्ष सदन की कार्यवाही अपने हिसाब से चलवाने में सफल नहीं हो पाया।

कर्नाटक में जारी राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस और सहयोगी दलों के सदस्यों ने शुक्रवार को लोकसभा में हंगामा जरूर किया और सत्तारूढ़ भाजपा पर चुनी हुई सरकारों को गिराने का आरोप लगाते हुए सदन से वाकआउट भी किया। पर वह इस मुद्दे को संसद के अंदर ढंग से उठा पाने में एक तरह से विफल ही रही। जबकि कर्नाटक का राजनीतकि संकट कई दिनों से चल रहा है।

इसी तरह गोवा में कांग्रेस के चुने हुए दस

- एक तो इस बार कांग्रेस के मुखर सांसदों की संख्या कम हो गई है, दूसरे कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ही अपना इस्तीफा देने के बाद से खामोशी ओढ़ रखी है। सोनिया गांधी जरूर पहले की तरह सक्रिय हैं लेकिन वे कभी खुलकर नहीं बोलती हैं।

विधायक भाजपा में शामिल होने पर कांग्रेस ने कुछ किया ही नहीं। लोकसभा में भाजपा के 303 सांसद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के 353 सदस्य हैं। लेकिन कांग्रेस के सदस्यों की संख्या तो पिछली बार से बढ़ी ही है। बावजूद इसके एक दिन भी राहुल गांधी संसद में अब तक ठीक से नहीं बोले और न ही संसद परिसर में कोई धरना-प्रदर्शन हुआ।

पिछले सत्र में नोटबंदी और जीएसटी पर महीनों संसद नहीं चल पाई। कई बिलों को तो केवल पास करने की औपचारिकता पूरी की गई। पर बताते हैं कि 20 सालों के दौरान आहूत किसी भी सत्र के मुकाबले संसद का यह सबसे ज्यादा कामकाज वाला सत्र रहा है। 17वीं लोकसभा के पहले सत्र की उत्पादकता 128 फीसद आंकी गई है। लोकसभा अध्यक्ष सदन में रोज नए प्रयाग कर रहे हैं। बैठक कई बार रात 11 बजे के बाद तक चली है।

बात करें अकेले कांग्रेस की तो एक तो इस बार कांग्रेस के मुखर सांसदों की संख्या कम हो गई है, दूसरे कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ही अपना इस्तीफा देने के बाद से खामोशी ओढ़ रखी है। सोनिया गांधी जरूर पहले की तरह सक्रिय हैं लेकिन वे कभी खुलकर नहीं बोलती हैं। हिंदी भाषी और बेहतर बोलने वालों का इस बार विपक्ष में भारी अभाव है। कहने के लिए करीब दो सौ गैर राजग सदस्य चुनाव जीते हैं लेकिन कांग्रेस के अलावा तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक के सदस्य ही खुलकर सरकार का विरोध करते दिखते हैं। द्रमुक के हंगामे पर सरकार के रुख से लगता है कि वह उन्हें अपना घोषित विरोधी बनाए नहीं रखना चाहती है। हर बार द्रमुक के सवाल को सरकार मान लेती है या सफाई देने लगती है।

भाजपा और राजग के सहयोगी दलों के सदस्यों की संख्या पिछली बार से ज्यादा है। दूसरे नंबर पर कांग्रेस है लेकिन उसकी सीटें भी विपक्ष के नेता बनाने वाले दर्जा पाने वाले दल से तीन सीट कम है। अभी उनके सदस्यों की संख्या 52 है। दूसरे बड़े दलों में तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक के अलावा बीजू जनता दल पहले ही दिन घोषित कर चुके हैं कि उनके सदस्य आसन के पास कभी नहीं जाएंगे।

नई दिल्ली

# तृणमूल नेताओं को दी जा रहीं धमकियां : ममता

कोलकाता, 21 जुलाई (जनसत्ता)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्रीय एजंसियों के जरिए उनकी पार्टी के नेताओं को जेल में डालने की धमकियां दी जा रही हैं।

ममता ने दावा किया कि इन एजंसियों के जरिए तृणमूल के नेताओं पर भाजपा में शामिल होने का दबाव डाला जा रहा है और ऐसा नहीं करने पर उनको जेल में डालने की धमकियां दी जा रही हैं। रविवार को महानगर के धर्मतला में तृणमूल कांग्रेस की ओर से आयोजित सालाना शहीद रैली को संबोधित करते हुए ममता ने यह आरोप भी लगाया कि भाजपा के नेता तृणमूल के विधायकों को पैसे व अन्य सुविधा देने का लालच देकर बंगाल में 'कर्नाटक के खरीद-फरोख्त मॉडल' को लागू करना चाहते हैं। इस साल लोकसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री यहां पहली किसी बड़ी रैली को संबोधित कर रही थीं। इस मौके पर उन्होंने जमकर भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं द्वारा कालाधन 'हड़पने' के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस की ओर से 26 जुलाई से पूरे बंगाल में आंदोलन शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही ममता ने यह भी साफ कर दिया कि भाजपा के खिलाफ मुकाबले में उनको माकपा व कांग्रेस का साथ नहीं चाहिए। यहां बता दें कि कुछ दिन पहले ही ममता ने बंगाल में भाजपा के खिलाफ लड़ाई में माकपा व कांग्रेस से तृणमूल को साथ देने का आह्वान किया था।

मालूम हो कि तृणमूल कांग्रेस की ओर से हर साल 21 जुलाई को शहीद दिवस रैली का आयोजन उन 13 युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की याद में किया जाता है, जो 1993 में कोलकाता में एक विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस फायरिंग में मारे गए थे। ममता बनर्जी तब युवा कांग्रेस की नेता थीं। हर साल शहीद दिवस

*शहीद* रैली में ममता बनर्जी ने कहा, भाजपा के खिलाफ मुकाबले में उन्हें माकपा व कांग्रेस का साथ नहीं चाहिए।

रैली में युवा कांग्रेस के उन कार्यकर्ताओं के परिजन भी उपस्थित रहते हैं।

रविवार की रैली में ममता बनर्जी ने भाजपा की खूब आलोचना की। हालांकि, उन्होंने किसी भाजपा नेता का नाम नहीं लिया। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा- चिटफंड घोटालों को लेकर केंद्रीय एजंसियां हमारी पार्टी के नेताओं व निर्वाचित प्रतिनिधियों को बुलाकर धमकियां देती हैं। ममता के मुताबिक ये एजंसियां तृणमूल नेताओं को भाजपा के नेताओं के संपर्क में रहने की बात कहते हैं और ऐसा नहीं करने पर उनको जेल की सजा दिलाने की धमकी दी जाती है।

ममता ने कहा- पार्टी बदलने के लिए भाजपा हमारी पार्टी के विधायकों को दो करोड़ रुपए व पेट्रोल पंप दिलाने का लालच देते हैं। ग्राम सभा स्तर पर यह रकम 20 लाख रहती है। तृणमूल प्रमुख ने कहा कि कर्नाटक की तरह भाजपा हर जगह खरीद-फरोख्त के राजनीतिक मॉडल को लागू करना चाहती है। इसी तरह यह मॉडल बंगाल में भी लागू करने की कोशिश की जा रही है। भाजपा समझती है कि हर किसी को पैसे से खरीदा जा सकता है।

हाल के समय में 'कटमनी' को लेकर सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर लगने वाले आरोप के जवाब में ममता ने अपनी पार्टी के कैडरों को 26 जुलाई से भाजपा के खिलाफ आंदोलन शुरू करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने मांग की कि उज्जवला स्कीम में लिए गए कटमनी व ब्लैक मनी को भाजपा के नेता वापस करें। उन्होंने 26 जुलाई से शुरू होने वाले आंदोलन में पूरे बंगाल में इसी मांग पर जोर देने का आह्वान किया।

ममता ने जोर देकर कहा कि 2021 के विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस दोबारा सत्ता में लौटेगी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा ने इस बार का लोकसभा चुनाव ईवीएम में 'गड़बड़ी' करके जीता है।

## योगी के सोनभद्र दौरे पर प्रियंका ने कहा, देर आयद दुरुस्त आयद

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 जुलाई

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाल में सामूहिक हत्याकांड के गवाह बने सोनभद्र के दौरे को 'देर आयद दुरुस्त आयद' करार दिया।

प्रियंका ने सोनभद्र में बुधवार को हुए गोलीकांड में 10 लोगों की मौत के बाद पीड़ित परिवार से मुलाकात करने गये मुख्यमंत्री पर तंज करते हुए एक ट्वीट में कहा-उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री के सोनभद्र जाने का मैं स्वागत करती हूं। देर से ही सही, पीड़ितों के साथ खड़ा होना सरकार का फर्ज है। अपना फर्ज पहचानना अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि उम्भा को लम्बे समय से न्याय की प्रतीक्षा है। अपेक्षा है कि पीड़ितों को न्याय मिलेगा और उनकी पांच मांगों को माना जाएगा। कांग्रेस महासचिव ने एक अन्य ट्वीट में कहा-उम्भा गांव के पीड़ितों की आवाज का जब कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ताओं, न्यायपसंद लोगों ने साथ दिया तब उत्तर प्रदेश सरकार को भी लगा कि कोई गंभीर घटना घटी है। उन्होंने कहा कि आज जो घोषणाएं की गयी हैं, उन पर जल्द अमल हो। आदिवासियों को जमीन का मालिकाना हक मिले और सबसे जरूरी, गांव के लोगों को पूरी सुरक्षा मिले।

## बांग्लादेश के गृहमंत्री आएंगे अगले महीने

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

बांग्लादेश के गृहमंत्री अस्दुज्जमां खां सात अगस्त को भारत दौरे पर आएंगे। वे अपने भारतीय समकक्ष अमित शाह से विभिन्न मुद्दों पर बातचीत करेंगे। समझा जाता है कि दोनों नेता अवैध आव्रजन और आतंकवाद विरोध पर परस्पर सहयोग को लेकर विचार-विमर्श करेंगे। सरकारी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

किसी विदेशी नेता से शाह की बतौर केंद्रीय गृहमंत्री यह प्रथम मुलाकात होगी। शाह ने करीब दो महीने पहले ही केंद्रीय गृहमंत्री का पदभार ग्रहण किया था। शाह को बांग्लादेश से अवैध आव्रजन के मुद्दे पर कठोर रुख रखने वाला नेता माना जाता है। दोनों नेता आतंकवाद विरोध पर आपसी सहयोग, अवैध प्रवासियों के आवागमन, पशु, शस्त्र और गोला बारूद की तस्करी सहित अन्य मुद्दों पर बातचीत कर सकते हैं। यह भी माना जा रहा है कि युवाओं को भड़काने और रोहिंग्या शरणार्थियों के मामले में बातचीत हो सकती है। प्रतिनिधिमंडल स्तर पर होने वाली इस भेंटवार्ता में भारत और बांग्लोदश के उच्च आंतरिक सुरक्षा अधिकारियों के भी भाग लेने की संभावना है। भारत की बांग्लादेश से लगी सीमा 4,096 किलोमीटर लंबी है।

## नदियों में प्रदूषण कम करने के लिए 5800 करोड़ रुपए से अधिक मंजूर

नई दिल्ली, 21 जुलाई (भाषा)।

देश के 16 राज्यों में गंगा को छोड़कर 34 नदियों में प्रदूषण कम करने के लिए 5800 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि मंजूर की गई है। पर्यावरण राज्य मंत्री बाबुल सुप्रियो ने हाल ही में लोकसभा में कहा कि राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना (एनआरसीपी) के तहत मंजूर 5870 करोड़ रुपए में से 2522 करोड़ रुपए केंद्र ने राज्यों को जारी कर दिए हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, 'विभिन्न शहरों में उनसे सटी नदियों में प्रदूषण कम करने के लिए राज्यों से परियोजना प्रस्ताव मिलते हैं और एनआरसीपी के तहत वित्तीय सहायता पर गौर किया जाता है।' उन्होंने कहा, 'एनआरसीपी में 5870.55 करोड़ रुपए की मंजूर लागत से 16 राज्यों के 77 शहरों में 34 नदियों के प्रदूषित खंडों में प्रदूषण कम किया जाएगा।'

## गुजरात में मंत्री को धमकी भरा पत्र भेजने वाली महिला गिरफ्तार

बारदोली, 21 जुलाई (भाषा)।

गुजरात के मंत्री ईश्वर परमार को गुमनाम खत के जरिए धमकी देने और डेढ़ करोड़ रुपए की मांग करने के आरोप में रविवार को एक महिला को गिरफ्तार किया गया। बारदोली पुलिस ने बताया कि प्रवीना मैसुरिया ने ये पत्र डाले थे, जिसमें डेढ़ करोड़ रुपए का भुगतान नहीं करने पर परमार को बदनाम करने और जान से मारने की धमकी दी गई थी। परमार गुजरात सरकार में सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्री हैं। उन्होंने बताया, 'मैसुरिया ने 28 जून और 15 जुलाई को अलग-अलग गुमनाम खत डाले जिसमें उसने डेढ़ करोड़ रुपए का भुगतान नहीं करने पर विधायक ईश्वर परमार को बदनाम करने की धमकी दी। उसने उन्हें और उनके परिवार को मारने की धमकी दी।' उन्होंने बताया कि भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत शनिवार रात मामला दर्ज कर लिया गया।

## राजमार्ग प्राधिकरण का बांड आएगा

नई दिल्ली, 21 जुलाई (भाषा)।

सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय देश में सड़कों का व्यापक आधारभूत ढांचा तैयार करने के लिए आम लोगों व छोटे निवेशकों से धन जुटाने को बढ़ावा देगा और ऐसे खुदरा निवेशकों को उनके निवेश पर बैंक से बेहतर ब्याज दिया जाएगा। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकार इस संबंध में 'बांड' जारी करेगा जिसमें खुदरा निवेशकों को उनके निवेश पर बैंकों से बेहतर ब्याज दर देने की बात कही गई है। इसमें अगर आम खुदरा निवेशक को मासिक ब्याज चाहिए तो उन्हें मासिक मिलेगा, अगर साप्ताहिक चाहिए तो साप्ताहिक मिलेगा अगर निवेश पर वार्षिक ब्याज चाहिए तो वार्षिक मिलेगा।

## आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के लिए मुख्य न्यायाधीश के नाम पर पुनर्विचार किया जाए : सरकार

नई दिल्ली, 21 जुलाई (भाषा)।

सरकार ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश को पदोन्नत कर आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने की सुप्रीम कोर्ट कॉलिजियम की सिफारिश पर उससे पुनर्विचार करने को कहा है। सूत्रों ने बताया कि पिछले महीने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की फाइल लौटाते हुए सरकार ने कोई वजह नहीं बताई।

कॉलिजियम की सिफारिश लौटाने की मौजूदा सरकार की शायद यह पहली सिफारिश है। भाजपा नीत पूर्ववर्ती सरकार ने कॉलेजियम की कई सिफारिशें लौटाई थीं। बताते चलें कि प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाले कॉलिजियम ने आठ अप्रैल को यह सिफारिश की थी कि इलाहाबाद हाई के वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति नाथ को पदोन्नत कर आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया जाए।

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के मुताबिक, 'आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए जाने के लिए न्यायमूर्ति विक्रम नाथ को कॉलिजियम सभी पहलुओं से योग्य पाता है।' कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने 17 जुलाई को लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में बताया था कि इस साल नौ उच्च न्यायालयों में मुख्य न्यायाधीशों के पदों के लिए कॉलिजियम द्वारा की गई नौ में सात सिफारिशें स्वीकार कर ली गई हैं, जबकि दो नाम प्रक्रिया के विभिन्न चरणों के तहत हैं। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के तौर पर नियुक्तियों के दो प्रस्ताव प्रक्रिया पत्र (एमओपी) के प्रावधानों के तहत प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं। सूत्रों ने बताया कि न्यायमूर्ति नाथ की फाइल लौटा दी गई है जबकि न्यायमूर्ति अकील कुरैशी को पदोन्नत कर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए जाने पर सरकार द्वारा कोई फैसला लिया जाना अभी बाकी है।

दिल्ली में रविवार को हुई बारिश का इंडिया गेट पर आनंद उठाते युवा।

## आइआइएम उदयपुर में बदलते परिवेश के मुताबिक छात्रों के लिए नया पाठ्यक्रम

उदयपुर, 21 जुलाई (भाषा)।

उदयपुर का भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) प्रौद्योगिकी के तेजी से बदलते परिवेश में छात्रों को कुशलता के साथ काम करने के लिये एक नया कोर्स शुरू करेगा। शोध के क्षेत्र में देश के पांच शीर्ष प्रबंधन संस्थानों में शामिल उदयपुर आइआइएम आने वाले वर्षो में देश का शीर्ष अनुसंधान संस्थान बनने की योजना पर भी काम कर रहा है।

आइआइएम उदयपुर के निदेशक जनत शाह ने बताया कि हम छात्रों को प्रौद्योगिकी के नए परिवेश में काम करने के लिए विश्लेषणात्मक और नई तकनीकों पर एक कोर्स तैयार कर रहे हैं। आधुनिक तकनीक चाहे वो कृत्रिम बुद्धिमता हो या ब्लॉक चैन, यह कोर्स उभरते डिजिटल व्यापार उद्यमों की जरूरतों को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की तकनीक के साथ छात्रों को कुशलता के साथ काम करने योग्य बनाने के लिए यह कोर्स मददगार होगा।

उन्होंने बताया कि हमारे पास सब सामग्री उपलब्ध होने पर इस पाठ्यक्रम की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस नए कोर्स को विकसित करने के लिए संस्थान ने एक परामर्शी काउंसिल की स्थापना की है। काउंसिल में क्वीकर सहित अन्य डिजिटल कंपनियों को शामिल किया गया है।

उन्होंने बताया कि 2011 में स्थापित संस्थान में इस वर्ष छात्रों को औसत सैलेरी पैकेज 13.20 लाख रुपए सालाना का प्रस्ताव मिला है। उन्होंने बताया कि 2019 में सबसे अधिक घरेलू ऑफर 27.5 लाख रुपए का जबकि सबसे अधिक विदेशी ऑफर 33 लाख रुपए का रहा है। शाह ने बताया कि इसके साथ संस्थान ने अनुसंधान के लिए इकोसिस्टम भी विकसित किया है।

## बेगुनाहों की हत्या बंद करो

पेज 1 का बाकी

कि भारत सरकार कभी हथियार के आगे घुटने नहीं टेकेगी। उन्होंने आतंकवादियों से हिंसा का रास्ता नहीं अपनाने को कहा। उन्होंने मुख्यधारा के नेताओं पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि ये नेता दिल्ली में अलग भाषा बोलते हैं और कश्मीर में कुछ और बोलते हैं।

## ईरान ने कहा, टैंकर-चालक दल के सदस्यों को नहीं छोड़ेंगे

पेज 1 का बाकी

18 भारतीय, तीन रूसी, एक लातवियाई और एक फिलीपींस का नागरिक है। पोत का कप्तान भी भारतीय नागरिक है। चालक दल के सदस्यों में से चार केरल के रहने वाले हैं।

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर तेल टैंकर के चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाने का निवेदन किया है।

उन्होंने ब्रिटिश टैंकर पर तैनात कर्मचारियों की पूरी जानकारी देने की मांग करते हुए कहा है इससे उनके परिजनों से संपर्क किया जा सकेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा कि भारतीय उच्चायोग ईरान की सरकार के संपर्क में है। सभी भारतीयों की जल्द स्वदेश वापसी का प्रयास किए जा रहे हैं। उधर, रविवार को ईरान के होरमुज प्रांत के बंदरगाह एवं समुद्री संगठन के महानिदेशक अल्लाह-मुराद अफीफीपुर ने कहा, 'वे सभी (चालक दल के सदस्य) पूरी तरह स्वस्थ हैं। वे पोत पर हैं और पोत को सुरक्षित स्थान पर रखा गया है। हम उनकी जरूरतें पूरी करने के लिए तैयार हैं। लेकिन हमें पोत के बाबत छानबीन करने की जरूरत है। जांच पोत के चालक दल के सदस्यों के सहयोग और मामले की जांच, जरूरी साक्ष्यों तक हमारी पहुंच पर निर्भर करती है।'

इस बीच, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने शनिवार को देर रात एक वीडियो फुटेज जारी किया, जिसमें स्टेना इंपेरो लिखे एक पोत को चारों तरफ से नौकाएं घेर लेती हैं और फिर एक हेलिकॉप्टर से कुछ जवान रस्सी के सहारे पोत पर उतरते हैं। तेल टैंकर को जब्त करने को लेकर ईरान का आरोप है कि मछली पकड़ने वाली एक नौका को टक्कर मारने के बाद उसने अपना ट्रांसपॉन्डर बंद कर दिया। मछली पकड़ने वाली नौका पर सवार लोगों ने ब्रिटिश पोत से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला।

## चंद्रयान-2 की उलटी गिनती, आज दोपहर 2:43 बजे प्रक्षेपण

पेज 1 का बाकी

या अक्तूबर में चांद पर पहुंचेगा और इसके बाद वहां प्रज्ञान काम शुरू करेगा। लैंडर विक्रम का नाम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान कार्यक्रम के जनक डॉक्टर विक्रम ए साराभाई के नाम पर रखा गया है। चंद्रयान-2 को चंद्रमा के अपने गंतव्य तक पहुंचने में 54 दिन लगेंगे।

उल्टी गिनती के दौरान रॉकेट और अंतरिक्ष यान की प्रणालियां जांच से गुजरेंगी और रॉकेट इंजनों में ईंधन भरा जाएगा। अब तक इसरो ने तीन जीएसएलवी-एमके 3 रॉकेट भेजे हैं। पहला रॉकेट 18 दिसंबर 2014 को, दूसरा 5 फरवरी 2017 को और तीसरा 14 नवंबर 2018 को भेजा गया था। जीएसएलवी-एमके 3 का इस्तेमाल भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन के लिए किया जाएगा, जो वर्ष 2022 के लिए तय है।

चंद्रयान-2 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरेगा। पहले चंद्रयान मिशन की सफलता के 11 साल बाद इसरो अपना दूसरा यान भेज रहा है। स्वदेशी तकनीक से निर्मित चंद्रयान-2 में कुल 13 पेलोड हैं।

चंद्रयान-2 मिशन के मुख्य उद्देश्यों में चंद्रमा पर पानी की मात्रा का अनुमान लगाना, उसके जमीन, उसमें मौजूद खनिजों एवं रसायनों तथा उनके वितरण का अध्ययन करना, उसकी भूकम्पीय गतिविधियों का अध्ययन, और चंद्रमा के बाहरी वातावरण की ताप-भौतिकी गुणों का विश्लेषण है। मिशन में तरह-तरह के कैमरा, स्पेक्ट्रोमीटर, रडार, प्रोब और सिस्मोमीटर भेजे जा रहे हैं। चंद्रमा पर भारत के पहले मिशन चंद्रयान-1 ने वहां पानी की मौजूदगी की पुष्टि की थी।

वैज्ञानिकों का तर्क है कि चंद्रमा सुदूर अंतरिक्ष अभियानों के लिए एक महत्त्वपूर्ण अड्डा बन सकता है। चांद पर यूरेनियम, टाइटेनियम आदि बहुमूल्य धातुओं के भंडार हैं। वहां सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए भी पर्याप्त अवसर मौजूद हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि चंद्रमा पर मौजूद बहुमूल्य खनिज किसी दिन पृथ्वी के काम भी आ सकते हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि करीब 4.51 अरब वर्ष पहले मंगल के आकार के एक पिंड के पृथ्वी से टकराने से उत्पन्न मलबे से चंद्रमा की उत्पत्ति हुई थी। वैज्ञानिकों का यह भी मानना है कि ईंधन का स्रोत चांद पर ही उपलब्ध होने से भविष्य में सुदूर अंतरिक्ष अभियानों का संचालन करना भी आसान हो जाएगा।

## मध्यस्थता पैनल ने की मुसलिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव से मुलाकात

लखनऊ, 21 जुलाई (भाषा)।

राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद का आपसी सहमति से हल निकालने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित मध्यस्थता समिति के सदस्यों ने आल इंडिया मुसलिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना वली रहमानी से शनिवार को मुलाकात की। मौलाना रहमानी ने रविवार को बताया कि पैनल ने शनिवार रात उनसे लखनऊ स्थित वीवीआइपी गेस्ट हाउस में मुलाकात की। पैनल के दो सदस्यों- सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) एफएमआइ कलीफ उल्ला और वरिष्ठ वकील श्रीराम पांचू ने उनसे मुलाकात की। पैनल के तीसरे सदस्य आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर मौजूद नहीं थे।मौलाना रहमानी ने कहा, 'जहां तक मध्यस्थता के समर्थन की बात है तो मैंने पैनल के सदस्यों से कल रात मुलाकात की।'

## दस फीसद वोट पाकर जीतने वाले नेताओं से परेशान कश्मीरी : सिंह

पेज 1 का बाकी

तंग आ चुके हैं जो मात्र 10 फीसद वोटों से जीतकर लोकसभा या राज्य विधानसभा पहुंच जाते हैं और राजनीति में गिने चुने परिवारों या व्यक्तियों के वर्चस्व को कायम रखना उनका निहित स्वार्थ हो जाता है।

कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने कहा कि अगर चुनाव स्वतंत्र माहौल में हों और अच्छा मतदान हो तो लोग उन नेताओं को खारिज कर देंगे जो पिछले कई दशकों से कम मतदान की वजह से जीतते आ रहे हैं। आरटीआइ संशोधन विधेयक के जरिए सूचना का अधिकार अधिनियम को 'कमजोर' करने के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि विधेयक का मकसद सूचना आयोग के कामकाज को दुरुस्त करना तथा संस्थागत करना है।

## नेतन्याहू नौ सितंबर को भारत आएंगे

पेज 1 का बाकी

भारत में होंगे। दोनों देशों के अधिकारी फिलहाल द्विपक्षीय बैठक का एजंडा तय करने में जुटे हैं। बैठक में द्विपक्षीय कारोबार और रक्षा सहयोग पर खासतौर से बातचीत होने की संभावना है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने नेतन्याहू की यात्रा के लिए 25 अगस्त की तिथि का सुझाव दिया था, लेकिन इजराइली पक्ष ने इसे सितंबर के शुरू में करने पर जोर दिया। अंततः नौ सितंबर की तारीख तय हुई।

नेतन्याहू की नई दिल्ली यात्रा के आमंत्रण के लिए पहला आग्रह इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मीर बेन सब्बाथ की भारत के यात्रा के दौरान किया गया था। इजराइल में चुनाव से पहले फरवरी में दोनों नेताओं के मिलने का कार्यक्रम तय हुआ था, लेकिन नेतन्याहू ने अन्य व्यस्तताओं के चलते यात्रा को रद्द कर दिया था। इजराइली संसद के भंग होने और पुनः चुनाव कराए जाने की घोषणा के बाद नेतन्याहू की भारत यात्रा के लिए प्रयास फिर से शुरू कर दिए गए। इससे पहले नेतन्याहू ने जनवरी 2018 में भारत की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने 2017 में इजराइल की यात्रा की थी और वह यहूदी देश की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन गए थे। नेतन्याहू ने हवाईअड्डे पर मोदी की अगवानी की थी।

## कांग्रेस व सपा नेता जिम्मेदार, कार्रवाई के लिए रहें तैयार

पेज 1 का बाकी

के नेता इस पाप के लिए जिम्मेदार हैं और इसकी सजा के लिए उन्हें तैयार भी रहना चाहिए।

बुधवार को सामूहिक हत्याकांड में 10 लोगों के मारे जाने की घटना के बाद पहली बार सोनभद्र पहुंचे योगी ने कहा कि सोनभद्र में कांग्रेस के नेताओं ने ही जमीन कब्जा करने का खेल शुरू किया था। आजादी के तत्काल बाद वर्ष 1955 में कांग्रेस की सरकार ने सोनभद्र में पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के नाम पर जनजाति के लोगों की जमीन को एक पब्लिक ट्रस्ट के नाम कर दिया। वर्ष 1989 में उस ट्रस्ट से जुड़े लोगों के नाम पर वह जमीन कर दी गई। वर्ष 2017 में वह जमीन कुछ लोगों को बेची गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस गड़बड़ी की जांच के लिए राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है, जो 1952 से लेकर अब तक के पूरे घटनाक्रम की जांच करके 10 दिन में रिपोर्ट देगी। इसके अलावा इस घटना में पुलिस की तरफ से कहां-कहां लापरवाही हुई है, इसकी जांच की जिम्मेदारी वाराणसी जोन के अपर पुलिस महानिदेशक को सौंपी गई है। योगी ने कहा कि उम्भा समेत दर्जनों गांवों में जनजातीय लोगों की जमीनें हड़पे जाने के प्रकरण सामने आए हैं। सरकार आने वाले समय में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए भी प्रभावी कार्रवाई करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिर्फ सोनभद्र जिले के लिए एक कमेटी गठित की जा रही है जो एक साल में यहां के सर्वांगीण विकास की ओर ध्यान देगी। एक साल के अंदर सर्वे कराकर अनुसूचित जाति, आदिवासी और मुसहर जाति के लोगों को आवास दिए जाएंगे। पात्र लोगों को शौचालय, बिजली कनेक्शन, गैस, विधवा, वृद्धा, दिव्यांग पेंशन सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। हर किसी को अभियान चलाकर राशन कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा। नई तहसील बनाई जाएगी और दो नए विकास खंड बनेंगे। जिले में ओबरा के नाम से एक तहसील तथा कान और कर्मा को ब्लाक बनाने के लिए प्रस्ताव मांगा गया है।

मृतकों के परिजनों की व्यथा सुनकर मुख्यमंत्री की आंखों में आंसू आ गए। उनके बच्चों को गोद में उठाते हुए उन्होंने उनकी शिक्षा की उचित व्यवस्था किए जाने और वहां के लोगों को पेंशन व सरकारी आवास भी मुहैया कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था रखने के लिए यहां अस्थायी पुलिस चौकी की स्थापना की जाएगी जिससे आप लोग सुरक्षित रहेंगे और मौजूद पुलिस आपकी मदद करेगी।

मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, मुख्य सचिव अनूप चंद पांडेय और पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह मौजूद थे। मुख्यमंत्री के आने से पहले ही पुलिस ने राबर्ट्सगंज के सपा के पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा को उनके समर्थकों के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सोनभद्र जा रहे कांग्रेस के पूर्व विधायक ललितेश पति त्रिपाठी को भी मिर्जापुर में गिरफ्तार कर लिया।

## चंडीगढ़ का सरकारी बंगला खाली किया नवजोत सिद्धू ने

पेज 1 का बाकी

पंजाब के राज्यपाल वीपी सिंह बदनौर के पास भेज दिया था। राज्यपाल ने भी इसे अपनी मंजूरी दे दी। सिद्धू (55) का मुख्यमंत्री से टकराव चल रहा था और छह जून को हुए मंत्रिमंडल फेरबदल में उनसे महत्त्वपूर्ण मंत्रालय ले लिए गए। सिद्धू से स्थानीय सरकार और पर्यटन एवं संस्कृति मामलों का विभाग ले लिया गया था और उन्हें बिजली तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग दिया गया था।

सिद्धू के अलावा अन्य मंत्रियों के विभाग भी बदले गए थे। एक महीने से ज्यादा समय से सिद्धू द्वारा बिजली विभाग का कार्यभार संभालने से इनकार करना भी कांग्रेस के लिए 'शर्मिंदगी' का कारण बना हुआ था। विपक्षी दल राज्य में अमरिंदर के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला कर रहे थे

नई दिल्ली

## खबर कोना

### अमेरिका में मंदिर के पास पुजारी पर हमला

न्यूयार्क, 21 जुलाई (भाषा)।

न्यूयार्क के फ्लोरल पार्क में मंदिर के पास हिंदू पुजारी पर 52 वर्षीय शख्स ने हमला कर दिया। वह अपनी धार्मिक पोशाक पहने हुए थे। पीआइएक्स 11 समाचार चैनल ने खबर दी कि स्वामी हरीश चंद्र पुरी ने कहा कि गुरुवार को स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11 बजे वह अपनी धार्मिक पोशाक में शिव शक्ति पीठ के पास से गुजर रहे थे, जब पीछे से एक व्यक्ति ने उन पर हमला कर दिया। पुलिस ने 52 वर्षीय सिंगयो गुएविया को गिरफ्तार किया है।

### हांगकांग में फिर हुआ विशाल मार्च

हांगकांग, 21 जुलाई (एएफपी)।

हांगकांग में रविवार की दोपहर सरकार के खिलाफ एक और विशाल मार्च शुरू किया गया। चीन के शासन को लेकर सालों से बढ़ते जा रहे आक्रोश से पैदा हुए इन विरोध प्रदर्शनों का अंत फिलहाल नजर नहीं आ रहा। पुलिस और उग्र प्रदर्शनकारियों के बीच पिछले कुछ हफ्तों में कई बार छिटपुट हिंसक झड़प हुई है।

इन प्रदर्शनों की शुरुआत सबसे पहले एक विवादित विधेयक को लेकर हुई। इस विधेयक के पारित हो जाने पर किसी आरोपी को चीन प्रत्यर्पित करने का मार्ग प्रशस्त हो जाता। विरोध प्रदर्शन के कारण अब इस विधेयक को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है।

# हिंदू महिला पर देशद्रोह का मामला दर्ज करने की हसीना ने नहीं दी इजाजत

ढाका, 21 जुलाई (भाषा)।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने हिंदू महिला के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज करने के सरकार के कदम को इजाजत नहीं दी है। दरअसल महिला ने वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से कहा था कि उनके देश (बांग्लादेश में) अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। एक वरिष्ठ मंत्री ने रविवार को यह जानकारी दी।

बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद (एचबीसीयूसी) की संगठन सचिव प्रिया साहा 19 जुलाई को वाइट हाउस में एक बैठक में शरीक हुई थी। इसके बाद ट्रंप के साथ उनकी बैठक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिससे उनके देश (बांग्लादेश में) विवाद छिड़ गया था। साहा उन पांच बांग्लादेशी और दो रोहिंग्या शरणार्थियों में शामिल थीं जिन्हें ढाका स्थित अमेरिकी दूतावास ने वाइट हाउस भेजा था। इस वीडियो में वह अपनी पहचान बांग्लादेशी नागरिक बताती और अमेरिकी राष्ट्रपति से यह कहती दिख रही हैं कि बांग्लादेश से अल्पसंख्यक समुदाय के 3.7 करोड़ लोग लापता हो गए। साहा के बयान पर प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए सड़क परिवहन मंत्री व सत्तारूढ़ अवामी लीग महासचिव ओबैदुल कादिर ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने गलत व देशद्रोही टिप्पणी की थी और उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाएगा।

हालांकि, कादिर ने रविवार को कहा कि हसीना ने साहा के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज करने के कदम को इजाजत नहीं दी है। उन्होंने मीडिया ब्रीफिंग में कहा, 'प्रधानमंत्री ने बीती रात मुझे संदेश भेजा (ब्रिटेन से, जहां वह आधिकारिक यात्रा पर गई हैं), जिसमें कहा है कि जल्दबाजी में कोई कानूनी कार्रवाई करने की जरूरत नहीं है।' हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि साहा को अवश्य ही सार्वजनिक रूप से बयान जारी कर यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह ट्रंप से असल में क्या कहना चाहती थी। कादिर ने एक दिन पहले कहा था कि साहा के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है।

**यह कहा था ट्रंप से**

बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद की संगठन सचिव प्रिया साहा 19 जुलाई को वाइट हाउस में एक बैठक में शरीक हुई थी। उन्होंने कहा था कि बांग्लादेश से अल्पसंख्यक समुदाय के 3.7 करोड़ लोग लापता हो गए हैं।

## पाकिस्तान में तालिबान का आत्मघाती हमला, नौ मरे

पेशावर, 21 जुलाई (भाषा)।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में रविवार को जांच चौकी पर आतंकी हमले और उसके बाद अस्पताल में बुर्का पहनी महिला द्वारा किए गए आत्मघाती विस्फोट में छह पुलिसकर्मियों समेत कम से कम नौ लोग मारे गए और लगभग 40 अन्य घायल हो गए। जिस अस्पताल में हमला हुआ है, उसमें पहले हमले के पीड़ितों को भर्ती किया गया था। दोनों हमले खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान जिले में हुए, जिसके एक दिन पहले सूबे के नवगठित कबाइली इलाकों में पहली बार सफलपूर्वक चुनाव संपन्न हुआ था।

जिला पुलिस प्रमुख सलीम रियाज ने मीडिया को बताया कि दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार अज्ञात हथियारबंद लोगों ने कोटला सैयदन चौकी पर तैनात दो पुलिसकर्मियों को गोलियों से भून डाला। मारे गए पुलिसकर्मियों के शवों को जब जिला अस्पताल लाया गया तो वहां पहले से ही बैठी बुर्का पहनी आत्मघाती हमलावर ने एंबुलेंस के पास हमले को अंजाम दिया।

## अमेरिका पहुंचे इमरान, ट्रंप से मुलाकात आज

वाशिंगटन, 21 जुलाई (भाषा)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अमेरिका के अपने तीन दिवसीय पहले आधिकारिक दौरे पर शनिवार दोपहर यहां पहुंचे। इस दौरान वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों में सुधार लाने का प्रयास करेंगे। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान की सार्वजनिक तौर पर आलोचना किए जाने, सैन्य सहायता रोकने और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तेज करने के लिए कहने के बाद से दोनों देशों के रिश्ते प्रभावित हुए थे।

खान, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से वाइट हाउस में 22 जुलाई को मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात के दौरान अमेरिकी नेतृत्व उन पर पाकिस्तानी धरती पर सक्रिय चरमपंथी व आतंकवादी समूहों के खिलाफ निर्णायक व स्थिर कार्रवाई करने और तालिबान के साथ शांति वार्ता में सहायक भूमिका निभाने का दबाव बनाएगा।

## अभिनय करते समय भारतवंशी की मौत

दुबई, 21 जुलाई (भाषा)।

भारतीय मूल के एक स्टैंड-अप कॉमेडियन की यहां खचाखच भरी भीड़ के सामने अभिनय करते समय तनाव और बेचैनी के कारण मंच पर ही मौत हो गई। मीडिया में आई खबर के अनुसार मंजूनाथ नायडू (36) को शुक्रवार को मंच पर अभिनय करते समय दिल का दौरा पड़ा।

खलीज टाइम्स की खबर के अनुसार उन्होंने बेचैनी की शिकायत की। बगल में रखी बेंच पर बैठ गए। मंच पर गिर पड़े। दर्शकों को लगा कि यह भी उनके हास्य कलाकारी का हिस्सा है। नायडू का जन्म अबू धाबी में हुआ था लेकिन बाद में वह दुबई में बस गए।

**प्रपत्र ए**

**सार्वजनिक उद्घोषणा**

[भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 6 के अंतर्गत]

**देवीराम रेस्टॊरैन्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों के ध्यानार्थ**

| | संबंधित विवरण | |
|---|---|---|
| 1. | कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम | देवीराम रेस्टॊरैन्ट्स प्राईवेट लिमिटेड |
| 2. | कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि | 20.10.2016 |
| 3. | वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है | कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली |
| 4. | कॉर्पोरेट पहचान संख्या/कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या | U55209DL2016PTC307351 |
| 5. | कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय का पता (यदि कोई हो) | 44, एफ/9, तीसरा तल किशनगढ़, बसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 |
| 6. | कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला आरंभ होने की तिथि | 19.7.2019 (माननीय एनसीएलटी द्वारा पारित आदेश तिथि 16.7.2019, दिनांक 19.7.2019 को प्राप्त की गई) |
| 7. | दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया के समापन की अनुमानित तिथि | 14.01.2020 |
| 8. | प्रस्ताव प्रॉफेश्नल का नाम, पंजीकरण संख्या, जो अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेश्नल के रूप में कार्यरत है | राजीव मलिक<br>पंजीकरण सं. IBBI/IPA-002/IP-N00391/2018-19/12115 |
| 9. | बोर्ड में यथा पंजीकृत अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेश्नल का पता एवं ईमेलः | राजीव मलिक<br>बी-7/18, मियाँवाली नगर, दिल्ली-110087<br>ईमेलः iprmalik2009@gmail.com |
| 10. | अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेश्नल के साथ पत्राचार के लिये प्रयुक्त होने वाला पता तथा ईमेल | राजीव मलिक<br>बी-7/18, मियाँवाली नगर, दिल्ली-110087<br>ईमेलः deviramcirp@gmail.com |
| 11. | दावे जमा करने की अंतिम तिथि | 01.08.2019 |
| 12. | क्रेडीटर का वर्ग यदि कोई हो, धारा 21 की उप धारा (6ए) के उपबंध (बी) के अंतर्गत, अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेश्नल द्वारा सुनिश्चित किया गया | वर्ग का नामः एन.ए. |
| 13. | किसी वर्ग में क्रेडीटर्स के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये पहचान किये गये इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेश्नल का नाम (प्रत्येक वर्ग से तीन नाम) 1, 2, 3. | 1. एन.ए.<br>2. एन.ए.<br>3. एन.ए. |
| 14. | (क) संबंधित प्रपत्र तथा<br>(ख) प्राधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण उपलब्ध है | वेबलिंकः https://ibbi.gov.in/home/downloads<br>एन.ए. |

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण ने 16.07.2019 (19.07.2019 को प्राप्त आदेश) को देवीराम रेस्टॊरैन्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के संदर्भ में कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी रिजॉल्यूशन प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है।

एतद्द्वारा देवीराम रेस्टॊरैन्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के लेनदारों को निर्देश दिया जाता है कि वे 01.08.2019 को या उससे पहले सबूत के साथ मद सं. 10 में वर्णित अंतरिम समाधान पेशेवर के पते पर अपने दावे प्रस्तुत कर सकते हैं, जो अंतरिम समाधान पेशेवर की नियुक्ति से चौदह दिन है।

वित्तीय लेनदार केवल इलेक्ट्रॉनिक माध्यम ये प्रमाण के साथ अपने दावे प्रस्तुत करेगें। अन्य सभी लेनदार पोस्ट से या इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों ये प्रमाण के साथ दावे प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रविष्टि सं. 12 के समक्ष यथा सूचीबद्ध किसी वर्ग से संबंधित वित्तीय क्रेडीटर प्रपत्र सीए वर्ग के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये (होम बायर) प्रविष्टि सं. 13 के समक्ष सूचीबद्ध तीन इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेशनलों में से प्राधिकृत प्रतिनिधि की अपनी पंसद का दर्शाएं

प्रपत्र बीः कर्मियों तथा कर्मचारियों को छोड़कर ऑपरेशनल क्रेडीटर्स द्वारा दावे
प्रपत्र सीः वित्तीय क्रेडीटर्स द्वारा दावे
प्रपत्र सीएः किसी वर्ग में वित्तीय क्रेडीटरों द्वारा दावे
प्रपत्र डीः कर्मियों अथवा कर्मचारियों द्वारा दावे
प्रपत्र ईः कर्मियों अथवा कर्मचारियों के किसी प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा जमा किए गये दावे
प्रपत्र एफः क्रेडीटरों द्वारा दावे (वित्तीय क्रेडीटरों तथा ऑपरेशनल क्रेडीटरों के अतिरिक्त)

दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाणों जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।

हस्ता/-

तिथिः 20.7.2019 — **राजीव मलिक अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेश्नल**

स्थानः नई दिल्ली — पंजी. सं. **IBBI/IPA-002/IP-N00391/2018-2019/12115**

**पंजाब नैशनल बैंक** ........भरोसे का प्रतीक (A GOVERNMENT OF INDIA UNDERTAKING)
**punjab national bank** ...the name you can BANK upon!

वसूली विभाग मंडल कार्यालय – मध्य दिल्ली
चतुर्थ तल, राजेंद्र प्लेस नई दिल्ली -110008,
फोन नं. 011-25713518, ई-मेल : cocdelrd@pnb.co.in

## आम जनता के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना

जैसा कि वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निमाण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के अधीन, प्राधिकृत अधिकारी ने प्रत्येक कर्जदार के विरुद्ध नीचे दिए गए विवरण के अनुसार कर्जदारों / गारंटरीकर्ताओं / बंधककर्ताओं (इसके बाद कर्जदारों कहा जायेगा) से राशि की वसूली हेतु मांग सूचना जारी किया था। इसके अतिरिक्त, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्राधिकृत अधिकारी ने प्रत्यभूत परिसम्पत्तियों जो कि नीचे दिए कर्जदारों को प्रदत्त ऋण / क्रेडिट सुविधाओं के संदर्भ में प्रतिभूतियों के रूप में धारित हैं, का कब्जा ले लिया है। जैसा कि, प्रतिभूति परिसम्पत्ति की बिक्री, मांग सूचना के अनुसार कर्जदार से पंजाब नेशनल बैंक को देय सुरक्षित ऋणों + भविष्य का ब्याज, बैंक द्वारा उस पर उठायी गयी लागत एवं प्रभार उसके बाद वसूली, यदि कोई हो, को घटाकर की वसूली के लिए **सार्वजनिक ई-नीलामी** के माध्यम से की जानी है। सर्वसाधारण को व्यक्तिगत रूप से या उसके प्राधिकृत एजेंट के माध्यम से बोली करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। **बैंक सुयोग्य सम्पत्ति के लिए बोली करने के लिए स्वतंत्र होगा।**

**प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों की बिक्री की अनुसूची**

| क्र. सं. | कर्जदार एवं बैंक शाखा का नाम | मांग सूचना की तिथि एवं उसमें वर्णित बकाया राशि | सम्पत्ति का विवरण – बंधककर्ता के नाम (सम्पत्ति के स्वामी) सहित | कब्जे की स्थिति (भौतिक या सांकेतिक) | आरक्षित मूल्य | धरोहर राशि (ईएमडी) | ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि | उस खाते का विवरण जिसमें ईएमडी आरटीजीएस/एनईएफटी एवं आईएफएससी कोड के माध्यम से जमा की जानी है | सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि एवं समय | नीलामी की तिथि एवं समय | बोली वृद्धि राशि | प्राधिकृत अधिकारी/नोडल अधिकारी का नाम एवं सम्पर्क नम्बर | बकाया सरकारी देय, यदि कोई हो |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | मैसर्स अष्टविनायक ज्वैलर्स प्रा. लि. शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली | 01.09.2014 रु. 7121.65 लाख (PNB Share=रु. 4846.93 लाख SBI Share=रु. 2274.72 लाख) | [illegible] सम्पत्ति जोकि दुकान 1 एवं 2, सम्पत्ति म्युनिसिपल नं. 2608 से 2613 और 2637, भूतल, प्लॉट / खसरा नं. 252 और 253, वार्ड नं. XVI, ब्लॉक-एम, गुरुद्वारा रोड, नाईवाला ईस्टेट, बिडनपुरा, करोल बाग, दिल्ली-110005 में स्थित, क्षेत्रफल 1800 वर्ग फीट, यह सम्पत्ति सुरेश वर्मा के नाम पर है। | भौतिक | रु. 1296.00 लाख | रु. 129.60 लाख | 16.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 17.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 19.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे | रु. 1,00,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसरः श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 2 | मैसर्स अष्टविनायक ज्वैलर्स प्रा. लि. शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली | 01.09.2014 रु. 7121.65 लाख (PNB Share=रु. 4846.93 लाख SBI Share=रु. 2274.72 लाख) | दुकान नं. एस-1, द्वितीय तल, सम्पत्ति म्युनिसिपल नं. 2608 से 2613 और 2637, प्लॉट / खसरा नं. 252 और 253, वार्ड नं. XVI, ब्लॉक-एम, गुरुद्वारा रोड, नाईवाला ईस्टेट, बिडनपुरा, करोल बाग, दिल्ली-110005 में स्थित, क्षेत्रफल 198 वर्ग फीट, यह सम्पत्ति अमिता वर्मा के नाम पर है। | भौतिक | रु. 34.20 लाख | रु. 3.42 लाख | 16.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 17.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 19.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे | रु. 10,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसरः श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 3 | मैसर्स अष्टविनायक ज्वैलर्स प्रा. लि. शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली | 01.09.2014 रु. 7121.65 लाख (PNB Share=रु. 4846.93 लाख SBI Share=रु. 2274.72 लाख) | दुकान नं. एस-2, द्वितीय तल, सम्पत्ति म्युनिसिपल नं. 2608 से 2613 और 2637, प्लॉट / खसरा नं. 252 और 253, वार्ड नं. XVI, ब्लॉक-एम, गुरुद्वारा रोड, नाईवाला ईस्टेट, बिडनपुरा, करोल बाग, दिल्ली-110005 में स्थित, क्षेत्रफल 197 वर्ग फीट, यह सम्पत्ति अमिता वर्मा के नाम पर है। | भौतिक | रु. 34.20 लाख | रु. 3.42 लाख | 16.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 17.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 19.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे | रु. 10,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसरः श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 4 | मैसर्स अष्टविनायक ज्वैलर्स प्रा. लि. शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली | 01.09.2014 रु. 7121.65 लाख (PNB Share=रु. 4846.93 लाख SBI Share=रु. 2274.72 लाख) | दुकान नं. एस-3, द्वितीय तल, सम्पत्ति म्युनिसिपल नं. 2608 से 2613 और 2637, प्लॉट / खसरा नं. 252 और 253, वार्ड नं. XVI, ब्लॉक-एम, गुरुद्वारा रोड, नाईवाला ईस्टेट, बिडनपुरा, करोल बाग, दिल्ली-110005 में स्थित, क्षेत्रफल 204 वर्ग फीट, यह सम्पत्ति अमिता वर्मा के नाम पर है। | भौतिक | रु. 34.20 लाख | रु. 3.42 लाख | 16.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 17.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 19.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे | रु. 10,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसरः श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 5 | मैसर्स अष्टविनायक ज्वैलर्स प्रा. लि. शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली | 01.09.2014 रु. 7121.65 लाख (PNB Share=रु. 4846.93 लाख SBI Share=रु. 2274.72 लाख) | दुकान नं. एस-13, द्वितीय तल, सम्पत्ति म्युनिसिपल नं. 2608 से 2613 और 2637, प्लॉट / खसरा नं. 252 और 253, वार्ड नं. XVI, ब्लॉक-एम, गुरुद्वारा रोड, नाईवाला ईस्टेट, बिडनपुरा, करोल बाग, दिल्ली-110005 में स्थित, क्षेत्रफल 207 वर्ग फीट, यह सम्पत्ति अमिता वर्मा के नाम पर है। | भौतिक | रु. 35.10 लाख | रु. 3.51 लाख | 16.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 17.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 19.08.2019 दोपहर 12.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे | रु. 10,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसरः श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 6 | मैसर्स अष्टविनायक ज्वैलर्स प्रा. लि. शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली | 01.09.2014 रु. 7121.65 लाख (PNB Share=रु. 4846.93 लाख SBI Share=रु. 2274.72 लाख) | दुकान नं. एस-16, द्वितीय तल, सम्पत्ति म्युनिसिपल नं. 2608 से 2613 और 2637, प्लॉट / खसरा नं. 252 और 253, वार्ड नं. XVI, ब्लॉक-एम, गुरुद्वारा रोड, नाईवाला ईस्टेट, बिडनपुरा, करोल बाग, दिल्ली-110005 में स्थित, क्षेत्रफल 178 वर्ग फीट, यह सम्पत्ति अमिता वर्मा के नाम पर है। | भौतिक | रु. 33.30 लाख | रु. 3.33 लाख | 16.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 17.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 19.08.2019 दोपहर 12.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे | रु. 10,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसरः श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 7 | मैसर्स अष्टविनायक ज्वैलर्स प्रा. लि., शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली | 01.09.2014 रु. 7121.65 लाख (PNB Share=रु. 4846.93 लाख SBI Share=रु. 2274.72 लाख) | प्लॉट नं. एस एम 3 और 4, दुकान नं. एस-18, 19 और 20, द्वितीय तल, मित्तल मेगा मॉल, पानीपत, हरियाणा-132103 क्षेत्रफल 2296 वर्ग फीट, यह सम्पत्ति श्री सुरेश वर्मा, श्रीमती अमिता वर्मा और सुश्री एकता वर्मा के नाम पर है। | भौतिक | रु. 54.00 लाख | रु. 5.40 लाख | 16.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 17.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 19.08.2019 दोपहर 12.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे | रु. 20,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसरः श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 8 | मैसर्स देश राज करन कुमार और मैसर्स करन इंक. शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली | 30.04.2014 रु. 563.41 लाख | रिहायशी मकान क्षेत्रफल 2000 वर्ग फीट, ई-11, द्वितीय तल, (सामने का हिस्सा छत के अधिकार सहित, दक्षिणी पश्चिमी साईड), रजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित, यह सम्पत्ति श्रीमती सुमन भाटिया पत्नी श्री अनिल भाटिया के नाम पर है। | भौतिक | रु. 180.00 लाख | रु. 18.00 लाख | 16.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 14.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 19.08.2019 दोपहर 12.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे | रु. 50,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसरः श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 9 | पी ए एस इंटरप्राईजेज शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली | 16.10.2014 रु. 834.95 लाख | प्लॉट मौजा रोहतक, खेवट नं. 2292, खतौनी नं. 4171 खसरा नं. 17052/602, हरियाणा में स्थित, क्षेत्रफल 1200 वर्ग गज, मालिकाना हक श्री शैलेन्द्र गोयल (2/3 हिस्सा) और सुश्री विनिता गोयल (1/3 हिस्सा) | भौतिक | रु. 153.00 लाख | रु. 15.30 लाख | 16.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 13.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 19.08.2019 अपराह्न 03.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | रु. 50,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसरः श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 10 | मैसर्स युनाईटेड फूड्स प्रा. लि. शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली | 13.10.2016 रु. 6018.73 लाख | फ्री होल्ड फ्लैट नं. ए-302, तृतीय तल, कानसन अपार्टमेंट, सेक्टर-43, गुड़गांव, हरियाणा में स्थित, क्षेत्रफल 100.70 वर्ग मी., यह सम्पत्ति श्रीमती सुनीता जिंदल के नाम पर है। | भौतिक | रु. 139.50 लाख | रु. 13.95 लाख | 16.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 13.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 19.08.2019 अपराह्न 03.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | रु. 50,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसरः श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 11 | मैसर्स युनाईटेड फूड्स प्रा. लि. शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली | 13.10.2016 रु. 6018.73 लाख | फ्री होल्ड प्लॉट नं. एच349-ए, ब्लॉक-एच, टीडीआई कुण्डली, नागल कलॉ, सोनीपत, हरियाणा में स्थित, यह सम्पत्ति श्रीमती सुनीता जिंदल के नाम पर है। क्षेत्रफल 494 वर्ग गज | भौतिक | रु. 40.00 लाख | रु. 4.00 लाख | 16.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 12.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 19.08.2019 अपराह्न 03.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | रु. 10,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसरः श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 12 | मैसर्स युनाईटेड फूड्स प्रा. लि. शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली | 13.10.2016 रु. 6018.73 लाख | लीज होल्ड फैक्ट्री भूमि एवं भवन, औद्योगिक प्लॉट्स साथ में वेयरहाउस, जीएसआईडीसी, ध्रुव मुन्द्रा (नं. 41 (6943 वर्ग मी.) 42 (3895 वर्ग मी.) और 43(3050 वर्ग मी.)) ध्रुव रेव सर्वे नं. 169 पालकी, ध्रुव जीआईडीसी, अडानी पोर्ट रोड, ध्रुव तालुका-मुन्द्रा कच्छ, गुजरात में स्थित, यह सम्पत्ति मैसर्स युनाईटेड फूड्स प्रा. लि. के नाम पर है। | भौतिक | रु. 900.00 लाख | रु. 90.00 लाख | 16.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 09.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 19.08.2019 अपराह्न 03.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | रु. 50,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसरः श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |

ई-नीलामी बिक्री के संक्षिप्त नियम एवं शर्तें

बिक्री, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 में वर्णित नियमों एवं शर्तों के अधीन होगी। (1) सम्पत्तियों की बिक्री जैसे है जहां है आधार पर की जा रही है। (2) नीलामी बिक्री "ई-नीलामी के माध्यम से ऑनलाइन" पोर्टल **https://etender.pnbnet.in** पर होगी। (3) इच्छुक बोलीदाताओं को उपरोक्त वर्णित प्रत्येक संपत्तियों के समक्ष अंकित नोडल अधिकारी से सम्पर्क करके एसएमएस/ई-मेल के माध्यम से अग्रिम तौर पर लॉग इन आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त करना होगा, जो कि ई-बिडिंग के लिए अनिवार्य है। (4) अधोहस्ताक्षरी के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी बोली को स्वीकार करने अथवा स्वीकार्य न पाए जाने की स्थिति में सभी बोलियों को निरस्त करने अथवा किसी भी समय नीलामी को स्थगित/रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है तथा इस सम्बन्ध में उनका निर्णय अंतिम होगा। (5) नीलामी के अंतिम समय के अंतिम 5 मिनट में बोली लगाए जाने की स्थिति में अंतिम समय स्वतः ही 5 मिनट आगे बढ़ जाएगा। (6) बोलीदाता को अपने पैन कार्ड तथा आवासीय पते के प्रमाण की स्कैन की गई प्रतियां अपलोड करनी होंगी। ऐसे बोलीदाता भी, जोकि व्यक्ति नहीं हैं, ई-बिडिंग हेतु उपयुक्त मैनडेट अपलोड करें। (7) सफल बोलीदाता को पहले जमा कराई गई धरोहर राशि सहित बोली राशि की 25% राशि तुरंत जमा करानी होगी। (8) सफल बोलीदाता को बिक्री की पुष्टि की तिथि से 15 दिन के भीतर बोली राशि की शेष 75% राशि जमा करानी होगी। (9) बोली राशि की 25% राशि तुरंत तथा निर्धारित अवधि के भीतर शेष 75% राशि जमा कराने में चूक की स्थिति में पहले जमा कराई गई राशि जब्त कर ली जाएगी तथा प्रतिभूत परिसम्पत्ति की पुनः बिक्री की जाएगी। (10) समस्त वैधानिक देयताएं/अटेंडेंट चार्जेज/अन्य देय राशि, रजिस्ट्रेशन चार्जेज, स्टाम्प ड्यूटी, कर आदि क्रेता को ही वहन करने होंगे। (11) यह प्रकाशन उपरोक्त कर्जदारों/गारंटरों/बंधककर्ताओं के लिए 15 दिन का नोटिस भी है। और अधिक विवरण तथा सम्पूर्ण नियमों व शर्तों के लिए कृपया निम्नलिखित वेबसाइटस देखें तथा/अथवा उपरोक्त प्रत्येक सम्पत्ति के समक्ष अंकित नोडल अधिकारी/प्राधिकृत अधिकारी से सम्पर्क करें : **https://etender.pnbnet.in ; www.pnbindia.in ; www.eprocure.gov.in/epublish/app.**

दिनांक : 20.07.2019, स्थान : नई दिल्ली — प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नेशनल बैंक

**पंजाब नैशनल बैंक** ........भरोसे का प्रतीक (A GOVERNMENT OF INDIA UNDERTAKING)
**punjab national bank** ...the name you can BANK upon!

वसूली विभाग मंडल कार्यालय – मध्य दिल्ली
चतुर्थ तल, राजेंद्र प्लेस नई दिल्ली -110008,
फोन नं. 011-25713518, ई-मेल : cocdelrd@pnb.co.in

## आम जनता के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना

जैसा कि वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निमाण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के अधीन, प्राधिकृत अधिकारी ने प्रत्येक कर्जदार के विरुद्ध नीचे दिए गए विवरण के अनुसार कर्जदारों / गारंटरीकर्ताओं / बंधककर्ताओं (इसके बाद कर्जदारों कहा जायेगा) से राशि की वसूली हेतु मांग सूचना जारी किया था। इसके अतिरिक्त, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्राधिकृत अधिकारी ने प्रत्यभूत परिसम्पत्तियों जो कि नीचे दिए कर्जदारों को प्रदत्त ऋण / क्रेडिट सुविधाओं के संदर्भ में प्रतिभूतियों के रूप में धारित हैं, का कब्जा ले लिया है। जैसा कि, प्रतिभूति परिसम्पत्ति की बिक्री, मांग सूचना के अनुसार कर्जदार से पंजाब नेशनल बैंक को देय सुरक्षित ऋणों + भविष्य का ब्याज, बैंक द्वारा उस पर उठायी गयी लागत एवं प्रभार उसके बाद वसूली, यदि कोई हो, को घटाकर की वसूली के लिए **सार्वजनिक ई-नीलामी** के माध्यम से की जानी है। सर्वसाधारण को व्यक्तिगत रूप से या उसके प्राधिकृत एजेंट के माध्यम से बोली करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। **बैंक सुयोग्य सम्पत्ति के लिए बोली करने के लिए स्वतंत्र होगा।**

**प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों की बिक्री की अनुसूची**

| क्र. सं. | कर्जदार एवं बैंक शाखा का नाम | मांग सूचना की तिथि एवं उसमें वर्णित बकाया राशि | सम्पत्ति का विवरण – बंधककर्ता के नाम (सम्पत्ति के स्वामी) सहित | कब्जे की स्थिति (भौतिक या सांकेतिक) | आरक्षित मूल्य | धरोहर राशि (ईएमडी) | ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि | उस खाते का विवरण जिसमें ईएमडी आरटीजीएस/एनईएफटी एवं आईएफएससी कोड के माध्यम से जमा की जानी है | सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि एवं समय | नीलामी की तिथि एवं समय | बोली वृद्धि राशि | प्राधिकृत अधिकारी/नोडल अधिकारी का नाम एवं सम्पर्क नम्बर | बकाया सरकारी देय, यदि कोई हो |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | मैसर्स एसटी इंफोसोल्यूशंस प्रा. लि. और मैसर्स अपॉर्ट कंस्ट्रक्शन प्रा. लि. शाखाः दरियागंज (सांकेतिक) | 04.04.2019 रु. 415.71 | डी-107, सनसिटी, सेक्टर-54, गुड़गांव, हरियाणा-122001 | सांकेतिक | रु. 549.00 लाख | रु. 54.9 लाख | 26.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, सरफासी वसूली खाता नं. 0117003171160 (IFSC Code PUNB0112000) | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वयं कर सकते है। | 28.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे | रु. 50000/- | सुरेश कुमार, मुख्य प्रबंधक, 8295029890, शाखा प्रमुख : आशीष कुमार तँवर, मुख्य प्रबंधक, 9456279063, नोडल ऑफिसरः श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |

ई-नीलामी बिक्री के संक्षिप्त नियम एवं शर्तें

बिक्री, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 में वर्णित नियमों एवं शर्तों के अधीन होगी। (1) सम्पत्तियों की बिक्री जैसे है जहां है आधार पर की जा रही है। (2) नीलामी बिक्री "ई-नीलामी के माध्यम से ऑनलाइन" पोर्टल **https://etender.pnbnet.in** पर होगी। (3) इच्छुक बोलीदाताओं को उपरोक्त वर्णित प्रत्येक संपत्तियों के समक्ष अंकित नोडल अधिकारी से सम्पर्क करके एसएमएस/ई-मेल के माध्यम से अग्रिम तौर पर लॉग इन आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त करना होगा, जो कि ई-बिडिंग के लिए अनिवार्य है। (4) अधोहस्ताक्षरी के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी बोली को स्वीकार करने अथवा स्वीकार्य न पाए जाने की स्थिति में सभी बोलियों को निरस्त करने अथवा किसी भी समय नीलामी को स्थगित/रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है तथा इस सम्बन्ध में उनका निर्णय अंतिम होगा। (5) नीलामी के अंतिम समय के अंतिम 5 मिनट में बोली लगाए जाने की स्थिति में अंतिम समय स्वतः ही 5 मिनट आगे बढ़ जाएगा। (6) बोलीदाता को अपने पैन कार्ड तथा आवासीय पते के प्रमाण की स्कैन की गई प्रतियां अपलोड करनी होंगी। ऐसे बोलीदाता भी, जोकि व्यक्ति नहीं हैं, ई-बिडिंग हेतु उपयुक्त मैनडेट अपलोड करें। (7) सफल बोलीदाता को पहले जमा कराई गई धरोहर राशि सहित बोली राशि की 25% राशि तुरंत जमा करानी होगी। (8) सफल बोलीदाता को बिक्री की पुष्टि की तिथि से 15 दिन के भीतर बोली राशि की शेष 75% राशि जमा करानी होगी। (9) बोली राशि की 25% राशि तुरंत तथा निर्धारित अवधि के भीतर शेष 75% राशि जमा कराने में चूक की स्थिति में पहले जमा कराई गई राशि जब्त कर ली जाएगी तथा प्रतिभूत परिसम्पत्ति की पुनः बिक्री की जाएगी। (10) समस्त वैधानिक देयताएं/अटेंडेंट चार्जेज/अन्य देय राशि, रजिस्ट्रेशन चार्जेज, स्टाम्प ड्यूटी, कर आदि क्रेता को ही वहन करने होंगे। (11) यह प्रकाशन उपरोक्त कर्जदारों/गारंटरों/बंधककर्ताओं के लिए 30 दिन का नोटिस भी है। और अधिक विवरण तथा सम्पूर्ण नियमों व शर्तों के लिए कृपया निम्नलिखित वेबसाइटस देखें तथा/अथवा उपरोक्त प्रत्येक सम्पत्ति के समक्ष अंकित नोडल अधिकारी/प्राधिकृत अधिकारी से सम्पर्क करें **https://etender.pnbnet.in ; www.pnbindia.in ; www.eprocure.gov.in/epublish/app.**

दिनांक : 20.07.2019, स्थान : नई दिल्ली — प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नेशनल बैंक

# विनिवेश की तैयारी के बीच एअर इंडिया ने पदोन्नति व नई नियुक्तियां रोकीं

नई दिल्ली, 21 जुलाई (भाषा)।

राष्ट्रीय विमानन कंपनी एअर इंडिया ने अपने कर्मचारियों की पदोन्नति और नए कर्मचारियों की नियुक्ति रोक दी है। सरकार कर्ज के बोझ से दबी कंपनी के विनिवेश की तैयारी कर रही है जिसके मद्देनजर एअरलाइन ने यह कदम उठाया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

सरकार द्वारा एअर इंडिया की विनिवेश प्रक्रिया जल्द शुरू किए जाने की उम्मीद है। एअर इंडिया पर 50,000 करोड़ रुपए से अधिक के कर्ज का बोझ है। अधिकारी ने कहा कि विनिवेश प्रक्रिया के लिए एअरलाइन के 15 जुलाई तक बहीखाते को बंद कर दिया गया है। बोलियां मंगाने के लिए इन्हीं वित्तीय ब्योरों का इस्तेमाल किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि एअर इंडिया की हिस्सेदारी बिक्री से पहले पदोन्नति और नई नियुक्तियां रोक दी गई हैं।

एअरलाइन के स्थानीय कर्मचारियों की संख्या करीब 10,000 है। इस बारे में एअर इंडिया से तत्काल प्रतिक्रिया नहीं मिली है। नागर विमानन सचिव प्रदीप सिंह खरोला से भी इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं मिल पाई है। फिलहाल एअर इंडिया का प्रतिदिन का राजस्व 15 करोड़ रुपए है। सरकार ने 2018 में एअर इंडिया की 76 फीसद हिस्सेदारी के विनिवेश का प्रयास किया था लेकिन यह सफल नहीं हो पाया था। वित्तीय लेन-देन सलाहकार ईवाइ ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि सरकार द्वारा अपने पास 24 फीसद हिस्सेदारी और अधिकार रखने के फैसले और ऊंचे कर्ज के बोझ की वजह से विनिवेश प्रक्रिया विफल रही।

नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने तीन जुलाई को राज्यसभा को बताया कि सरकार एअर इंडिया के विनिवेश के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा था कि हिस्सेदारी बिक्री से पहले सरकार एअरलाइन को परिचालन की दृष्टि से अधिक व्यावहारिक बनाना चाहती है। निवेश व लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव अतनु चक्रवर्ती ने सात जुलाई को कहा था- अगर पहले नहीं हो पाता है, तो भी हम एअरलाइन के विनिवेश की प्रक्रिया को दिवाली तक पूरा करने का प्रयास करेंगे।

## सरकार ने पवन हंस के लिए बोली की शर्तों को उदार किया

नई दिल्ली, 21 जुलाई (भाषा)।

सरकार ने हेलिकॉप्टर सेवा कंपनी पवन हंस की बिक्री के लिए शर्तों को काफी उदार कर दिया है। सूत्रों के अनुसार बीते वित्त वर्ष में सरकार पवन हंस का निजीकरण करने में विफल रही थी, जिसके बाद यह कदम उठाया गया है।

सूत्रों ने बताया कि सरकार ने कर्मचारियों की छंटनी, संपत्तियों की बिक्री और कर देनदारी से संबंधित शर्तों को नरम किया है। सरकार की ओर से बिक्री की जिन संशोधित शर्तों का प्रस्ताव किया गया है, उनके तहत सफल बोलीदाता को स्थायी कर्मचारियों को कम से कम एक साल तक नौकरी पर बनाए रखना होगा। पहले यह समय दो साल का था। इसके अलावा सरकार ने फैसला किया है कि यदि पवन हंस के खिलाफ 577 करोड़ रुपए की कर देनदारी विवाद में फैसला कंपनी के खिलाफ जाता है तो उसका भार खरीदार पर नहीं पड़ेगा।

बिक्री की संशोधित शर्तों के तहत यह भी तय किया गया है कि खरीदार द्वारा पवन हंस की संपत्तियों को अलग करने की समय सीमा को भी तीन साल से घटाकर दो साल कर दिया गया है। सूत्रों ने कहा कि शर्तों में ढील से सफल बोलीदाता को पवन हंस के प्रबंधन में अधिक आजादी मिलेगी। सरकार ने पिछले वित्त वर्ष में इस हेलिकॉप्टर सेवा प्रदाता की बिक्री का प्रयास किया था लेकिन उसे कोई खरीदार नहीं मिला था। सरकार की पवन हंस में 51 फीसद हिस्सेदारी है। शेष 49 फीसद हिस्सेदारी ओएनजीसी के पास है। कंपनी के बेड़े में 43 हेलिकॉप्टर हैं।

# राजमार्ग परियोजनाओं के लिए 1.25 करोड़ रुपए का कर्ज देगी एलआइसी : गडकरी

नई दिल्ली, 21 जुलाई (भाषा)।

देश के बुनियादी ढांचा क्षेत्र की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के नवोन्मेषी तरीकों के तहत जीवन बीमा निगम (एलआइसी) ने 2024 तक राजमार्ग परियोजनाओं के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपए की कर्ज सुविधा देने का फैसला किया है। केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी।

मंत्रालय 8.41 लाख करोड़ रुपए की महत्त्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना का समय पर क्रियान्वयन करना चाहता है। इसके जरिए अखिल भारतीय स्तर पर राजमार्गों का 'ग्रिड' बिछाया जा सकेगा। मंत्रालय इस परियोजना के लिए पेंशन और बीमा कोषों सहित वित्तपोषण के विभिन्न स्रोतों तक पहुंचना चाहता है। गडकरी ने कहा कि एलआइसी ने हमें एक साल में 25,000 करोड़ रुपए और पांच साल में 1.25 लाख करोड़ रुपए की ऋण सुविधा की पेशकश की है। इस पर वे सैद्धांतिक रूप से सहमत हैं। हम राजमार्ग निर्माण में इस कोष का इस्तेमाल करेंगे।

एलआइसी के चेयरमैन आर कुमार ने पिछले सप्ताह गडकरी से मुलाकात की थी। मंत्री ने कहा कि इस ऋण सुविधा का इस्तेमाल भारतमाला परियोजना के लिए किया जाएगा जिसकी संशोधित लागत 8.41 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। भारतमाला परियोजना की शुरुआती लागत 5.35 लाख करोड़ रुपए थी। बाद में भूमि अधिग्रहण की लागत की वजह से इसमें इजाफा हो गया। पहले चरण में 34,800 किलोमीटर का उन्नयन किया जाएगा। इसमें राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना (एनएचडीपी) का शेष 10,000 किलोमीटर भी शामिल है।

गडकरी ने कहा कि भारतमाला परियोजना का वित्तपोषण उपकर, टोल राजस्व, बाजार से कर्ज, निजी क्षेत्र की भागीदारी, बीमा कोष, पेंशन कोष, मसाला बांड और अन्य पहल के जरिए किया जाएगा। एलआइसी से ऋण सुविधा ऐसी ही एक पहल है। शुरुआती योजना के अनुसार इसके लिए कोष 30 साल की अवधि के लिए जुटाया जाएगा और हर दस साल में ब्याज दरों में संशोधन होगा।

एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) और एलआइसी के अधिकारी मिलकर इसके तौरतरीके तय करेंगे। यह कर्ज एनएचएआइ द्वारा जारी बांड के रूप में होगा। गडकरी ने कहा कि हमारे पास कोष की कमी नहीं है। जैसे ही परियोजनाएं पूरी होंगी, उनका मौद्रीकरण किया जाएगा और उससे हासिल कोष को पुनः राजमार्ग निर्माण में लगाया जाएगा। एनएचएआइ परिचालन में आ चुके राजमार्ग खंडों की नीलामी के तीसरे चरण में निगाह टीओटी (टोल, परिचालन और स्थानांतरण) माडल पर चल रहे कुल 566 किलोमीटर के नौ मार्ग खंड नीलाम करना चाह रही है। इससे 4,995 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। ये खंड उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और तमिलनाडु में पड़ते हैं।

## भारत में डेटा केंद्र खोलने की समीक्षा कर रही बाइटडांस

नई दिल्ली, 21 जुलाई (भाषा)।

सोशल मीडिया मंच टिकटॉक और हेलो की कंपनी बाइटडांस ने रविवार को कहा कि वह अपने भारतीय उपयोक्ताओं की जानकारी को स्थानीय तौर पर सुरक्षित करने के विकल्प की समीक्षा कर रही है।

यह घटनाक्रम बहुत ही अहम है क्योंकि भारत सरकार ने हाल में टिकटॉक और हेलो को नोटिस जारी कर उनसे 24 सवाल पूछे थे। ये सवाल भारत में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए इन दोनों मंचों के कथित दुरुपयोग से जुड़े हैं।

# एडीबी ने घटाया मुद्रास्फीति का अनुमान

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने रुपए में मजबूती व सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के पूर्वानुमान में कटौती के कारण चालू वित्त वर्ष में भारत की मुद्रास्फीति का पूर्वानुमान घटाकर 4.10 फीसद कर दिया है। एडीबी ने एशियाई विकास परिदृश्य 2019 के साथ कहा कि भारत दक्षिण एशिया क्षेत्र की मुद्रास्फीति को कम करने का मुख्य कारक रहेगा। एडीबी ने दक्षिण एशिया के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान 4.70 फीसद से घटाकर 4.50 फीसद कर दिया है।

परिदृश्य में भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 2019-20 के लिए 0.20 फीसद घटाकर सात फीसद कर दिया है। एडीबी ने कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति में अनुमान से कम तेजी, अक्तूबर 2018 के बाद रुपए की मजबूती व जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान में कमी के कारण भारत की मुद्रास्फीति का अनुमान 0.20 फीसद घटाकर 2019-20 के लिए 4.10 फीसद व 2020-2021 के लिए 4.40 फीसद किया जाता है।

**पंजाब नैशनल बैंक** .......भरोसे का प्रतीक
**punjab national bank** ...the name you can BANK upon!
(A GOVERNMENT OF INDIA UNDERTAKING)

वसूली विभाग मंडल कार्यालय – मध्य दिल्ली
चतुर्थ तल, राजेंद्र प्लेस नई दिल्ली –110008,
फोन नं. 011-25713518, ई-मेल : cocdelrd@pnb.co.in

## आम जनता के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना

जैसा कि वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के अधीन, प्राधिकृत अधिकारी ने प्रत्येक कर्जदार के विरुद्ध नीचे दिए गए विवरण के अनुसार कर्जदारों / गारंटीकर्ताओं / बंधककर्ताओं (इसके बाद कर्जदारों कहा जाएगा) से राशि की वसूली हेतु मांग सूचना जारी किया था। इसके अतिरिक्त, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्राधिकृत अधिकारी ने प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों जो कि नीचे दिए कर्जदारों को प्रदत्त ऋण / क्रेडिट सुविधाओं के संदर्भ में प्रतिभूतियों के रूप में धारित हैं, का कब्जा ले लिया है। जैसा कि, प्रतिभूति परिसम्पत्ति की बिक्री, मांग सूचना के अनुसार कर्जदार से पंजाब नेशनल बैंक को देय सुरक्षित ऋणों + भविष्य का ब्याज, बैंक द्वारा उस पर उठायी गयी लागत एवं प्रभार उसके बाद वसूली, यदि कोई हो, को घटाकर की वसूली के लिए **सार्वजनिक ई-नीलामी** के माध्यम से की जानी है। सर्वसाधारण को व्यक्तिगत रूप से या उसके प्राधिकृत एजेन्ट के माध्यम से बोली करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। **बैंक सुयोग्य सम्पत्ति के लिए बोली करने के लिए स्वतंत्र होगा।**

### प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों की बिक्री की अनुसूची

| क्र. सं. | कर्जदार एवं बैंक शाखा का नाम | मांग सूचना की तिथि एवं उसमें वर्णित बकाया राशि | सम्पत्ति का विवरण – बंधककर्ता के नाम (सम्पत्ति के स्वामी) सहित | कब्जे की स्थिति (भौतिक या सांकेतिक) | आरक्षित मूल्य | धरोहर राशि (ईएमडी) | ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि | उस खाते का विवरण जिसमें ईएमडी आरटीजीएस/एनईएफटी एवं आईएफएससी कोड के माध्यम से जमा की जानी है | सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि एवं समय | नीलामी की तिथि एवं समय | बोली वृद्धि राशि | प्राधिकृत अधिकारी/नोडल अधिकारी का नाम एवं सम्पर्क नम्बर | बकाया सरकारी देय, यदि कोई हो |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | प्रिया जैन<br>**शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली** | 22.05.2018<br>रु. 107.71 लाख | फ्रीहोल्ड फ्लैट नं. 84, 8वां तल, टॉवर 2, जीसी एमराल्ड हाइट्स रामप्रस्था ग्रीन्स वैशाली एक्सटेंशन, गाजियाबाद, यू. पी. में – 201014 सुपर क्षेत्रफल 2298 वर्ग फीट कवर्ड क्षेत्रफल 1915 वर्ग फीट, यह सम्पत्ति प्रिया जैन के नाम पर है। | सांकेतिक | रु. 99.00 लाख | रु. 9.90 लाख | 19.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वयं कर सकते है। | 21.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे | रु. 20,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 2 | मैसर्स प्रशान्त टेड्रर्स<br>**शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली** | 01.10.2012<br>रु. 386.05 लाख | फ्रीहोल्ड दुकान नं 49–10, चौथा तल क्षेत्रफल 509 वर्ग फीट, सुपर एरिया क्राउन प्लाजा जोकि 29वां किलोमीटर स्टोन सैक्टर–15ए, फरीदाबाद सेल डीड नं. 2734 दिनांकित 21.05.2010 पंजीकृत सब रजिस्ट्रार फरीदाबाद में स्थित, यह सम्पत्ति श्री पुरुषोतम लाल पुत्र श्री प्रीतम लाल के नाम पर है। निवासी - 1ए/213, एनआईटी, फरीदाबाद –121002 | भौतिक | रु. 14.50 लाख | रु. 1.45 लाख | 19.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 17.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 21.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे | रु. 10,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 3 | मैसर्स रूचि टेक्स<br>**शाखा : आईबीबी, नई दिल्ली** | 06.04.2018<br>रु. 42.14 लाख | लीजहोल्ड साम्यिक बंधक सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि ऑफिस / यूनिट नं बी–712ए, 7वां तल, टॉवर बी, अडवेंट नेवीस बिल्डस्प प्लॉट नं. 7, सैक्टर–142 एक्सप्रेस वे नोएडा गौतमबुद्ध नगर यू.पी. में स्थित यह सम्पत्ति श्रीमती रूचि भाई पत्नी श्री पंकज भाई के नाम पर है। क्षेत्रफल 756 वर्ग फीट और कवर्ड क्षेत्रफल 454.80 वर्ग फीट | सांकेतिक | रु. 39.60 लाख | रु. 3.96 लाख | 19.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, सरफासी वसूली खाता नं. 2254002200011029 (IFSC Code PUNB0225400) | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वयं कर सकते है। | 21.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे | रु. 10,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री एस के गर्ग, सहा महा प्रबंधक, 8130694737, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 4 | मैसर्स वी विज इंडिया प्रा. लि.<br>**शाखा : ए आर एम बी, नई दिल्ली** | 30.3.2013<br>रु. 3438.02 लाख | व्यवसायिक दुकान नं. 4, 5, 8, 11 और 12 भूतल पर साथ में शोरूम नं. 1–11, प्रथम तल पर और एक पीछे का हॉल नं. 1 प्रथम तल ऑफिस हॉल नं. 1 से 17 द्वितीय तल पर, जोकि मधुवनी (एम.डी.ए) कॉम्प्लैक्स, मुरादाबाद में स्थित, यह सम्पत्ति मैसर्स जैन एण्ड अग्रवाल एसोसिएट्स के नाम पर है। भूतल क्षेत्रफल 133.27 वर्ग मी., प्रथम तल 983.14 वर्ग मी., द्वितीय तल 1191.85 वर्ग मी (भूतल पर दुकान नं. 8 और 12 और द्वितीय तल पर दुकान नं. 1 – 9 और 12 भौतिक कब्जे में हैं।) | सांकेतिक | रु. 2061.00 लाख | रु. 206.10 लाख | 19.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वयं कर सकते है। | 21.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे | रु. 10,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 5 | मैसर्स वर्ल्डवाईड मैटल्स प्रा. लि.<br>**शाखा : ईसीई हाऊस, नई दिल्ली** | 20.09.2018<br>रु. 10563.01 लाख | लीजहोल्ड व्यवसायिक भूमि एवं भवन जोकि डी–241, सैक्टर 63, नोएडा, यू.पी. में स्थित, यह सम्पत्ति मैसर्स कुतुब मर्कंटाईल प्रा. लि. के नाम पर है। क्षेत्रफल 3200 वर्ग मी. | सांकेतिक | रु. 2520.00 लाख | रु. 252.00 लाख | 19.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, सरफासी वसूली खाता नं. 1120003171160 (IFSC CODE PUNB0112000) | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वयं कर सकते है। | 21.08.2019 दोपहर 12.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे | रु. 1,00,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : सुबोध कुमार, सहा महा प्रबंधक, 8826895172, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 6 | मैसर्स ओलिंपस मैटल प्रा. लि.<br>**शाखा : ईसीई हाऊस, नई दिल्ली** | 15.10.2018<br>रु. 8924.71 लाख | लीजहोल्ड व्यवसायिक भूमि और भवन डी–247/10 सैक्टर –63, नोएडा, यू.पी. में स्थित, क्षेत्रफल 3200 वर्ग मी. यह सम्पत्ति मैसर्स नमोगणपति गारमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर है। | सांकेतिक | रु. 2565 लाख | रु. 256.50 लाख | 19.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, सरफासी वसूली खाता नं. 1120003171160 (IFSC Code PUNB0112000) | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वयं कर सकते है। | 21.08.2019 दोपहर 12.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे | रु. 1,00,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : सुबोध कुमार, सहा महा प्रबंधक, 8826895172, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 7 | न्यू दिल्ली एग्रो फूड्स<br>**शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली** | 06.07.2017<br>रु. 200.00 लाख | भूमि और भवन, आरजेड–24 प्लॉट नं. 24, खसरा नं. 31/1 का हिस्सा, डाबरी मोर नई दिल्ली, मालिकाना हक श्री मंजीत सिंह गहलोत, क्षेत्रफल 180 वर्ग गज, फ्रीहोल्ड | सांकेतिक | रु. 135.00 लाख | रु. 13.50 लाख | 19.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वयं कर सकते है। | 21.08.2019 दोपहर 12.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे | रु. 50,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 8 | न्यू दिल्ली एग्रो फूड्स<br>**शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली** | 06.07.2017<br>रु. 200.00 लाख | लीज होल्ड आईपी प्लॉट नं जी–453, एम.जी रोड, औद्योगिक क्षेत्र, गाजियाबाद, मालिकाना हक कमल यादव प्रोपराइटर मैसर्स न्यू एग्रो फूड प्रोडक्ट्स, साथ में प्लांट और मशीनरी (क्षेत्रफल 450 वर्ग मीटर) | भौतिक | रु. 67.50 लाख | रु. 6.75 लाख | 19.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 17.08.2019 11:00 A.M. to 02:00 P.M. | 21.08.2019 दोपहर 12.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे | रु. 20,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 9 | कमल वर्मा फूड प्रोडक्ट्स<br>**शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली** | 06.07.2017<br>रु. 99.31 लाख | फ्री होल्ड रिहायशी भूमि एवं भवन, प्लॉट नं सी–180X, खसरा नं. 1105/2, इंडियन मॉर्डन पब्लिक स्कूल के पास, शालीमार गार्डन एक्स. 2 गांव पसौंदा, लोनी, गाजियाबाद में स्थित यू.पी–201005 में स्थित, प्लॉट क्षेत्रफल 102 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्रीमती बिमला देवी के नाम पर है। | सांकेतिक | रु. 50.00 लाख | रु. 5.00 लाख | 19.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वयं कर सकते है। | 21.08.2019 अपराह्न 01.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | रु. 20,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 10 | मैसर्स ए जी एरीविजन इलैक्ट्रॉनिक्स<br>**शाखा : राजिन्दर प्लेस, नई दिल्ली** | 30.06.2012<br>रु. 3009.21 लाख | मैसर्स एजी ऐरीविजन इलैक्ट्रॉनिक्स (प्रा.) लि. के नाम में खाता/खतौनी नं ¼ खसरा नं. 747/369/223 माप : 0–13, बीघा, 748/369/223 माप 0–2 बीघा 749/369/223, माप 0–7 बीघा काईट 3, माप 1–02 बीघा तथा खाता / खतौनी नं. 59/66, खसरा नं. 372/226 माप 3–11 बीघा, कुल माप 4–13 बीघा अवस्थित मौजा आंभी तहसील नाहन, जिला सिरमौर | भौतिक | रु. 130.00 लाख | रु. 13.00 लाख | 19.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 17.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 21.08.2019 अपराह्न 01.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | रु. 50,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 11 | मैसर्स अरिनिदम सेल्स प्रा. लि.,<br>**शाखा : एआरएमबी** | 23.03.2018<br>रु. 4031.50 लाख | साम्यिक बंधक सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि रिहायशी फ्री होल्ड सम्पत्ति सी–493 (बेसमेंट) और भूतल, योजना विहार, दिल्ली में स्थित, क्षेत्रफल 336.87 वर्ग गज, मालिकाना हक श्रीमती निशी चोपड़ा | भौतिक | रु. 315.00 लाख | रु. 31.50 लाख | 19.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 17.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 21.08.2019 अपराह्न 01.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | रु. 50,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 12 | मैसर्स अरिनिदम सेल्स प्रा. लि.,<br>**शाखा : एआरएमबी** | 23.03.2018<br>रु. 4031.50 लाख | साम्यिक बंधक सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि कार्यालय स्पेस नं. डीटीजे नं. 322, तृतीय तल पर, जिसका प्लिंथ क्षेत्रफल 68.835 वर्ग मी. और सुपर क्षेत्रफल 106.91 वर्ग मी. (1142 वर्ग फीट) लगभग बिल्डिंग जिसे अब डीएलएफ टॉवर जसोला (टॉवर बी) कहते हैं, प्लॉट नं. 11 गैर-पदानुक्रमित वाणिज्यिक केंद्र जसोला, नई दिल्ली –110076, साथ में भूमि के नीचे का अविभाजित अविभाज्य और निष्पक्ष पट्टे पर लीजहोल्ड/स्वामित्व अधिकार के साथ, मालिकाना हक श्री आशीष चोपड़ा और श्रीमती अनुषा चोपड़ा | भौतिक | रु. 162.00 लाख | रु. 16.20 लाख | 19.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 17.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 21.08.2019 अपराह्न 01.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | रु. 50,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 13 | मैसर्स पाम फार्मास्यूटिकल्स (दिल्ली) लिमिटेड<br>शाखा: ए आर एम बी | **22.09.2003 और 04.03.2004 पीएनबी, एक्सिस बैंक के कंसोर्टियम द्वारा संयुक्त रूप से (पूर्व में यूटीआई बैंक) और इंडसइंड बैंक राशि रु. 1022703157.52 दिनांक रु. 31.12.2002 तक** | आई पी प्रथम तल (छत / टैरेस अधिकार के) प्लॉट नं. 26 का हिस्सा, भार्गव लेन, सिविल लाईन्स, दिल्ली में स्थित, (खसरा नं. 54/715-716, 268-269, 955/715-716/268-269 & 956/715-716, 268-269) भार्गव ईस्टेट, बाउल वार्ड रोड, सिविल लाईन्स, दिल्ली में स्थित, (क्षेत्रफल 1886 वर्ग फीट लगभग) (लीज होल्ड सम्पत्ति) | भौतिक | रु. 97.00 लाख | रु. 9.70 लाख | 19.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 17.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 21.08.2019 अपराह्न 03.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | रु. 50,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 14 | मैसर्स पाम फार्मास्यूटिकल्स (दिल्ली) लिमिटेड<br>शाखा: ए आर एम बी | **22.09.2003 और 04.03.2004 पीएनबी, एक्सिस बैंक के कंसोर्टियम द्वारा संयुक्त रूप से (पूर्व में यूटीआई बैंक) और इंडसइंड बैंक राशि रु. 1022703157.52 दिनांक रु. 31.12.2002 तक** | आई पी भूतल (बिना छत / टैरेस अधिकार के) प्लॉट नं. 26 का हिस्सा, भार्गव लेन, सिविल लाईन्स, दिल्ली में स्थित, (खसरा नं. 954/715-716, 268-269, 955/715-716/268-269 & 956/715-716, 268-269) भार्गव ईस्टेट, बाउल वार्ड रोड, सिविल लाईन्स, दिल्ली में स्थित, (क्षेत्रफल 1685 वर्ग फीट लगभग) (लीज होल्ड सम्पत्ति) | भौतिक | रु. 67.00 लाख | रु. 6.70 लाख | 19.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 17.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 21.08.2019 अपराह्न 03.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | रु. 20,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |

ई-नीलामी बिक्री के संक्षिप्त नियम एवं शर्तें : बिक्री, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 में वर्णित नियमों एवं शर्तों के अधीन होगी। (1) सम्पत्तियों की बिक्री जैसे है जहां है आधार पर की जा रही है। (2) नीलामी बिक्री "ई-नीलामी के माध्यम से ऑनलाइन" पोर्टल **https://etender.pnbnet.in** पर होगी। (3) इच्छुक बोलीदाताओं को उपरोक्त वर्णित प्रत्येक संपत्तियों के समक्ष अंकित नोडल अधिकारी से संपर्क करके एसएमएस / ई-मेल के माध्यम से अग्रिम तौर पर लॉग इन आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त करना होगा, जो कि ई-बिडिंग के लिए अनिवार्य है। (4) अधोहस्ताक्षरी के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी बोली को स्वीकार करने अथवा स्वीकार्य न पाए जाने की स्थिति में सभी बोलियों को निरस्त करने अथवा किसी भी समय नीलामी को स्थगित / रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है तथा इस सम्बंध में उनका निर्णय अंतिम होगा। (5) नीलामी के अंतिम समय के अंतिम 5 मिनट में बोली लगाए जाने की स्थिति में अंतिम समय स्वतः ही 5 मिनट आगे बढ़ जाएगा। (6) बोलीदाता को अपने पैन कार्ड तथा आवासीय पते के प्रमाण की स्कैन की गई प्रतियां अपलोड करनी होंगी। ऐसे बोलीदाता भी, जोकि व्यक्ति नहीं हैं, ई-बिडिंग हेतु उपयुक्त मैनडेट अपलोड करें। (7) सफल बोलीदाता को पहले जमा कराई गई धरोहर राशि सहित बोली राशि की 25% राशि तुरंत जमा करानी होगी। (8) सफल बोलीदाता को बिक्री की पुष्टि की तिथि से 15 दिन के भीतर बोली राशि की शेष 75% राशि जमा करानी होगी। (9) बोली राशि की 25% राशि तुरंत तथा निर्धारित अवधि के भीतर शेष 75% राशि जमा कराने में चूक की स्थिति में पहले जमा कराई गई राशि जब्त कर ली जाएगी तथा प्रतिभूत परिसम्पत्ति की पुनः बिक्री की जाएगी। (10) समस्त वैधानिक देयताएं / अटेंडेन्ट चार्जेज / अन्य देय राशि, रजिस्ट्रेशन चार्जेज, स्टाम्प ड्यूटी, कर आदि क्रेता को ही वहन करने होंगे। (11) यह प्रकाशन उपरोक्त कर्जदारों / गारंटरों / बंधककर्ताओं के लिए 15 दिन का नोटिस भी है। और अधिक विवरण तथा सम्पूर्ण नियमों व शर्तों के लिए कृपया निम्नलिखित वेबसाइट्स देखें तथा / अथवा उपरोक्त प्रत्येक सम्पत्ति के समक्ष अंकित नोडल अधिकारी / प्राधिकृत अधिकारी से सम्पर्क करें : **https://etender.pnbnet.in ; www.pnbindia.in ; www.eprocure.gov.in/epublish/app.**

दिनांक : 20.07.2019, स्थान - नई दिल्ली

प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नेशनल बैंक

नई दिल्ली

# कुमारस्वामी सरकार के भविष्य पर फैसला आज

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

कर्नाटक में कांग्रेस–जद (सेकु) सरकार रहेगी या जाएगी, इस पर सोमवार को विधानसभा में फैसला होने की संभावना है। भाजपा के नेता एवं प्रदेश अध्यक्ष बीएस येदियुरप्पा ने भरोसा जताया है कि सोमवार का दिन कुमारस्वामी सरकार का आखिरी होगा।

गठबंधन के विधायकों के इस्तीफों के बाद एच डी कुमारस्वामी नीत सरकार ने 19 जुलाई को बहुमत साबित करने के लिए राज्यपाल द्वारा दी गई दो समय–सीमाओं का पालन नहीं किया था। मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी द्वारा लाए गए विश्वास प्रस्ताव पर गठबंधन सरकार के चर्चा खींचने की अब भी कोशिशें करने की खबरों और सुप्रीम कोर्ट से कोई ना कोई राहत मिलने की उम्मीद के बीच कांग्रेस एवं जद (सेकु) बागी विधायकों का समर्थन वापस हासिल करने के लिए अब तक प्रयासरत हैं।



● कांग्रेस एवं जद (सेकु) अब भी बागी विधायकों का समर्थन वापस हासिल करने में जुटी

कुमारस्वामी और कांग्रेस ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख कर आरोप लगाया था कि राज्यपाल ने उस वक्त विधानसभा की कार्यवाही में हस्तक्षेप किया, जब विश्वास मत पर चर्चा चल रही थी। साथ ही, उन्होंने 17 जुलाई के शीर्ष न्यायालय के आदेश पर भी स्पष्टीकरण मांगा। आदेश में कहा गया था कि बागी विधायकों को सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।

शुक्रवार को दोपहर डेढ़ बजे की समय सीमा और विश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया शुक्रवार तक संपन्न करने की समय सीमा को नजदअंदाज किए जाने के बाद विधानसभा की कार्यवाही सोमवार के लिए स्थगित कर दी गई थी।

सत्तारूढ़ गठबंधन ने समय सीमा का निर्देश देने की राज्यपाल की शक्तियों पर सवाल उठाया है और कुमारस्वामी ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का उल्लेख किया है, जिसके मुताबिक राज्यपाल विधायिका के लोकपाल के रूप में काम नहीं कर सकता है। विधानसभा अध्यक्ष रमेश कुमार ने शुक्रवार को सदन की कार्यवाही स्थगित करने से पहले गठबंधन से यह वादा लिया था कि विश्वास मत सोमवार को निष्कर्ष पर पहुंच जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में इसे और अधिक नहीं टाला जाए।

विश्वास प्रस्ताव पर सत्तापक्ष द्वारा अपने विधायकों की लंबी सूची को बोलने का मौका दिए जाने पर जोर दिया है और चर्चा पूरी होनी बाकी है। ऐसे में राजनीतिक गलियारों में ये सवाल उठ रहे हैं कि क्या सोमवार को विश्वास प्रस्ताव पर मतदान होगा और क्या सरकार इस प्रक्रिया को और नहीं टालने के अपने वादे को पूरा करेगी। अगर सत्तारूढ़ गठबंधन सोमवार को भी इसे टालने की कोशिश करती है तो फिर सारी नजरें राज्यपाल के अगले कदम पर होंगी।

विश्वास प्रस्ताव पर मतदान की प्रक्रिया को सत्तारूढ़ गठबंधन द्वारा पूरा करने में की जा रही देर को बागी विधायकों को कांग्रेस–जद (सेकु) के मनाने की आखिरी पल तक की जा रही कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीएस येदियुरप्पा ने रविवार को भरोसा जताया कि सोमवार का दिन कुमारस्वामी नीत सरकार का आखिरी दिन होगा। येदियुरप्पा ने संवाददाताओं से कहा, 'मैं आश्वस्त हूं कि कल(सोमवार) कुमारस्वामी सरकार का आखिरी दिन होगा।'

# भारत में चीन के नए राजदूत सुन वीदोंग दिल्ली पहुंचे

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

भारत में नियुक्त किए गए चीन के नए राजदूत सुन वीदोंग रविवार को दिल्ली पहुंचे और उन्होंने दोनों एशियाई देशों के बीच संबंध बेहतर बनाने की दिशा में काम करने का संकल्प लिया।

वीदोंग की तात्कालिक प्राथमिकता अक्तूबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनपिंग के बीच भारत में होने वाले दूसरी अनौपचारिक शिखर बैठक के लिए भारत सरकार के साथ समन्वय स्थापित करने की होगी। दिल्ली पहुंचने के तुरंत बाद वीदोंग ने ट्वीट किया, 'अपनी पत्नी बाओ जिकिंग के साथ अभी–अभी दिल्ली पहुंचा हूं। भारत के लोगों का हृदय से अभिवादन करता हूं। चीन–भारत के बीच बेहतर संबंधों बनाने के लिए भारत सरकार और सभी तबकों के मित्रों के साथ काम करने की आशा करता हूं।' वरिष्ठ राजनयिक 53 वर्षीय वीदोंग ने लुओ झाओहुई की जगह ली है, जो चीनी विदेश मंत्रालय में उप मंत्री के रूप में अपनी नियुक्ति होने के बाद डेढ़ महीने पहले चीन लौट गए थे।

दक्षिण एशिया मामलों के विशेषज्ञ माने जाने वाले वीदोंग ने 2013 से 2017 तक पाकिस्तान में चीन के राजदूत के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। बेजिंग में शुक्रवार को भारतीय पत्रकारों के एक समूह से बातचीत के दौरान वीदोंग ने कहा कि दोनों देशों में दो मजबूत नेताओं की वजह से संबंध नई ऊंचाई पर पहुंचने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले साल वुहान में हुए पहले अनौपचारिक शिखर सम्मेलन में शी और मोदी द्वारा उपलब्ध कराए गए रणनीतिक दिशा–निर्देश के तहत चीन–भारत संबंधों को एक बहुत अच्छी गति मिली है।

# तस्लीमा नसरीन का रेजीडेंस परमिट एक और साल के लिए बढ़ाया

नई दिल्ली, 21 जुलाई (भाषा)।

विवादित बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन के रेजीडेंस परमिट को गृह मंत्रालय ने एक साल के लिए बढ़ा दिया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। स्वीडन की नागरिक तस्लीमा को 2004 से लगातार भारत में रहने की अनुमति मिल रही है।

गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि उनके रेजिडेंस परमिट को एक और साल के लिए जुलाई 2020 तक बढ़ा दिया गया है। 56 वर्षीय लेखिका को पिछले सप्ताह तीन महीने का रेजीडेंस परमिट दिया गया था, जिसके बाद उन्होंने ट्विटर पर गृह मंत्री अमित शाह से इसे एक साल तक बढ़ाने का अनुरोध किया था। तस्लीमा ने 17 जुलाई को ट्वीट किया, 'माननीय अमित शाह जी, मेरा रेजीडेंस परमिट बढ़ाने के लिए मैं दिल से आपको शुक्रिया कहना चाहती हूं लेकिन मैं हैरान हूं कि यह केवल तीन महीने के लिए ही बढ़ाया गया। मैंने पांच साल के लिए आवेदन किया था लेकिन मुझे एक साल का विस्तार मिलता रहा है। ...भारत मेरा एकमात्र घर है। मुझे उम्मीद है कि आप मेरी मदद करेंगे।' लेखिका ने कहा, 'हर बार मैं अपने पांच साल के भारतीय रेजीडेंस परमिट के लिए आवेदन करती हूं।

## अगला डिफेंस एक्सपो लखनऊ में : रक्षा मंत्रालय

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

रक्षा मंत्रालय ने रविवार को घोषणा की है कि भारत की विशाल रक्षा प्रदर्शनी–डिफेंस एक्सपो का अगला आयोजन 2020 में लखनऊ में होगा। लखनऊ में 'डिफेंस एक्सपो' का आयोजन पहली बार होगा, जिसमें कई अग्रणी देशों के प्रतिनिधिमंडल शिरकत करेंगे।

मंत्रालय ने कहा कि 'डिफेंस एक्सपो' का विषय 'भारत : उभरता रक्षा विनिर्माण केंद्र' होगा। यह रक्षा क्षेत्र के डिजिटल रूपांतरण पर केंद्रित होगा। अधिकारियों ने कहा कि प्रदर्शनी में बड़े स्तर की वैश्विक और घरेलू सैन्य कंपनियां अपने नवीनतम अस्त्र–शस्त्रों का प्रदर्शन करेंगी।

# दिल्ली सहित आसपास के इलाकों में बारिश ने दी उमस से राहत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 जुलाई।

राजधानी दिल्ली सहित आसपास के इलाकों में रविवार को हुई हल्की बारिश से लोगों को उमस से राहत मिली। इस दिन दिल्ली में पांच सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम के मिजाज में सुबह से ही तेज उमस थी।

हालांकि दोपहर तक छिटपुट बारिश और कहीं–कहीं बूंदाबांदी हुई। इसके बाद कुछ इलाकों में तेज बारिश हुई, जिससे तापमान में मामूली गिरावट हुई और यह दो डिग्री की बढ़त के साथ 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके साथ ही मौसम विभाग ने कहा है कि अगले दो दिन तक हल्के व मध्यम दर्जे की बारिश होगी। इसके बाद 25–26 जुलाई को तेज बारिश के आसर हैं। बारिश से दिल्ली एनसीआर में जगह जगह जाम लगा रहा।

इस बीच, पूर्वोत्तर भारत में बाढ़ के हालात बने हुए हैं। दक्षिण–पश्चिम मानसून हरियाणा पंजाब व राजस्थान के कुछ इलाकों के ऊपर से आगे बढ़ रहा है। इस कारण इन इलाकों में आने वाले दिनों में अच्छी बारिश होगी। उधर आसाम, बिहार,बंगाल सहित देश के कई इलाकों में बारिश देखने को मिल सकती है।

फिलहाल दिल्ली में रविवार को कुल पांच सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। राजधानी दिल्ली में हुई बारिश व रिमझिम फुहारों से लोगों को गर्मी से राहत मिली। न्यूनतम तापमान रविवार सुबह मौसम के औसत से दो डिग्री कमी के साथ 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान दो डिग्री की बढ़त के साथ 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानी ने बताया कि शहर के पालम में एक सेंटी सेंटीमीटर बारिश हुई। उधर मानसून के दोबारा जोर पकड़ने पर केरल में मूसलाधार बारिश लगातार जारी है।


पंजाब नैशनल बैंक .......भरोसे का प्रतीक
punjab national bank ...the name you can BANK upon!
(A GOVERNMENT OF INDIA UNDERTAKING)

वसूली विभाग मंडल कार्यालय – मध्य दिल्ली
चतुर्थ तल, राजेंद्र प्लेस नई दिल्ली –110008,
फोन नं. 011–25713518, ई–मेल : cocdelrd@pnb.co.in

## आम जनता के लिए ई–नीलामी बिक्री सूचना

जैसा कि वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के अधीन, प्राधिकृत अधिकारी ने प्रत्येक कर्जदार के विरुद्ध नीचे दिए गए विवरण के अनुसार कर्जदारों / गारंटरकर्ताओं / बंधककर्ताओं (इसके बाद कर्जदारों कहा जायेगा) से राशि की वसूली हेतु मांग सूचना जारी किया था। इसके अतिरिक्त, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्राधिकृत अधिकारी ने प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों जो कि नीचे दिए कर्जदारों को प्रदत्त ऋण / क्रेडिट सुविधाओं के संदर्भ में प्रतिभूतियों के रूप में धारित हैं, का कब्जा ले लिया है। जैसा कि, प्रतिभूति परिसम्पत्ति की बिक्री, मांग सूचना के अनुसार कर्जदार से पंजाब नेशनल बैंक को देय सुरक्षित ऋणों + भविष्य का ब्याज, बैंक द्वारा उस पर उठायी गयी लागत एवं प्रभार उसके बाद वसूली, यदि कोई हो, को घटाकर की वसूली के लिए सार्वजनिक ई–नीलामी के माध्यम से की जानी है। सर्वसाधारण को व्यक्तिगत रूप से या उसके प्राधिकृत एजेन्ट के माध्यम से बोली करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। बैंक सुयोग्य सम्पत्ति के लिए बोली करने के लिए स्वतंत्र होगा।

### प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों की बिक्री की अनुसूची

| क्र. सं. | कर्जदार एवं बैंक शाखा का नाम | मांग सूचना की तिथि एवं उसमें वर्णित बकाया राशि | सम्पत्ति का विवरण – बंधककर्ता के नाम (सम्पत्ति के स्वामी) सहित | कब्जे की स्थिति (भौतिक या सांकेतिक) | आरक्षित मूल्य | धरोहर राशि (ईएमडी) | ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि | उस खाते का विवरण जिसमें ईएमडी आरटीजीएस/एनईएफटी एवं आईएफएससी कोड के माध्यम से जमा की जानी है | सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि एवं समय | नीलामी की तिथि एवं समय | बोली वृद्धि राशि | प्राधिकृत अधिकारी/नोडल अधिकारी का नाम एवं सम्पर्क नम्बर | बकाया सरकारी देय, यदि कोई हो |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | डी आर जे कैमिकल्स लि. शाखा : पंजाबी बाग | 27.11.2018 रु. 424.09 लाख | प्लॉट नं. 1469–पी, सैक्टर–15, सोनीपत, हरियाणा में स्थित, मालिकाना हक श्रीमती शिरीन जिंदल पत्नी वरुण जिंदल, जिसका क्षेत्रफल 351 वर्ग गज | भौतिक | रु. 140.00 लाख | रु. 14.00 लाख | 13.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, सरफासी वसूली खाता नं. 1501003171160 (IFSC Code PUNB0150100) | 12.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 16.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे | रु. 50,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : प्रमोद कुमार गुप्ता, सहायक महा प्रबंधक, 8826288588, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 2 | प्रवीन शाखा : आसफ अली रोड | 08.01.2019 रु. 20.58 लाख | फ्री होल्ड सम्पत्ति नं. एफ–176, द्वितीय तल, बिना छत / टैरेस के अधिकार के, भूमि क्षेत्रफल 50 वर्ग गज अर्थात 41.82 वर्ग मी., खसरा नं. 30/8/1 में से, गाँव ख्याला, विष्णु गार्डन, ब्लॉक–एफ, नई दिल्ली–110018 में स्थित, यह सम्पत्ति श्रीमती प्रवीन पत्नी स्व. श्री निरंजन सिंह के नाम पर है। | सांकेतिक | रु. 29.00 लाख | रु. 2.90 लाख | 13.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, Non – Customer Account No 0127003171160 (IFSC Code PUNB0012700) | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 16.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे | रु. 10,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री प्रेम कुमार, मुख्य प्रबंधक, 9464088883, शाखा प्रमुख : श्री बलबीर सिंह नागर, वरिष्ठ प्रबंधक, मो. 9818608142, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 3 | श्याम सिंह शाखा : बैंक स्ट्रीट, करोल बाग, नई दिल्ली | 10.12.2018 रु. 86.95 लाख | डी–241, स्वर्ण नगरी (ताउ गुलमोहर ईस्टेट), ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, यू.पी–201308, क्षेत्रफल 240 वर्ग मी., यह सम्पत्ति श्री श्याम सिंह के नाम पर है। | सांकेतिक | रु. 105.00 लाख | रु. 10.50 लाख | 13.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, सरफासी वसूली खाता नं. 0119003171160 (IFSC Code PUNB0011900) | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते हैं। | 16.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे | रु. 50,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री प्रेम कुमार, मुख्य प्रबंधक, 9464088883, शाखा प्रमुख : श्री लुकमन देशमुख, वरिष्ठ प्रबंधक, मो. 8130694713, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 4 | श्रीमती प्रमिला देवी शाखा : आसफ अली रोड, नई दिल्ली | 01.07.2016 रु. 35.54 लाख | निर्मित फ्री होल्ड मकान द्वितीय तल, बिना छत / टैरेस के अधिकार के सम्पत्ति नं. आर जेड–6के/11/563 में से, क्षेत्रफल 75 वर्ग गज अर्थात 62.71 वर्ग मी., खसरा नं. 650 में से, जोकि गाँव नासीरपुर दिल्ली के रेवेन्यू ईस्टेट में, स्टेट दिल्ली जिसे अब इन्द्रा पार्क कहते है। पालम कॉलोनी, नई दिल्ली – 45 में स्थित | भौतिक | रु. 16.20 लाख | रु. 1.62 लाख | 13.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, Non – Customer Account No 0127003171160 (IFSC Code PUNB0012700) | 12.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 16.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे | रु. 10,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री प्रेम कुमार, मुख्य प्रबंधक, 9464088883, शाखा प्रमुख : श्री बलबीर सिंह नागर, वरिष्ठ प्रबंधक, मो. 9818608142, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 5 | मैसर्स आर एस टी माईनिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स प्रा. लि. शाखा : संसद मार्ग | 05.09.2018 रु. 329.10 लाख | मेजर हरबिन्दर सिंह राय (सेवानिवृत) कंपनी के निदेशक के नाम पर आईपी, क्षेत्रफल 2,036 हैक्टेयर, कंस्ट्रक्टेड वर्क शेड/ऑफिस (आर एस टी माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स प्राईवेट लिमिटेड के अधीन टाटा प्राधिकृत सर्विस स्टेशन चल रहा है) अवस्थित प्लॉट खसरा नं. 115/2, पीसी नं. 06/34, तह (Tah) तमनार, गाँव पुंजीपाथरा (Punjipathra) जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ (फ्री होल्ड) | सांकेतिक | रु. 195.00 लाख | रु. 19.50 लाख | 13.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, सरफासी वसूली खाता नं. 0153003171160 (IFSC Code PUNB0015300) | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 16.08.2019 दोपहर 12.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे | रु. 50,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री महेन्द्र कुमार चंडेल, सहायक महा प्रबंधक, 8288010250, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 6 | मैसर्स आर एस टी माईनिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स प्रा. लि. शाखा : संसद मार्ग | 05.09.2018 रु. 329.10 लाख | श्री हरबिन्दर सिंह राय के स्वामित्वाधीन ट्रक पार्किंग हेतु खुला यार्ड, क्षेत्रफल 1,805 हैक्ट, जोकि प्लॉट खसरा नं. 116/3, पीसी नं. 06/34, गाँव पुंजीपाथरा (Punjipathra), (Tah) तमनार, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ (फ्री होल्ड) | सांकेतिक | रु. 156.70 लाख | रु. 15.67 लाख | 13.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, सरफासी वसूली खाता नं. 0153003171160 (IFSC Code PUNB0015300) | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 16.08.2019 दोपहर 12.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे | रु. 50,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री महेन्द्र कुमार चंडेल, सहायक महा प्रबंधक, 8288010250, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 7 | मैसर्स आर एस टी माईनिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स प्रा. लि. शाखा : संसद मार्ग | 05.09.2018 रु. 329.10 लाख | श्री हरबिन्दर सिंह राय के स्वामित्वाधीन ट्रांसपोर्टर ऑफिस यह रैस्ट रूम्स के लिए निर्मित शेड माप 3,939 हैक्ट. अवस्थित प्लॉट खसरा नं. 116/2, पीसी नं. 34, तह (Tah) तमनार, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ (फ्री होल्ड) | सांकेतिक | रु. 357.65 लाख | रु. 35.77 लाख | 13.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, सरफासी वसूली खाता नं. 0153003171160 (IFSC Code PUNB0015300) | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 16.08.2019 दोपहर 12.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे | रु. 50,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री महेन्द्र कुमार चंडेल, सहायक महा प्रबंधक, 8288010250, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 8 | मैसर्स पूनम बंसल शाखा : एन–48, कनॉट प्लेस | 10.01.2019 रु. 40.65 लाख | मकान नं. 80, ब्लॉक एच सैक्टर बीटा II, ग्रेटर नोएडा जिला गौतम बुद्ध नगर, मालिकाना हक पूनम बंसल (लीज़होल्ड) | सांकेतिक | रु. 79.88 लाख | रु. 7.99 लाख | 13.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, सरफासी वसूली खाता नं. 1846003171160 (IFSC Code PUNB0184600) | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 16.08.2019 दोपहर 12.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे | रु. 20,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री सुरेश कुमार, सहायक महा प्रबंधक, 8295029890, शाखा प्रमुख मोहन लाल खट्टर, 8588056080 नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 9 | मैसर्स प्रिशियस हॉस्पिटेलिटी एण्ड लैजर प्रा. लि. शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली | 08.05.2015 रु. 535.51 लाख | फ्री होल्ड प्लॉट वल्ला नं. 18 एण्ड 24, शीट नं. 43 जुहारी रिवर के पास, मुण्डेवेल, गोवा शिपयार्ड के पास, वास्को (गोवा) क्षेत्रफल 2505 वर्ग मी. मालिकाना हक श्री रवि कुमार गोयन्का, गारंटर | भौतिक | रु. 216.00 लाख | रु. 21.60 लाख | 13.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | 12.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 16.08.2019 अपराह्न 01.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | रु. 50,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 10 | संजय कुमार गिरधर शाखा : राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली | 31.07.2018 Rs. 37.50 Lacs | फ्लैट नं. 201, जैसमिन टॉवर, ऑमेक्स ग्रीन वैली, सैक्टर 41 – 42, फरीदाबाद, हरियाणा में स्थित, क्षेत्रफल 1150.00 वर्ग फीट, यह सम्पत्ति संजय कुमार गिरधर के नाम पर है। | सांकेतिक | रु. 53.00 लाख | रु. 5.30 लाख | 13.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, सरफासी वसूली खाता नं. 1522003171160 (IFSC Code PUNB0152200) | 12.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 16.08.2019 अपराह्न 01.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | रु. 20,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री युगल कुमार, मुख्य प्रबंधक, 9599431055, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 11 | मनोज कुमार सक्सेना शाखा : राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली | 02.01.2018 रु. 21.48 लाख | फ्री होल्ड फ्लैट नं. 204, द्वितीय तल, पंचशील प्राईम रोज़, टॉवर 6 फेज – II, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद, यूपी में स्थित, क्षेत्रफल 822 वर्ग फीट | सांकेतिक | रु. 20.70 लाख | रु. 2.07 लाख | 13.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, सरफासी वसूली खाता नं. 1522003171160 (IFSC Code PUNB0152200) | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 16.08.2019 अपराह्न 01.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | रु. 10,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री युगल कुमार, मुख्य प्रबंधक, 9599431055, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 12 | श्री इश्वर सिंह पुत्र श्री रतन चंद शाखा : झटिकरा, नई दिल्ली | 05.03.2009 रु. 3.26 लाख | फ्री होल्ड भूमि एवं भवन, खसरा नं. 148, गाँव कंगन हेरी, नई दिल्ली में स्थित, कवर्ड क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, मालिकाना हक श्री इश्वर सिंह पुत्र श्री रतन चंद | भौतिक | रु. 4.50 लाख | रु. 0.45 लाख | 13.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, JHATIKRA Account No 2247002100003328 (IFSC Code PUNB0224700) | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 16.08.2019 अपराह्न 01.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | रु. 5,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री शिशिर कुमार त्रिवेदी, मुख्य प्रबंधक, 9839025176, शाखा प्रमुख : शर्मिला, मो. 9911336654 नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 13 | मैसर्स श्री गणपति जैम्स और ज्वैल्स शाखा : वेस्ट पटेल नगर नई दिल्ली | 10.08.2016 रु. 271.64 लाख | फ्रीहोल्ड दुकान तृतीय तल डॉयमण्ड प्लाज़ा सम्पत्ति नं. 2502/8 बिडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली–110005 में स्थित, यह सम्पत्ति श्रीमती सुनिता बंसल पत्नी श्री राम कुमार बंसल के नाम पर है। क्षेत्रफल 300 वर्ग फीट | भौतिक | रु. 36.00 लाख | रु. 3.60 लाख | 13.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, Non – Customer Account No 0804003171160 (IFSC Code PUNB0080400) | 12.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 16.08.2019 अपराह्न 03.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | रु. 10,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री युगल कुमार, मुख्य प्रबंधक, 9599431055, शाखा प्रमुख : श्री मनीष कुमार सिंह, मो. 9560791237 नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 14 | ज्योति गंभीर शाखा : गुरुद्वारा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 12.07.2017 रु. 32.41 लाख | प्लॉट नं. 5, सूर्या नगर, पार्ट II, सैक्टर–91, फरीदाबाद, हरियाणा में स्थित, सम्पूर्ण प्रथम तल का क्षेत्रफल 850 वर्ग फीट, बिना छत / टैरेस अधिकार के, यह सम्पत्ति ज्योति गंभीर के नाम पर है। | सांकेतिक | रु. 25.20 लाख | रु. 2.52 लाख | 13.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, सरफासी वसूली खाता नं. 0120003171160 (IFSC Code PUNB0012000) | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 16.08.2019 अपराह्न 03.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | रु. 10,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री रुपेश कुमार रोशन, मुख्य प्रबंधक, 8383945634, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 15 | श्री आकाश बहादुर शाखा : मिन्टो रोड, नई दिल्ली | 01.05.2016 रु.22.35 लाख | फ्लैट नं. ए–76, सातवां तल, टॉवर ए बालमुकंद रैसीडेन्सी राज नगर, एक्सटेंशन एनएच–58, परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद (यू.पी)–201001 में स्थित, सुपर क्षेत्रफल 950 वर्ग फीट और कवर्ड एरिया 760.00 वर्ग फीट, यह सम्पत्ति श्री आकाश बहादुर के नाम पर है। | भौतिक | रु. 22.50 लाख | रु. 2.25 लाख | 13.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, सरफासी वसूली खाता नं. 0129003171160 (IFSC Code PUNB0012900) | 12.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | 16.08.2019 अपराह्न 03.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | रु. 10,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री दर्शन कुमार शर्मा, मुख्य प्रबंधक, 9007065307, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |
| 16 | नीरज खुल्लर शाखा : एआरएमबी, नई दिल्ली | 05.05.2018 रु. 113.29 लाख | फ्रीहोल्ड मकान नं. 720, जीएफ, टाईप एमआईजी–बी, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सैक्टर–17, गुड़गाँव (हरियाणा) में स्थित, कवर्ड क्षेत्रफल 1394.25 वर्ग फीट और प्लॉट क्षेत्रफल 182.73 वर्ग गज, यह सम्पत्ति नीरज खुल्लर के नाम पर है। | सांकेतिक | रु. 108.00 लाख | रु. 10.80 लाख | 13.08.2019 | पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी डीआरटी खाता नं. 1522002200000316 (IFSC Code PUNB0152200) | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 16.08.2019 अपराह्न 03.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | रु. 50,000/- | प्राधिकृत अधिकारी : होशियार सिंह, मुख्य प्रबंधक, 9741615271, नोडल ऑफिसर: श्री रविन्द्रा कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. नं. 8130864663 | ज्ञात नहीं |

ई–नीलामी बिक्री के संक्षिप्त नियम एवं शर्तें : बिक्री, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 में वर्णित नियमों एवं शर्तों के अधीन होगी। (1) सम्पत्तियों की बिक्री जैसे है जहां है आधार पर की जा रही है। (2) नीलामी बिक्री "ई–नीलामी के माध्यम से ऑनलाइन" पोर्टल **https://etender.pnbnet.in** पर होगी। (3) इच्छुक बोलीदाताओं को उपरोक्त वर्णित प्रत्येक संपत्तियों के समक्ष अंकित नोडल अधिकारी से संपर्क करके एसएमएस / ई–मेल के माध्यम से अग्रिम तौर पर लॉग इन आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त करना होगा, जो कि ई–बिडिंग के लिए अनिवार्य है। (4) अधोहस्ताक्षरी के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी बोली को स्वीकार करने अथवा स्वीकार्य न पाए जाने की स्थिति में सभी बोलियों को निरस्त करने अथवा किसी भी समय नीलामी को स्थगित / रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है तथा इस सम्बंध में उनका निर्णय अंतिम होगा। (5) नीलामी के अंतिम समय के अंतिम 5 मिनट में बोली लगाए जाने की स्थिति में अंतिम समय स्वतः ही 5 मिनट आगे बढ़ जाएगा। (6) बोलीदाता को अपने पैन कार्ड तथा आवासीय पते के प्रमाण की स्कैन की गई प्रतियां अपलोड करनी होंगी। ऐसे बोलीदाता भी, जोकि व्यक्ति नहीं हैं, ई–बिडिंग हेतु उपयुक्त मैनडेट अपलोड करें। (7) सफल बोलीदाता को पहले जमा कराई गई धरोहर राशि सहित बोली राशि की 25% राशि तुरंत जमा करानी होगी। (8) सफल बोलीदाता को बिक्री की पुष्टि की तिथि से 15 दिन के भीतर बोली राशि की शेष 75% राशि जमा करानी होगी। (9) बोली राशि की 25% राशि तुरंत तथा निर्धारित अवधि के भीतर शेष 75% राशि जमा कराने में चूक की स्थिति में पहले जमा कराई गई राशि जब्त कर ली जाएगी तथा प्रतिभूत परिसम्पत्ति की पुनः बिक्री की जाएगी। (10) समस्त वैधानिक देयताएं / अटेंडेन्ट चार्जेज / अन्य देय राशि, रजिस्ट्रेशन चार्जेज, स्टाम्प ड्यूटी, कर आदि क्रेता को ही वहन करने होंगे। (11) यह प्रकाशन उपरोक्त कर्जदारों / गारंटरों / बंधककर्ताओं के लिए 15 दिन का नोटिस भी है। और अधिक विवरण तथा सम्पूर्ण नियमों व शर्तों के लिए कृपया निम्नलिखित वेबसाइट्स देखें तथा / अथवा उपरोक्त प्रत्येक सम्पत्ति के समक्ष अंकित नोडल अधिकारी / प्राधिकृत अधिकारी से सम्पर्क करें : **https://etender.pnbnet.in ; www.pnbindia.in ; www.eprocure.gov.in/epublish/app.**

दिनांक : 20.07.2019, स्थान : नई दिल्ली — प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नेशनल बैंक

## खबर कोना

दक्षिण कोरिया में चल रही विश्व तैराकी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली आस्ट्रेलिया की अरजाने टिटमस।

### पेस और डेनियल हॉल ऑफ फेम ओपन में हारे

न्यूपोर्ट, 21 जुलाई (भाषा)।

अनुभवी लिएंडर पेस और मार्कस डेनियल की जोड़ी को रविवार को एटीपी हॉल ऑफ फेम टेनिस टूर्नामेंट के सेमी फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। पेस और न्यूजीलैंड के डेनियल की तीसरी वरीय जोड़ी को मार्सेल ग्रेनोलर्स और सर्गेई स्टाखोवस्की की गैरवरीय जोड़ी के खिलाफ अंतिम चार के मुकाबले में 6-3, 6-7, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा। अंतिम चार के मुकाबले में खेलने के साथ पेस, जॉन मैकनेरो (47) के बाद एटीपी टूर सेमी फाइनल में खेलने वाले सबसे अधिक उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। पेस 46 बरस के हैं। नई रैंकिंग में उनके 75 से 72वें स्थान पर पहुंचने की उम्मीद है। मौजूदा सत्र में यह चौथा मौका है जब पेस ने एटीपी विश्व टूर में सेमी फाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले वह मई में लियोन, अप्रैल में माराकाश और फरवरी में मोंटपेलियर में अंतिम चार में पहुंचने में सफल रहे। एटीपी टूर पर 766वीं जीत के साथ पेस युगल में सर्वाधिक जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ियों की सूची में छठे स्थान पर हैं। वह उन छह खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने टूर स्तर पर युगल वर्ग में 750 से अधिक जीत दर्ज की हैं। उन्होंने अप्रैल 2018 में 750वीं जीत दर्ज की थी।

### पैकियाओ ने थरमन को पछाड़कर खिताब जीता

लॉस वेगास, 21 जुलाई (एएफपी)।

फिलिपींस के दिग्गज मुक्केबाज मैनी पैकियाओ शनिवार को खंडित फैसले में कीथ थरमन को हराकर मुक्केबाजी इतिहास के सबसे उम्रदराज वेल्टरवेट चैंपियन बने। चालीस साल के पैकियाओ ने खचाखच भरे एमजीएफ ग्रैंड गार्डन एरेना में रोमांचक मुकाबले में थरमन को पछाड़ा। तीस साल के थरमन इस मुकाबले से पहले अजेय थे। पैकियाओ ने पहले दौर में ही थरमन को रिंग में गिराया और फिर 12 दौर के मुकाबले के दौरान अधिकांश समय हावी रहे। थरमन ने अंतिम चरण में वापसी की लेकिन जजों ने पैकियाओ के पक्ष में फैसला सुनाया। दो जजों ने पैकियाओ के पक्ष में 115-112 जबकि एक जज ने थरमन के पक्ष में 114-113 से फैसला दिया।

## वेस्ट इंडीज दौरा : पंत को धोनी का विकल्प बनाने की तैयारी में चयनकर्ता

# फिट हो चुके धवन और साहा की वापसी

मुंबई, 21 जुलाई (भाषा)।

चयनकर्ताओं ने आगामी वेस्ट इंडीज दौरे के लिए रविवार को भारतीय टीम की घोषणा की। सीनियर सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के अंगूठे में फ्रैक्चर से उबरने के बाद सीमित ओवरों की टीम में वापसी हुई है। वहीं तीनों प्रारूपों की टीम में ऋषभ पंत को जगह देकर महेंद्र सिंह धोनी के विकल्प पर काम करने के संकेत दे दिए गए हैं। धोनी ने वेस्ट इंडीज दौरे के लिए खुद को अनुपलब्ध रखा है लेकिन अभी संन्यास लेने की संभावना से इनकार किया है।

वेस्ट इंडीज दौरे से कप्तान विराट कोहली को आराम देने की अटकलों पर भी विराम लग गया। इस दिग्गज बल्लेबाज को तीनों प्रारूपों में भारतीय टीम की अगुआई करने के लिए चुना गया। युवा लेग स्पिनर राहुल चाहर वेस्ट इंडीज दौरे के लिए एकमात्र नया चेहरा हैं। वहीं ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को दौरे से आराम दिया गया है। श्रेयस अय्यर और मनीष पांडे की भी एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है। उभरते हुए बल्लेबाज शुभमन गिल को टीम में शामिल नहीं किया गया है। एमएसके प्रसाद की अगुआई वाली चयन समिति ने टी-20, एकदिवसीय और टैस्ट शृंखला के लिए टीमों की घोषणा की। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा की भी टीम में वापसी हुई है। आइपीएल 2018 के दौरान लगी चोट से उबरने के लिए कंधे के आपरेशन के बाद उनकी टैस्ट टीम में वापसी हुई है। साहा ने पिछला टैस्ट जनवरी 2018 में दक्षिण अफ्रीका में खेला था।

राजस्थान के लेग स्पिनर चाहर को आइपीएल और घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन का इनाम टी-20 टीम में जगह के रूप में मिला है। वह तेज गेंदबाज दीपक चाहर के रिश्ते में छोटे भाई हैं। दीपक को भी टी-20 टीम में जगह मिली है। भारत की विश्व कप टीम में शामिल रहे दिनेश कार्तिक को बाहर कर दिया गया है जबकि हार्दिक और जसप्रीत बुमराह को उन पर काम के बोझ को देखते हुए आराम दिया गया है। बुमराह को हालांकि टैस्ट टीम में जगह मिली है। कई खिलाड़ियों को हाल में भारत 'ए' टीम के साथ उनके प्रदर्शन के आधार पर चुना गया है।

विजय शंकर के पैर के अंगूठे में चोट के कारण बाहर होने से भारत की विश्व कप टीम में जगह बनाने वाले पंत को तीनों प्रारूपों की टीम में शामिल किया गया है। भुवनेश्वर कुमार छोटे प्रारूप में भारतीय आक्रमण की अगुआई करेंगे जबकि मोहम्मद शमी तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनका साथ देंगे। दिल्ली के तेज गेंदबाज नवदीप सैनी को सीमित ओवरों की टीम में शामिल किया गया है जबकि दीपक चाहर को टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए चुना गया है। चयन समिति ने सीमित ओवरों के मैचों के लिए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद को भी टीम में चुना है।

### सभी प्रारूपों में पंत को करेंगे तैयार : प्रसाद

मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने रविवार को स्पष्ट किया कि आने वाले समय में युवा ऋषभ पंत को विकेटकीपर के तौर पर सभी प्रारूपों में भारत के पहले विकल्प के रूप में तैयार किया जाएगा। महेंद्र सिंह धोनी के बारे में प्रसाद ने कहा कि उनके जैसा महान खिलाड़ी जानता है कि कब संन्यास लिया जाए लेकिन भारतीय क्रिकेट के भविष्य की दिशा चयनकर्ताओं द्वारा ही निर्धारित की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि हमें इस पर ज्यादा कुछ चर्चा करने की जरूरत है। पहली बात, वह उपलब्ध नहीं हैं। दूसरी, हमने पहले ही युवाओं को तैयार करना शुरू कर दिया था। पूर्व भारतीय टैस्ट विकेटकीपर चाहते हैं कि आगामी दिनों में पंत को धोनी के नक्शेकदमों पर चलने के लिए ज्यादा से ज्यादा मौके दिए जाएं। प्रसाद ने कहा कि धोनी शृंखला के लिए अनुपलब्ध हैं। उन्होंने अपनी अनुपलब्धता व्यक्त कर दी है। यह कहने का मतलब है कि हमने विश्व कप तक एक निश्चित खाका तैयार किया था और योजनाएं बनाई थीं। विश्व कप के बाद हमने कुछ और रणनीतियां बनाई हैं और हमने ऋषभ पंत को ज्यादा से ज्यादा मौके देने के बारे में सोचा था कि देखेंगे कि वह कैसे तैयार होता है। इस समय हमारी योजना यही है और हमने इसके बारे में उनसे (धोनी से) भी बात की थी।

> "हमने भारत 'ए' टीम के प्रदर्शन पर ध्यान दिया है। लंबे प्रारूप में केएस भरत चयन के काफी करीब पहुंचे थे। हमारा मौखिक नियम है कि जब कोई स्थापित क्रिकेटर चोटिल होता है तो उसे वापसी का मौका मिलना चाहिए। यही मौका हमने साहा को दिया है। ऋषभ, ऋद्धिमान और केएस भरत कुछ ऐसे खिलाड़ी है जिन्हें हम टैस्ट क्रिकेट के संदर्भ में देख रहे हैं। विश्व कप के लिए हमारी कुछ योजनाएं थीं लेकिन, इसके बाद हमें उन युवाओं को मौका देना होगा जो लंबे समय तक खेलेंगे। -एमएसके प्रसाद

### इनको आराम

जसप्रीत बुमराह (टैस्ट टीम में शामिल)

हार्दिक पंड्या

### इनकी वापसी

श्रेयस अय्यर

ऋद्धिमान साहा

मनीष पांडे

आर अश्विन

### टी-20 टीम

विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, शिखर धवन, लोकेश राहुल, श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, ऋषभ पंत, क्रुणाल पंड्या, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, राहुल चाहर, भुवनेश्वर कुमार, खलील अहमद, दीपक चाहर और नवदीप सैनी।

### एकदिवसीय टीम

विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, शिखर धवन, लोकेश राहुल, श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, केदार जाधव, मोहम्मद शमी, भुवनेश्वर कुमार, खलील अहमद और नवदीप सैनी।

### टैस्ट टीम

विराट कोहली (कप्तान), अजिंक्य रहाणे, मयंक अग्रवाल, लोकेश राहुल, चेतेश्वर पुजारा, हनुमा विहारी, रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, ऋद्धिमान साहा, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, ईशांत शर्मा, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह और उमेश यादव।

### भारत का कार्यक्रम

भारत के वेस्ट इंडीज दौरे की शुरुआत तीन मैचों की टी-20 शृंखला (तीन, चार और छह अगस्त) से होगी जबकि इसके बाद तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला (आठ, 11 और 14 अगस्त) खेली जाएगी। दौरे का अंत दो मैचों की टैस्ट शृंखला (22 से 26 अगस्त और 30 अगस्त से तीन सितंबर) के साथ होगा।

## साथियान-अर्चना को मिश्रित युगल में स्वर्ण, शरत बाहर

कटक, 21 जुलाई (भाषा)।

राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप

जी साथियान और अर्चना कामथ ने रविवार को यहां सिंगापुर के पेंग यु इन कोइन और गोइ रूई झुआन को 3-0 से हराकर 21वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप में मिश्रित युगल का स्वर्ण पदक जीता। इस जीत से साथियान और अर्चना ने अचंता शरत कमल और श्रीजा अकुला की हार का बदला भी चुकता कर दिया। सिंगापुर की जोड़ी ने सेमी फाइनल में शरत और श्रीजा को पराजित किया था। यही नहीं पेंग ने शरत को पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल से भी आगे नहीं बढ़ने दिया था। पुरुष एकल में दूसरी वरीयता प्राप्त शरत ने पहले तीन मैच प्वाइंट और फिर क्वार्टर फाइनल मैच गंवाया जिससे उनकी पदक जीतने की उम्मीदें समाप्त हो गईं। पेंग ने शरत से जीत छीनकर सेमी फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने यह मैच 7-11, 9-11, 11-8, 4-11, 11-9, 11-7, 12-10 से जीता। पुरुष एकल में हालांकि शीर्ष वरीयता प्राप्त जी साथियान और हरमीत देसाई सेमी फाइनल में पहुंचने में सफल रहे लेकिन सानिल शेट्टी इंग्लैंड के थॉमस जार्विस से 1-4 से हारकर बाहर हो गए। साथियान ने नाईजीरिया के बोडे अबिडोन को 11-7, 11-8, 11-8, 11-6 से जबकि हरमीत ने हमवतन सुमित श्रीराम को 11-4, 11-8, 6-11, 11-7, 11-8 से हराया।

महिला एकल में आइका मुखर्जी, श्रीजा अकुला और मधुरिका पाटकर सेमी फाइनल में पहुंच गईं। इन तीनों का सामना हमवतन खिलाड़ियों से था।

## इंडोनेशिया ओपन में उप विजेता रहीं सिंधू

जकार्ता, 21 जुलाई (भाषा)।

भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को रविवार को यहां जापान की अकाने यामागुची से सीधे गेम में मिली हार से इंडोनेशिया ओपन में उप विजेता बनकर संतुष्ट होना पड़ा। सिंधू को बीडब्लूएफ टूर सुपर 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त यामागुची से 15-21, 16-21 से पराजय झेलनी पड़ी। ओलंपिक रजत पदकधारी सिंधू का इस मुकाबले से पहले जापानी खिलाड़ी के खिलाफ जीत का रेकार्ड 10-4 था। दुनिया की पाचवीं रैंकिंग पर काबिज इस भारतीय का यह सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

## गुजरात फॉर्चून की पीकेएल में जीत से शुरुआत

हैदराबाद, 21 जुलाई (भाषा)।

कप्तान सुनील कुमार की अगुआई में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए गुजरात फॉर्चून जाइंट्स ने रविवार को बंगलुरु बुल्स को 42-24 से हराकर प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के सातवें सत्र का शानदार आगाज किया। सुनील कुमार ने अच्छा खेल दिखाया और टैकल में छह अंक बनाए। दूसरी तरफ बंगलुरु के स्टार रेडर पवन सहरावत की गुजरात के मजबूत रक्षण के सामने नहीं चली। पवन ने दूसरे हाफ में एक सुपर रेड सहित आठ अंक बनाए लेकिन उन्होंने अधिकतर समय (21 मिनट) बेंच पर बिताए जिसका गुजरात ने पूरा फायदा उठाया। मैच के 24वें मिनट में गुजरात 25-14 से आगे था। पवन ने यहां पर सुपर रेड से स्कोर 25-18 किया लेकिन गुजरात ने अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत किया जिसके बाद बंगलुरु आखिर तक वापसी नहीं कर पाया।

## विश्व सैन्य खेलों की मेजबानी को तैयार चीन

वुहान (चीन), 21 जुलाई (भाषा)।

2008 में बेजिंग ओलंपिक की सफल मेजबानी के बाद चीन अब वुहान में अक्तूबर में होने वाले विश्व सैन्य खेलों में भारत सहित 100 देशों के खिलाड़ियों का स्वागत करने को तैयार है।

अठारह से 27 अक्तूबर तक चलने वाले सातवें सीआइएसएम सैन्य विश्व खेलों के लिए तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। 35 स्थलों पर निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। अधिकारियों ने कहा कि इन खेलों में दो लाख से ज्यादा स्वयंसेवी हिस्सा लेंगे ताकि यह वैश्विक टूर्नामेंट अच्छी तरह आयोजित हो।

**27** खेलों में 100 देशों के 10,000 सैन्य एथलीटों के भाग लेने की उम्मीद है।

अंतरराष्ट्रीय सैन्य खेल परिषद का ब्रसेल्स में मुख्यालय 1995 के बाद से हर चार साल में विश्व सैन्य खेलों की मेजबानी करता था। मई 2015 में चीन ने इस परिषद के सदस्य होने के नाते इस साल खेलों की मेजबानी के अधिकार हासिल किए जिसमें वुहान को मेजबान शहर चुना गया। आयोजकों के अनुसार 100 देशों के 27 खेलों में 10,000 सैन्य एथलीटों के इसमें भाग लेने की उम्मीद है।

# हिमा की झोली में एक माह में पांचवां स्वर्ण पदक

नोवे मेस्तो (चेक गणराज्य), 21 जुलाई (भाषा)।

भारत की स्टार धाविका हिमा दास ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपनी पसंदीदा 400 मीटर दौड़ में 52.09 सेकंड के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ इस महीने का पांचवां स्वर्ण पदक जीता। शनिवार को हिमा का यह प्रदर्शन हालांकि 50.79 के उनके निजी सर्वश्रेष्ठ से धीमा है जो उन्होंने जकार्ता एशियाई खेलों के दौरान बनाया था। वह साथ ही 51.80 सेकंड के विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग स्तर से भी चूक गईं।

हिमा का यह प्रदर्शन हालांकि 52.88 सेकंड के सत्र में उनके पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से बेहतर है। दो जुलाई को यूरोप में पहली प्रतिस्पर्धी दौड़ में हिस्सा लेने के बाद से हिमा का यह पांचवां स्वर्ण पदक है। हिमा ने साल की अपनी पहली 200 मीटर प्रतिस्पर्धी दौड़ में 23.65 सेकंड के समय के साथ दो जुलाई को पोलैंड में पोजनान एथलेटिक्स ग्रांप्री में स्वर्ण पदक जीता था।

इसके बाद उन्होंने सात जुलाई को पोलैंड में ही कुत्नो एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 23.97 सेकंड के साथ 200 मीटर में स्वर्ण पदक जीता। चेक गणराज्य में 13 जुलाई को क्लादनो एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हिमा ने 23.43 सेकंड से स्वर्ण पदक जीता जबकि बुधवार को इसी देश में उन्होंने ताबोर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में चौथा सोने का तमगा जीता।

इस बीच एमपी जबीर ने भी 400 मीटर बाधा दौड़ में 49.66 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता लेकिन मोहम्मद अनस को 200 मीटर में 20.95 सेकंड के समय से कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

> "भारत को हिमा दास की पिछले कुछ दिनों की उपलब्धियों पर बहुत गर्व है। हर कोई इस बात से बहुत खुश है कि उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में पांच पदक जीते। उनको बधाई और भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।
> -प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

फाइनल में ओवरथ्रो पर अंपायर का कबूलनामा **विश्व कप** पांच की जगह छह रन दे दिए थे अंपायर ने

# मैंने गलती की पर कोई मलाल नहीं : धर्मसेना

कोलंबो, 21 जुलाई (भाषा)।

अंपायर कुमार धर्मसेना ने स्वीकार किया है कि विश्व कप फाइनल में ओवरथ्रो पर इंग्लैंड को छह रन देना उनकी गलती थी। हालांकि श्रीलंका के इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उन्हें इस फैसले पर कभी मलाल नहीं होगा। दूसरा रन लेने की कोशिश कर रहे बेन स्टोक्स के बल्ले से टकराने के बाद मार्टिन गुप्टिल का थ्रो सीमा रेखा पार कर गया था। इसके बाद धर्मसेना ने पांच की जगह इंग्लैंड के स्कोर में छह रन जोड़ने का इशारा किया था।

यह मैच बाद में टाई रहा और सुपर ओवर में भी दोनों टीमों ने समान रन बनाए जिसके बाद इंग्लैंड को अधिक बाउंड्री लगाने के कारण विजेता घोषित किया गया जिससे न्यूजीलैंड के खिलाड़ी हैरान थे। धर्मसेना ने 'संडे टाइम्स' से कहा कि टीवी रीप्ले देखने के बाद लोगों के लिए टिप्पणियां करना आसान होता है। अब टीवी रीप्ले देखने के बाद मैं स्वीकार करता हूं कि फैसला करने में गलती हुई। लेकिन, मैदान पर टीवी रीप्ले देखने की सहूलियत नहीं थी और मुझे अपने फैसले पर कभी मलाल नहीं होगा। साथ ही आइसीसी ने उस समय किए फैसले के लिए मेरी सराहना की है। धर्मसेना ने लेग अंपायर मराइस इरासमस से सलाह मशविरे के बाद इंग्लैंड के स्कोर में छह रन जोड़ने का फैसला किया था। इंग्लैंड को अंतिम तीन गेंद पर जीत के लिए नौ रन की दरकार थी और इसके बाद उसे दो गेंद में तीन रन चाहिए थे। धर्मसेना ने कहा कि नियमों के अनुसार इस घटना को लेकर तीसरे अंपायर से सलाह लेने का कोई प्रावधान नहीं था। उन्होंने कहा कि नियमों में इस मुद्दे को तीसरे अंपायर के पास भेजने का कोई प्रावधान नहीं था क्योंकि कोई आउट नहीं हुआ था। धर्मसेना ने कहा कि इसलिए मैंने संवाद प्रणाली के जरिए लेग अंपायर से सलाह ली जिसे सभी अन्य अंपायरों और मैच रैफरी ने सुना। और वे टीवी रीप्ले नहीं देख सकते थे, उन सभी ने पुष्टि की कि बल्लेबाजों ने रन पूरा कर लिया है। इसके बाद मैंने अपना फैसला किया।

कुमार धर्मसेना

### इस तरह के नतीजे उचित नहीं : मोर्गन

लंदन, 21 जुलाई (भाषा)।

इंग्लैंड के पहले विश्व कप खिताब जीतने के एक हफ्ते बाद भी कप्तान इयोन मोर्गन इस जीत से जुड़े सवालों से जूझ रहे हैं। उनका मानना है कि इस तरह का नतीजा उचित नहीं था। मेजबान इंग्लैंड ने 50 ओवर का मैच और फिर सुपर ओवर भी टाई रहने के बाद लॉर्ड्स के मैदान पर अधिक बाउंड्री लगाने के कारण न्यूजीलैंड को पछाड़कर विश्व कप जीता।

'द टाइम्स' ने मोर्गन के हवाले से कहा कि मुझे नहीं लगता कि इसे जीतने से स्थिति आसान हुई है। जब दोनों टीमों के बीच बेहद कम अंतर था तब मुझे नहीं लगता कि इस तरह का नतीजा उचित है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि कोई एक लम्हा था जब आप कह सको कि इसके कारण असल में मैच गंवाया। यह काफी संतुलित था। माना जा रहा था कि विजेता टीम का हिस्सा होना पर्याप्त होगा लेकिन जीत के तरीके से मोर्गन परेशान महसूस कर रहे हैं लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि अगर वह हारने वाली टीम का हिस्सा होते तो स्थिति और बदतर होती।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 36, अंक 246, *हवाई शुल्क :* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।